सुविचार

मनुष्य के मन और मस्तिष्क पर भय का जितना प्रभाव होता है, उतना किसी और शक्ति का नहीं।

-मुंशी प्रेमचंद

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Priyanka Chopra's Brother Grew...

Ranchi ● Thursday, 22 January 2026 ● Year : 05 ● Issue : 10 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

जेपीएससी के सभी 342 सफल अभ्यर्थियों को प्रतिवादी बनाने का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट की एकल पीठ 11वीं से 13वीं जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा मेंस परीक्षा के परिणाम को रद्द करने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई हुई। एकल पीठ में याचिका पहले ही खारिज हो चुकी है। अब याचिकाकर्ता अयूब तिर्की और अन्य ने इसके खिलाफ डबल बेंच में अपील (एलपीए) दायर की है। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की बेंच ने मामले की सुनवाई की। याचिकाकताओं के वकील को निर्देश दिया कि 342 सफल अभ्यर्थियों, जिन्हें नियुक्ति पत्र मिल चुका है, को दो सप्ताह के अंदर प्रतिवादी बनाएं। सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता संजय पिपरवाल और प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा। याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता सुभाशीष रसिक सोरेन और शोभा लकड़ा ने अपना पक्ष रखा। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था कि इस केस के अंतिम निर्णय से सफल अभ्यर्थी प्रभावित होंगे।

11-13वीं संयुक्त सिविल सेवा मेंस परीक्षा के परिणाम को रद्द करने का मामला

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक व जस्टिस राजेश शंकर की बेंच में सुनवाई

अक्टूबर 2025 में खारिज हुई थी याचिका

बता दें कि हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की एकल पीठ ने अक्टूबर 2025 में 11वीं से 13वीं संयुक्त जेपीएससी मेंस परीक्षा के परिणाम को रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। अदालत ने दोनों पक्ष की दलीलें सुनने के बाद स्पष्ट किया था कि याचिकाकर्ता की आपत्तियां समयबद्ध नहीं थीं। मूल्यांकन प्रक्रिया में ऐसा कुछ नहीं पाया गया, जो परीक्षा परिणाम को रद्द करने योग्य हो। अतः याचिका निराधार है और उसे खारिज किया जाता है। यह रिट याचिका अयूब तिर्की और राजेश कुमार की ओर से दायर की गई थी।

असफल होने के कारण प्रक्रिया पर सवाल

सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पक्ष रखते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता परीक्षा में असफल हुए हैं, इसी कारण अब वे प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। अगर उन्हें परीक्षा पद्धति से आपत्ति थी, तो उन्हें पूर्व में ही आपत्ति दर्ज करानी चाहिए थी, न कि परिणाम आने के बाद। सभी उम्मीदवारों के लिए एक समान नियम लागू किए गए थे और किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ है।

डिजिटल इवैल्यूएशन पर जताई गई है आपत्ति

रिट में कहा गया था कि जेपीएससी ने डिजिटल इवैल्यूएशन कराया, जो परीक्षा नियमों के खिलाफ है। रीजनल लैंग्वेज की कॉपियों का मूल्यांकन कम अनुभव वाले परीक्षकों ने किया, जबकि नियम के अनुसार कम से कम 10 वर्षों के अनुभव वाले परीक्षकों से जांच कराना आवश्यक था। याचिका में यह भी कहा गया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में गंभीर त्रुटियां और अनियमितताएं हुई हैं, इसलिए परीक्षा परिणाम रद्द किया जाना चाहिए।

लापता बच्ची के मामले में गृह सचिव तलब

दूसरे राज्यों के घुमंतू लोगों के लिए गाइडलाइन बनाना जरूरी : हाईकोर्ट

बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट ने लापता बच्ची से जुड़े मामले में सुनवाई की। सनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी में कोर्ट ने कहा कि राज्य में राजस्थान सहित अन्य राज्यों से आने वाले घुमंतू लोगों के लिए कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं है। पुलिस इन लोगों के आधार कार्ड या पहचान की जांच नहीं करती और न ही राज्य सरकार ने इनके लिए कोई नियम बनाए हैं। ये लोग जगह-जगह टेंट बनाकर रहते हैं और कई बार आपराधिक गतिविधियों को भी अंजाम देते हैं। ऐसे लोगों पर नजर रखने के लिए पुलिस प्रशासन को गाइडलाइन बनाने की जरूरत है। साथ ही अदालत ने गृह सचिव को अगली सुनवाई यानी 27 जनवरी को ऑनलाइन उपस्थित होने को कहा है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान हाल ही में रांची के धुर्वा से गायब हुए दो बच्चों अंश और अंशिका का भी जिक्र किया। कोर्ट ने कहा कि झारखंड में बच्चों की तस्करी के नेटवर्क सक्रिय हैं, जिन पर कड़ी नजर रखनी होगी और संबंधित लोगों को तत्काल पकड़ना होगा। यह मामला गुमला जिले की 6 वर्षीय बच्ची से जुड़ा है। उसकी मां चंद्रमुनि उराइन ने सितंबर 2018 में हेबियस कार्पस दायर की थी।

SHARE

सेंसेक्स	:	81,909.63
निफ्टी	:	25,157.50

SARAFA

सोना	:	14,340
चांदी	:	340.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भारत में ही होंगे बांग्लादेश के टी-20 वर्ल्डकप मैच

NEW DELHI : बांग्लादेश को 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के अपने सभी मैच भारत में ही खेलने होंगे। आईसीसी ने साफ कर दिया है कि टूर्नामेंट के शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को भारत में ना खेलने की अपनी मांग पर विचार के लिए एक दिन का और समय दिया गया है। क्रिकइन्फो के मुताबिक आईसीसी बोर्ड की बैठक में 16 में से 14 सदस्य देशों ने बीसीबी के खिलाफ वोट किया। केवल पाकिस्तान ने बांग्लादेश का समर्थन किया। अब 22 जनवरी को यह तय होगा कि बांग्लादेश वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा या नहीं। अगर बीसीबी ने भारत में खेलने से इनकार जारी रखा, तो उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया जा सकता है। बुधवार को आईसीसी ने बीसीबी और बाकी सदस्यों के साथ मीटिंग की। आईसीसी ने कहा, अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट खेलने के लिए भारत नहीं गया तो उन्हें दूसरी टीम से रिप्लेस कर दिया जाएगा।

2031 तक जारी रहेगी अटल पेंशन योजना

NEW DELHI : बुधवार को केंद्र सरकार ने अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया तथा इसके प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और अंतर वित्तपोषण के लिए सरकारी सहायता बढ़ाने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये इस निर्णय से असंगठित क्षेत्र के करोड़ों श्रमिकों को वृद्धावस्था में नियमित आय सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कैबिनेट के फैसले के अनुसार योजना को 2030-31 तक जारी रखा जाएगा। इसके अंतर्गत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक योजना की पहुंच बढ़ाने के लिए जनजागरूकता, क्षमता निर्माण जैसी प्रचार एवं विकासात्मक गतिविधियों के लिए सहायता दी जाएगी।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम : दावोस में पीटीआई से बातचीत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोले-

औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन से नहीं हो सकता समझौता

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य हरित ऊर्जा उपायों, कौशल विकास और संतुलित परिवेश के विकास में निवेश आकर्षित करने की दिशा में काम कर रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम यानी विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में पहली बार शामिल हुए सोरेन ने पीटीआई-भाषा के साथ विशेष बातचीत में कहा कि पारंपरिक खनन क्षेत्र से इतर भी राज्य में निवेश के कई अवसर मौजूद हैं। लेकिन, औद्योगिक विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावोस प्रतिनिधिमंडल में झारखंड को शामिल किए जाने के लिए केंद्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि यह नए विचार सीखने और झारखंड को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का एक बेहतरीन अवसर है। केंद्र में अलग दल की सरकार होने के कारण राज्य में निवेश एवं औद्योगिक विकास प्रभावित होने के सवाल पर सोरेन ने कहा, यदि हम ऐसा सोचेंगे तो यह राज्य और देश दोनों के लिए नुकसानदेह होगा। उन्होंने कहा, एक जिम्मेदार राज्य सरकार के रूप में हम राज्य या देश को नुकसान पहुंचाने की सोच नहीं सकते।

1. पारंपरिक खनन क्षेत्र से इतर भी राज्य में निवेश के कई अवसर मौजूद
2. विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में पहली बार झारखंड की हो रही भागीदारी
3. फोरम में झारखंड को शामिल करने के लिए हेमंत ने केंद्र सरकार का जताया आभार

हरित ऊर्जा उपायों और कौशल विकास में निवेश आकर्षित करने के लिए हो रहा काम

सभी राज्यों के विकास के तरीके अलग-अलग

सोरेन ने कहा कि सभी राज्यों के विकास के तरीके अलग-अलग होते हैं और झारखंड का गठन केवल 25 वर्ष पहले ही हुआ है। हम यहां अपने राज्य को मजबूत करने के लिए हैं और जब सभी राज्य मजबूत होंगे, तो देश भी निश्चित रूप से मजबूत होगा। हमारे पास 2050 तक का एक मजबूत खाका है, जब राज्य के 50 वर्ष पूरे होंगे। एक आदिवासी राज्य और आदिवासी नेतृत्व के लिए इस तरह के वैश्विक मंच पर मौजूद रहना एक बड़ा अवसर है। झारखंड पारंपरिक रूप से खनन क्षेत्र पर केंद्रित रहा है, लेकिन सरकार समानांतर वृद्धि के अवसर तलाशने और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है।

इंफोसिस ग्लोबल के ईवीपी ने सीएम हेमंत सोरेन से की मुलाकात

दीर्घकालिक विकास की दिशा में सहयोग पर सहमति

स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ग्लोबल इंफोसिस, कैलिफोर्निया के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (ईवीपी) आशीष कुमार दास ने मुलाकात की। इस अवसर पर झारखंड के दीर्घकालिक विकास विजन और तकनीक आधारित विकास की दिशा में सहयोग की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इंफोसिस प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों और दूरदर्शी दृष्टिकोण की सराहना की। विशेष रूप से प्रतिभाओं के पुनः कौशल विकास (री-स्किलिंग), टेक्नोलॉजी टॉवर की परिकल्पना तथा उन्नत तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से खनन क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन को राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल बताया गया।

हेमंत के बाद व्हाइट बैज से नवाजी गई कल्पना

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 झारखंड के लिए खास और गौरवपूर्ण साबित हुआ है। फोरम की ओर से हेमंत सोरेन के बाद अब विधायक कल्पना सोरेन को भी व्हाइट बैज से नवाजा गया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत के किसी राज्य से दो चुने हुए आदिवासी जनप्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय फोरम में शामिल हुए हैं।

सरायकेला-खरसावां जिले में 12 लाख घनफीट बालू हुआ था जब्त, लगातार चलाया गया छापेमारी अभियान

पहली बार जब्त बालू की 2.30 करोड़ में नीलामी

PHOTON NEWS JSR : झारखंड में पहली बार छापेमारी के दौरान जब्त बालू की ऑनलाइन नीलामी की गई है। सरायकेला-खरसावां जिले में हुई इस नीलामी में रेड के दौरान सीज किए गए कुल बालू को 2 करोड़ 30 लाख रुपये में नीलाम किया गया है। यह नीलामी जिला खनन विभाग ने की है। जब्त 12 घन फीट बालू की बेस प्राइस 1.72 करोड रुपये रखी गई थी। ये नीलामी साईं रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड ने ली है। प्रदेश में अब तक विभिन्न जिलों में अवैध बालू खनन व परिवहन के खिलाफ जो भी अभियान चला था, उसमें बड़े पैमाने पर बालू जब्त किया जाता था। लेकिन, बालू की ऑनलाइन नीलामी पहली बार सरायकेला-खरसावां जिले में की गई है। इसके पहले कभी भी जब्त बालू की ऑनलाइन नीलामी नहीं हुई। इस नीलामी से सरकार को 2.30 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है।

नदी किनारे से पकड़ी गई थीं अवैध बालू के साथ 10 नावें

झारखंड में पहली बार जब्त बालू की नीलामी हुई है। इससे सरकार को अच्छा खासा राजस्व मिला है। खनन विभाग अवैध बालू खनन करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाता रहेगा।

-ज्योति शंकर सतपथी, जिला खनन अधिकारी

पकड़े गए वाहनों से वसूला गया था जुर्माना

जिले में अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया गया। यह बालू जिला परिवहन विभाग ने जब्त किया था। गौरतलब है कि सरायकेला-खरसावां जिले में अवैध बालू खनन पर कड़ा शिकंजा कसा गया है। सरायकेला-खरसावां जिले में बालू के अवैध खनन और परिवहन पर लगातार कार्रवाई की गई है। जिला खनन विभाग ने पिछले साल सितंबर और अक्टूबर में 10 ट्रैक्टर, एक ट्रक और दो डंपर बालू जब्त किया था। इसके अलावा, 20000 घनफीट ईट की मिट्टी भी जब्त हुई थी। इसके बाद फिर छापेमारी कर 15000 घनफीट बालू जब्त किया गया था। जो वाहन बालू के अवैध परिवहन करते हुए पकड़े गए थे, उनसे 94 हजार रुपये जुमार्ना भी वसूला गया था।

शहरबेड़ा व सपड़ा घाट पर उत्खनन

सरायकेला में आदित्यपुर थाना क्षेत्र के शहरबेड़ा और सपड़ा घाट पर भी अवैध बालू का उत्खनन होता है। यहां नाव के जरिए अवैध बालू खनन कर इसका अवैध परिवहन किया जाता है। खनन विभाग ने यहां दिसंबर के महीने में छापामारी कर बालू के अवैध खनन में लगी 10 नावें जब्त की थीं। बड़े पैमाने पर बालू भी सीज हुआ था। इस संबंध में डीसी नितिश कुमार सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन ने जब्त खनिज संसाधनों के निपटान के लिए ऑनलाइन नीलामी जैसी पारदर्शी एवं तकनीक आधारित प्रणाली को अपनाया है।

दावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति

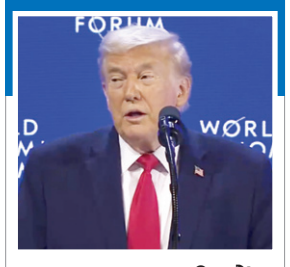

ट्रंप का एलान : ग्रीनलैंड चाहिए, लेकिन ताकत का इस्तेमाल नहीं करेंगे

NEW DELHI : बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे के प्लान को दुनिया के सामने सही ठहराया है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा अमेरिका के अलावा कोई और देश नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी ग्रीनलैंड की जरूरत है। ट्रंप ने अपने भाषण में कहा कि ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए अमेरिका ताकत का इस्तेमाल नहीं करेगा। ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध करने के लिए उन्होंने डेनमार्क को अहसान फरामोश कहा। डब्ल्यूईएफ में अपने भाषण की शुरुआत में ट्रंप ने कहा- खूबसूरत दावोस वापस आकर अच्छा लग रहा है। यहां कई बिजनेस लीडर्स, कई दोस्त, कुछ दुश्मन और खास मेहमान मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप गलत दिशा में जा रहा है। ट्रंप ने वेनेजुएला का जिक्र करते हुए कहा कि वहां कुछ दिक्कतें जरूर हैं लेकिन अमेरिका उनकी मदद कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि वेनेजुएला में अमेरिकी एक्शन के बाद उसका फायदा होने वाला है और यह देश काफी समय के बाद बहुत ज्यादा पैसा कमाने वाला है। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के नेताओं ने अमेरिका के साथ समझौता करके बहुत समझदारी दिखाई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- रोक के बाद भी अरावली में अवैध खनन जारी रहना गंभीर

NEW DELHI @ PTI : बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच में अरावली पहाड़ियों पर सुनवाई हुई। सनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि रोक के बावजूद अवैध खनन चल रहा है। इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे। बेंच ने स्पष्ट किया कि खनन रोकने के लिए विशेषज्ञों की एक एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाएगी। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से गारंटी ली कि अरावली क्षेत्र में किसी भी तरह का खनन नहीं होने दिया जाएगा। अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। बेंच ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। पीठ ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी।

- इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे, बनाई जाएगी एक्सपर्ट कमेटी
- सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच में हुई सुनवाई
- क्षेत्र में किसी तरह का खनन नहीं होने देने की कोर्ट ने राजस्थान सरकार से ली गारंटी

चिंता का सबब कृषि योग्य जमीन घटने से आपूर्ति की समस्या गंभीर होने की आशंका

दो दशकों में फलों और सब्जियों की डिमांड में होगा बंपर इजाफा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : केंद्र सरकार के एलान के अनुसार, साल 2047 तक विकसित भारत के विजन पर भारत आगे बढ़ रहा है। इस बीच विविध क्षेत्रों में उत्पन्न हो रहीं नई-नई समस्याएं भी सामने आ रही हैं। विश्व स्तरीय मानकों पर कई दृष्टियों से भारत की स्थिति बहुत अच्छी नहीं कहीं जा सकती। कर्मियों को दूर करने के लिए हमारे सकारात्मक प्रयास जारी हैं। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की गति संतुलित है। आबादी की दृष्टि से आज हम दुनिया का सबसे बड़ा देश बन चुके हैं। इस हिसाब से हमारी डिमांड भी बढ़ती जा रही है। हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से जुड़े नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी रिसर्च (आईसीएआर-एनआईएपी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि वर्ष 2047 तक भारत की कुल खाद्य मांग मौजूदा मांग से दोगुनी से अधिक हो जाएगी। फलों और सब्जियों जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों और पशु उत्पादों की मांग तीन से चार गुना बढ़ने की संभावना है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से जुड़े एनआईएपी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

भविष्य में मांग के अनुसार पशु उत्पादों की सप्लाई पूरी करने में भी होगी कठिनाई

- परंपरागत अनाजों को अधिक पोषणयुक्त और विविध बनाने की दिशा में काम करना जरूरी
- साल 2047 तक शहरों में रहने लगेगी भारत की लगभग 80 करोड़ आबादी

- दालों की खपत दोगुनी होकर 4.9 करोड़ टन तक पहुंचने का लगाया गया है अनुमान
- समय के साथ लोगों के खानपान में आएगा बड़ा बदलाव, अपनानी होगी नई रणनीति

खाद्य तेल व चीनी की खपत में भारी वृद्धि

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस तेजी से बढ़ती जरूरत को देखते हुए कृषि भूमि में मामूली गिरावट की संभावना है, जो मौजूदा 18 करोड़ हेक्टेयर से घटकर 17.6 मिलियन हेक्टेयर हो सकती है। ऐसी स्थिति में बढ़ती मांगों की आपूर्ति करने में गंभीर समस्या खड़ी हो सकती है। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि परंपरागत अनाजों को अधिक पोषणयुक्त और विविध बनाने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। 2047 तक भारत की आबादी करीब 1.6 अरब तक पहुंच सकती है और आधी जनसंख्या शहरों में रहने लगेगी। मतलब 80 करोड लोग शहरों में रहने लगेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, फलों की मांग सालाना 3 प्रतिशत की दर से बढ़कर 23.3 करोड़ टन हो सकती है, जबकि सब्जियों की मांग 2.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 36.5 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है। दालों की खपत दोगुनी होकर 4.9 करोड़ टन और खाद्य तेल व चीनी की मांग में क्रमशः 50 और 29 फीसदी तक की वृद्धि अनुमानित है।

साइबर अपराधियों ने महिलाओं के नाम पर ठगे 46 लाख रुपये

रामगढ़ के दो आरोपी किए गए गिरफ्तार, बैंक में खाता खोलने का देते थे झांसा

AGENCY RAMGARH : इन दिनों रामगढ़ जिले में साइबर अपराध के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। जिले में साइबर अपराधी अपने ही रिश्तेदारों के नाम का इस्तेमाल कर लाखों रुपये का फ्रॉड कर रहे हैं। रामगढ़ एसपी अजय कुमार और साइबर सेल की सक्रियता से ऐसे ही एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। रामगढ़ शहर के नईसराय बस्ती निवासी मो सरफराज उर्फ सोनू और रजरप्पा थाने के जरियो गांव निवासी अबू तालिब उर्फ अबू कलाम को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

बुधवार को इस मामले की जानकारी देते हुए एसपी अजय कुमार ने बताया कि दोनों ही साइबर अपराधी 30 साल से कम उम्र के हैं। दोनों ने अपने ही ससुराल की चार महिलाओं (रिश्ते में सरहज) के नाम पर बैंक खाता खुलवाया और मात्र एक महीने में 46 लाख रुपए साइबर फ्रॉड किया। एसपी ने बताया कि अबू तालिब का ससुराल कुजू ओपी क्षेत्र के करमा जमुआ गांव में है। उसकी पत्नी की चार भाभी गांव में रहती हैं। अबू तालिब ने अपनी सभी सरहजों (रिश्ते में भाभी) को सरकारी योजना का लाभ दिलाने का झांसा दिया। उन लोगों से उसने आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज लिए। उस आधार पर उसने इंडियन ओवरसीज बैंक की मरार शाखा में खाता खुलवाया। उन लोगों के नाम से उसने सिम कार्ड भी निकलवाए और उस नंबर का इस्तेमाल खुद ही करता था। 9 दिसंबर 2025 को खाता खोलने के बाद ही उसमें अनजान जगह से फ्रॉड किए गए पैसे का ट्रांजैक्शन शुरू हो गया।

एसपी ने बताया कि चारों महिलाओं के नाम से खुले खाते में असम और कर्नाटक राज्य से साइबर ठगी कर 46 लाख 23 हजार 901 रुपए मंगाए गए। मामले का भंडाफोड़ तब हुआ जब कर्नाटक और असम में ठगे गए लोगों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जब खाताधारकों के बारे में बैंक से पूछा, तो उन महिलाओं को अपने नंदोई की ओर से ही ठगे जाने की खबर मिली।

कुजू ओपी के जमुआ गांव से पुलिस के पास पहुंची रूबी खातून ने ठगी की शिकायत भी दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि अबू तालिब और सरफराज ने उसके और उसके तीन गोतनी के नाम से इंडियन ओवरसीज बैंक में खाता खुलवाया। जिओ कंपनी का सिम लेकर अबू तालिब और सरफराज उर्फ सोनू गिरोह बनाकर लोगों से ठगी कर रहे हैं।

मझगांव में दंतैल हाथी का आतंक, दंपती को पटका, पांच बच्चों समेत 8 हुए घायल

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव प्रखंड में हाथियों के आतंक से दहशत का माहौल बना हुआ है। बीते कई दिनों से प्रखंड के विभिन्न गांवों में हाथियों के उत्पात से कई घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और अनेक परिवार बेघर हो गए हैं। मंगलवार को देर रात एक विशाल दंतैल हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। हाथी ने सोनापोसी पंचायत के बास्की गांव में रामसिंह चातार और काया चातार के घर को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद हाथी चत्रीसाई गांव पहुंचा, जहां सुखलाल पिगुंवा का घर ढाह दिया। घर के अंदर सो रहे पांच छोटे बच्चे दीवार गिरने से दब गए। परिजनों के शोर-शराबे के बाद हाथी वहां से भागा। ग्रामीणों ने बच्चों को बाहर निकालकर तत्काल मझगांव रेफरल अस्पताल पहुंचाया। घटना में घायल बच्चों के चाचा मुंगड़ी पिगुंवा ने बताया कि घर टूटने की आवाज सुनकर वह पत्नी संध्या

घर के बिखरे ईंटें

पिगुंवा के साथ बाहर निकले, तभी हाथी ने सूंड से दोनों को पटक दिया। दोनों घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचे, जहां इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। परिजनों ने सिंगबोंगा की कृपा से जान बचने की बात कही। इसके बाद हाथी मझगांव पंचायत के पाण्डुकी टोला पहुंचा, जहां एक के बाद एक तीन घरों को तोड़ दिया। घर के अंदर सो रहे बुजुर्ग ऊचबा गोप दीवार गिरने से घायल हो गए। पंचायत की मुखिया के पति मो. फैयाज ने उन्हें मझगांव रेफरल अस्पताल पहुंचाया। इसके अलावा हाथी ने प्रदीप हेंब्रम और हरिश बिरुवा के घरों को भी क्षतिग्रस्त किया। हरिश बिरुवा के घर में रखे धान, चावल और हड़िया को नुकसान पहुंचाने के बाद हाथी सिलफोड़ी जंगल की ओर चला गया। गांव में अंधेरा होने के कारण लोगों में डर का माहौल बना रहा। समाजसेवी प्रदीप हेंब्रम ने मझगांव बीडीओ और वन विभाग से पाण्डुकी गांव में स्ट्रीट लाइट लगाने तथा पीड़ित परिवारों को शीघ्र उचित मुआवजा देने की मांग की है। यहां बता दें कि हाल ही में बेनीसागर में दंतैल हाथी के हमले में तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है। डर के मारे लोग छतों पर सोने को मजबूर हैं। हाथियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए वन विभाग ने बेनीसागर के पोंडुवाबुरु में 100 से अधिक कर्मियों का कैंप लगाया था, लेकिन बीते सोमवार को वन विभाग के कर्मी अपने-अपने क्षेत्रों में लौट गए।

BRIEF NEWS

तोरपा रेफरल अस्पताल से बाइक चोरी

KHUNTI : तोरपा रेफरल अस्पताल परिसर से बुधवार दोपहर चोरों ने एक युवक की मोटरसाइकिल की चोरी कर ली। मोटरसाइकिल के मालिक प्रशांत धान ने इसे लेकर तोरपा थाना में मामला दर्ज कराया है। चोरी गई मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर (जेएच 01 एफ 8237) बताया गया है। आवेदन में प्रशांत ने बताया कि बुधवार को वह अपनी मोटरसाइकिल लेकर किसी कार्य से तोरपा रेफरल अस्पताल गया था। अस्पताल परिसर में ही मोटरसाइकिल खड़ी कर वह अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वह अस्पताल से बाहर निकला तो देखा कि उनकी मोटरसाइकिल वहां से गायब है। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल चोरी की पूरी घटना अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

मऊभंडार बना एमएलए कप का चैंपियन

GHATSILA : मां दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब की ओर से मऊभंडार के ताम्र प्रतिभा मंच (फुटबॉल ग्राउंड) में पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की स्मृति में खेले जा रहे घाटशिला एमएलए कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में मऊभंडार ब्वायज ने रोमांचक जीत दर्ज चैंपियनशिप पर कब्जा जमा लिया। मऊभंडार की टीम ने फाइनल में चिराग इलेवन बुरकाडीह की टीम को एक रन से हरा दिया। फ्लड लाइट में खेले गए मैच में मऊभंडार की टीम ने निर्धारित आठ ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 97 रन बनाए। जवाब में चिराग इलेवन निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 96 रन ही बना सकी। विजेता व उपविजेता टीम को एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर व यूनियन के महासचिव ओमप्रकाश सिंह ने पुरस्कृत किया।

परिवार से विवाद के बाद युवती ने दे दी जान

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में पारिवारिक कलह के कारण 20 वर्षीय एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पूरी मामले जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार चाईबासा सदर थाना अंतर्गत एसपीजी मिशन कंपाउंड निवासी 20 वर्षीय गीता नामक युवती का बुधवार को किसी बात को लेकर परिजनों के साथ विवाद हो गया था। बाद में वह गुस्से से अपने कमरे में चली गई। इसके बाद अंदर से कमरा बंद कर रूम में लगे पंखे में दुपट्टा से फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों को चिंता होने लगी। इसके बाद काफी देर तक चिल्लाया गया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने दरवाजा तोड़ा। अंदर देखा कि पंखे में गीता झूल रही है। इसके बाद परिजनों ने तुरंत फंदे से उतार कर उसे सदर अस्पताल लाया, लेकिन यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

रिश्वत लेता चैनपुर थाना प्रभारी गिरफ्तार

GUMLA : जिले के चैनपुर थाना प्रभारी की कुर्सी संभालने के महज 96 घंटे के भीतर ही थाना प्रभारी शैलेश कुमार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की टीम ने 30 हजार रुपये रिश्वत लेता रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को ही उन्होंने चैनपुर के 22 वें थानेदार के रूप में पदभार ग्रहण किया था । लेकिन बुधवार दोपहर उनके भ्रष्टाचार का खेल खत्म हो गया। आरोप है कि थानेदार शैलेश कुमार और पूर्व प्रभारी अशोक कुमार पीड़ित जयपाल नायक से निजी घर के लिए ईंट पकाने के एवज में अवैध वसूली का दबाव बना रहे थे। पीड़ित ने बताया कि वह एक गरीब आदमी है, लेकिन पुलिस वाले उसे लगातार परेशान कर रहे थे।

यातायात नियमों की अनदेखी करने पर कार हुई जब्त, जांच में जुटी पुलिस

AGENCY DHANBAD : सोशल मीडिया पर कानून और यातायात नियमों की अनदेखी करते एक स्कॉर्पियो वाहन का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर वाहन को जब्त कर लिया। स्कॉर्पियो में लगे काले शीशे और फैंसी मॉडिफाइड नंबर प्लेट लगा हुआ था जो यातायात नियमों का उल्लंघन है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी पर काले शीशे लगे हुए थे और नंबर प्लेट से छेड़छाड़ कर उस पर राजपूत 0215 लिखा हुआ पाया गया। यह मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है और सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी माना जाता है। मामला संज्ञान में आते ही ट्रैफिक डीएसपी अरविन्द

जब्त की गई कार

सिंह ने संबंधित वाहन की पहचान कर कार्रवाई का निर्देश दिया। उनके निर्देश पर निरसा थाना प्रभारी अनिल शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई, उन्होंने बुधवार को दबिश देकर स्कॉर्पियो को जब्त कर निरसा थाना लाया। जांच में सामने आया कि जब्त स्कॉर्पियो मनोज सिंह के नाम से पंजीकृत है। वाहन का वास्तविक पंजीकरण नंबर जेएच 10 डीई 0215 है, जबकि वायरल वीडियो में फर्जी तरीके से राजपूत 0215 लिखा नंबर प्लेट लगाया गया था। वाहन को जब्त कर मोटर व्हीकल अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ट्रैफिक डीएसपी अरविन्द सिंह ने कहा कि काले शीशे, फैंसी नंबर प्लेट और अवैध मॉडिफिकेशन करने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों की अनदेखी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मौके पर उन्होंने सभी वाहन चालकों से वैध दस्तावेजों के साथ वाहन चलाने और किसी भी प्रकार के अवैध बदलाव से बचने की अपील की। डीएसपी ने कहा कि नियमों के पालन से ही सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है।

राज्य के सभी अस्पतालों में होगी रेडियोलॉजी भुगतान की जांच

JAMSHEDPUR : राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में पीपीपी मोड पर चल रही रेडियोलॉजी जांच सेवाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कापोर्रेशन लिमिटेड ने आदेश जारी कर कहा है कि रेडियोलॉजी सेवाएं चला रही निजी एजेंसी द्वारा जमा किए गए सभी बिलों की बारीकी से जांच की जाए। जांच का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि भुगतान सिर्फ उन्हीं जांचों का हो, जो वास्तव में मरीजों की कराई गई हों। स्वास्थ्य निगम ने साफ निर्देश दिया है कि किसी भी हालत में फर्जी, गलत या बढ़ा-चढ़ाकर बनाए गए बिलों का भुगतान नहीं किया जाए। सभी लंबित भुगतानों की समीक्षा कर वास्तविक देय राशि तय की जाए और एक सप्ताह के भीतर इसकी रिपोर्ट निगम को सौंपी जाए। विभाग का कहना है कि यह कदम सरकारी धन के दुरुपयोग को रोकने और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता लाने के लिए उठाया गया है। इस पूरी जांच की जिम्मेदारी रांची के रिम्स, जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल, धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कालेज समेत राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों और अस्पताल प्रबंधन को सौंपी गई है।

चारदीवारी बनाने के दौरान भाजपा नेता व बेटे पर हमला

PALAMU : जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के बिंदुबिगहा निवासी भाजपा जिला मंत्री सोमेश कुमार सिंह और पुत्र आयुष सिंह (17) के साथ दबंगों ने बेरहमी से मारपीट करने और हत्या का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित सोमेश कुमार सिंह के अनुसार 21 जनवरी की सुबह में वे हैदरनगर स्टेशन के पास स्थित अपनी जमीन पर चारदीवारी का निर्माण करवा रहे थे। उनका पुत्र आयुष सिंह भी उनके साथ मौजूद था। इसी बीच ग्राम बिंदुबिगहा के निवासी चंदन सिंह, हरि सिंह, छोटू सिंह, सूली सिंह अन्य लगभग पांच अज्ञात लोग मौके पर पहुंचे। सभी लाठी-डंडे, चाकू, पिस्टल जैसे घातक हथियारों से लैस थे। सभी ने अचानक पिता-पुत्र पर जानलेवा हमला कर दिया। चंदन सिंह पिस्टल लिए हुए था, उसने पिस्टल के बट

क्षतिग्रस्त कार

से सोमेश कुमार सिंह के चेहरे पर आंख के नीचे वार किया, जिससे खून बहने लगा और सिर में गंभीर चोट आई। वहीं हरि सिंह ने आयुष सिंह को लाठी से पीटकर घायल कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपितों ने मौके पर खड़ी कार के शीशे तोड़कर उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित पक्ष ने बताया कि इस पूरी घटना का फोटो और वीडियो साक्ष्य उनके पास मौजूद है, जिसे जांच के दौरान देखा जा सकता है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

सरस्वती पूजा में अश्लील गानों पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध : एसडीओ

HAZARIBAG : सरस्वती पूजा 23 जनवरी को होनी है। इसे लेकर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय की अध्यक्षता में बुधवार को बैठक हुई, जिसमें सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सरस्वती पूजा सौहार्द, भाईचारे एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाई जाए तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की कोताही न हो। पूजा पंडाल किसी भी अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र अथवा कार्ट परिसर के आसपास नहीं बनाए जाएंगे। रात 10 बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में लाउडस्पीकर नहीं बजाए जाएंगे तथा किसी भी प्रकार के भड़काऊ, आपत्तिजनक अथवा अश्लील गाने बजाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। सभी पूजा समितियों को निर्देश दिया गया कि 24 जनवरी को ही मूर्ति विसर्जन किया जाए। नगर निगम को निर्देशित किया गया कि विसर्जन स्थलों, तालाबों एवं जलाशयों में किसी प्रकार का गहरीकरण कार्य नहीं किया जाए, तालाबों की समुचित साफ-सफाई कराई जाए तथा किसी भी संभावित दुर्घटना से निपटने के लिए आवश्यकतानुसार नौका एवं प्रशिक्षित गोताखोर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बिजली विभाग को विसर्जन स्थलों एवं उनके आसपास झूलते या असुरक्षित विद्युत तारों को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही पूजा आयोजकों को यह सख्त हिदायत दी गई कि आमजनों से चंदा वसूली में किसी प्रकार की जोर-जबरदस्ती, दबाव अथवा परेशान नहीं किया जाए। प्रशासन ने सभी नागरिकों एवं पूजा समितियों से अपील की है कि वे प्रशासन का सहयोग करते हुए सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में अपनी सहभागिता अवश्य निभाएं।

किसानों से ठगी करने वाले दो अपराधी धराए

GIRIDIH : पुलिस ने कृषि यंत्र दिलाने के लिए ठगी करने वाले दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये ठगों पर करीब 100 से अधिक किसानों से लाखों रुपये की ठगी का आरोप है। बुधवार को प्रेसवार्ता कर मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी नीरज सिंह ने बताया कि दोनों आरोपित सुनील वर्मा और धर्मेंद्र वर्मा जिले के डुमरी थाना क्षेत्र स्थित खुद्दीसर के निवासी हैं। मुख्य आरोपित सुनील वर्मा के बारे में बताया कि वह खुद एक पारा शिक्षक है, साथ ही इस अपराध का मास्टरमाइंड है। प्रेसवार्ता के दौरान थाना प्रभारी ज्ञान रंजन ने बताया कि ठगों ने किसानों से ठगी करने का मुख्यतः इलाका शहरी क्षेत्र ही था। डीएसपी ने बताया कि किसानों से पैसे ऐंठने के लिए आरोपित अपने रिश्तेदारों का भी सहयोग लिया करते थे। जिनकी सहायता से वे उनके करीबी किसानों को ठगा करते थे। इसके लिए वे पंचायत सचिवालय और प्राथमिक विद्यालय के बोर्ड पर अंकित सदस्यों और अध्यक्ष के मोबाइल नंबर से सम्पर्क कर ठगी करते थे।

बछड़ा प्रदर्शनी में 61 बछड़ों का मूल्यांकन तीन पशुपालक किए गए पुरस्कृत

AGENCY KHUNTI : उपायुक्त आर रॉनिटा के निर्देश पर जिले के मुरहू प्रखंड के माहिल में राष्ट्रीय कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रम के तहत बुधवार को बछड़ा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी की उपस्थिति में विभिन्न पशुपालकों के घरों में उत्पन्न बेहतर नस्ल के बछड़ों की प्रदर्शनी कराई गई। प्रदर्शनी के दौरान कुल 61 पाड़ी बछड़ों का मूल्यांकन जन्म के बाद अब तक के बेहतर खान-पान, रख-रखाव और प्रबंधन के आधार पर किया गया। कार्यक्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी, अवर प्रमंडल पशुपालन पदाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुरहू रंजीत कुमार सिन्हा उपस्थित थे। मूल्यांकन के बाद सर्वश्रेष्ठ तीन पशुपालकों को पुरस्कृत किया

किसान को पुरस्कार देते पशुपालन पदाधिकारी

गया। प्रथम पुरस्कार ग्राम माहिल निवासी अमरेंद्र मांझी की बछड़ी को, द्वितीय पुरस्कार जलेश्वर महतो की बछड़ी को और तृतीय पुरस्कार अजय मांझी की पाड़ी को दिया गया। विजेताओं को स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अन्य चयनित पशुपालकों को भी सांत्वना पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर जिला पशुपालन पदाधिकारी ने पशुपालकों को संबोधित करते हुए पशुपालन और गव्य विकास विभाग की ओर संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कृत्रिम गभार्धान, सॉर्टेड सीमेन गभार्धान, एफएमडी और ब्रुसेलोसिस सहित अन्य टीकाकरण कार्यक्रम और 02, 05 और 10 गाय डेयरी वितरण योजनाओं का लाभ उठाकर पशुपालन से आर्थिक समृद्धि प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

आजसू ने छात्रवृत्ति की मांग को लेकर घेरा उपायुक्त का कार्यालय

PALAMU : आजसू छात्र संघ के आह्वान पर बुधवार को शिक्षा के लिए भिक्षा आंदोलन के तहत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अंबेडकर पार्क से पैदल मार्च करते हुए उपायुक्त कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान छात्रों ने हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए वर्षों से लंबित छात्रवृत्ति की अविलंब भुगतान की मांग की। मौके पर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर कहा गया कि छात्रवृत्ति छात्रों का संवैधानिक अधिकार है, कोई कृपा या अनुदान नहीं है। समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने से हजारों छात्रों की पढ़ाई बाधित हो रही है और आर्थिक रूप से कमजोर छात्र शिक्षा छोड़ने को विवश हैं। आंदोलन का नेतृत्व आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव, प्रदेश नेता प्रताप

प्रदर्शन करते आजसू छात्र संघ के सदस्य

सिंह, पलामू छात्र नेता अभिषेक राज, विश्वविद्यालय प्रभारी राणा हिमांशु सिंह एवं युवा प्रभारी राहुल मिश्रा ने किया। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ओम ने कहा कि हेमंत सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। छात्रवृत्ति की राशि सरकार के पास होने के बावजूद छात्रों को समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। यदि सरकार जल्द निर्णय नहीं लेती है तो आजसू छात्र संघ राज्यव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होगा। कार्यकारी अध्यक्ष बबलू ने कहा कि गरीब, दलित, आदिवासी और पिछड़ा वर्ग के छात्र सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। शिक्षा के लिए भिक्षा मांगने की नौबत आ जाना सरकार की असंवेदनशीलता को दशार्ता है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋतुराज ने कहा कि छात्र अपने हक की राशि के लिए आंदोलन कर रहे हैं, कोई भीख नहीं मांग रहे हैं। पलामू छात्र नेता अभिषेक ने कहा कि पलामू सहित पूरे प्रमंडल के छात्र छात्रवृत्ति के अभाव में परेशान हैं।

गड़बड़ी चाईबासा के ब्लड बैंक पर उठ रहे सवाल, प्रसव के दौरान संक्रमित रक्त चढ़ाने का परिवार ने लगाया आरोप

पूरा परिवार मिला एचआईवी पॉजिटिव, रांची से पहुंची टीम

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा स्थित सदर अस्पताल का ब्लड बैंक एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गया है। यहां एक ही परिवार के तीन लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। इस मामले के प्रकाश में आने के बाद बुधवार को रांची से छह सदस्यीय जांच टीम चाईबासा पहुंची। टीम ने ब्लड बैंक में विभिन्न बिंदुओं पर जांच की। टीम के सदस्यों ने बताया कि इसकी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

यह मामला मंगलवार को सामने आया था। इसमें परिवार ने ब्लड बैंक पर संक्रमित रक्त चढ़ाने का आरोप लगाया है। महिला ने कहा कि जनवरी 2023 में महिला की सिजिरियन डिलीवरी के दौरान रक्त की आवश्यकता

ब्लड बैंक परिसर पहुंचे टीम के सदस्य

पड़ी थी। इसके बाद ब्लड बैंक से प्राप्त ब्लड, ट्रांसफ्यूजन के कारण महिला, उसके पति और बच्चा एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। यह मामला प्रकाश में तब आया, जब महिला ने 2 जनवरी को दूसरी बार गर्भवती होने पर जांच कराने चाईबासा स्थित सदर अस्पताल पहुंची। इसके बाद उसका एचआईवी टेस्ट हुआ, तो रिपोर्ट पॉजिटिव पाया गया। इसके बाद उसके पति की भी जांच हुई, तो वह भी एचआईवी पॉजिटिव मिला। इस बीच मामला का खुलासा होने के बाद एक बार फिर माहौल गरमा गया।

बता दें कि चाईबासा ब्लड बैंक में यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले अक्टूबर 2025 में भी इसी ब्लड बैंक से रक्त लेने वाले पांच थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इस मामले में तत्कालीन सिविल सर्जन डॉ. सुशांत कुमार माझी और ब्लड बैंक के प्रभारी चिकित्सक डॉ. दिनेश को निलंबित कर दिया गया था। यही नहीं, चाईबासा ब्लड बैंक का लाइसेंस 2008 से नवीनीकृत नहीं हुआ है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और कहा है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सभी तथ्यों की समीक्षा के बाद लिया जाएगा निर्णय : सीएस

पश्चिमी सिंहभूम जिले की सिविल सर्जन डॉ. भारती मिंज ने कहा कि पीड़ित परिवार को अस्पताल बुलाया गया है। सभी तथ्यों की समीक्षा और जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। छह सदस्यीय टीम ने अपने स्तर से जांच की है। जिसकी रिपोर्ट राजधानी में विभाग के वरीय अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

बच्चे के बीमार पड़ने पर हुई जांच

पीड़ित महिला के अनुसार उसने जनवरी 2023 में अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था। इस दौरान उसे चाईबासा सदर अस्पताल के ब्लड बैंक से रक्त चढ़ाया गया था। महिला जून 2025 में दूसरी बार गर्भवती हुई, रूटीन जांच में उसे एचआईवी पॉजिटिव पाया गया। इसके बाद पति की भी जांच कराई गई। वे भी पॉजिटिव पाए गए। 2 जनवरी को उसका दूसरा बच्चा जन्मा। इसके बाद जब पहला बच्चा बीमार हुआ, तो उसे यहां लाया। जांच में वह भी एचआईवी पॉजिटिव पाया गया।

BRIEF NEWS

दिल्ली में केसी वेणुगोपाल से मिले कांग्रेस के विधायक

KANKE : बुधवार को कांग्रेस पार्टी के कांके विधायक सुरेश बैठा, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगारी, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा और जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकू ने दिल्ली स्थित कार्यालय पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सह संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान झारखंड कांग्रेस के संगठन कार्यों पर भी चर्चा की।

पवनसुत हनुमान जी की प्रतिमा का तृतीय वार्षिक उत्सव आज

RANCHI : गायत्री नगर, बालिसिरिंग स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर में गुरुवार को श्री पवनसुत हनुमान जी की प्रतिमा के तृतीय वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। मंदिर न्यास समिति के अनुसार, यह आयोजन प्रातः 8 बजे से विधिवत पूजा, हवन एवं महाआरती के साथ प्रारंभ होगा। एक बजे से महाप्रसाद वितरण एवं भंडारा होगा। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे धार्मिक आस्था एवं समर्पण भाव के साथ इस उत्सव में भाग लें और श्री पवनसुत हनुमान जी से अपने उज्ज्वल भविष्य की कामना करें।

सरस्वती पूजा को लेकर पिठोरिया में शांति समिति की हुई बैठक

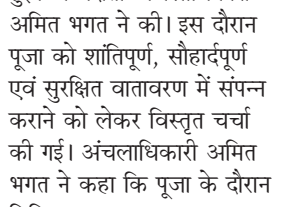

PITHORIA : पिठोरिया थाना परिसर में सरस्वती पूजा के मद्देनजर शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता अंचलाधिकारी अमित भगत ने की। इस दौरान पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अंचलाधिकारी अमित भगत ने कहा कि पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पूजा पंडालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, समय पर प्रतिमा विसर्जन, डीजे पर प्रतिबंध तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की। थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे ने असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने, अफवाहों से बचने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने की बात कही। बैठक में जनप्रतिनिधियों, पूजा समिति के सदस्यों और गणमान्य लोगों ने अपने सुझाव रखे तथा प्रशासन को सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में मो मजीद अंसारी, हकीम अंसारी, सुरेश राम, श्रवण गोप, अइनुल हक, दीपक चौरसिया सहित विभिन्न पूजा पंडालों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

झारखंड में प्लास्टिक उद्योग क्षेत्र में 300 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

PHOTON NEWS RANCHI : वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस के दौरान झारखंड के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वेलस्पन वर्ल्ड के संस्थापक एवं चेयरमैन बीके गोयनका के बीच उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई, जिसमें वेलस्पन वर्ल्ड द्वारा झारखंड में प्लास्टिक उद्योग के क्षेत्र में लगभग 300 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया गया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य प्रतिनिधिमंडल ने वेलस्पन के प्रतिनिधियों को देवघर स्थित प्रस्तावित प्लास्टिक पार्क की जानकारी दी तथा वहां निवेश की संभावनाओं से अवगत कराया। इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से वेलस्पन की टीम शीघ्र ही झारखंड का दौरा कर स्थल निरीक्षण और विस्तृत अध्ययन करेगी।

प्राइमरी सप्लायर बनाने की जताई इच्छा

इस मुलाकात और संवाद को आगे बढ़ाने तथा यहां के उत्पादों का अध्ययन के लिए लूलू ग्रुप का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जल्द झारखंड का दौरा करेगा। झारखंड का प्रयास है कि वह लूलू ग्रुप का प्राइमरी सप्लायर बने। मालूम हो कि देश भर के 21 राज्यों और दुनिया के कई देशों में लूलू ग्रुप के रिटेल आउटलेट हैं।

क्रिटिकल मिनरल्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भी रुचि

वेलस्पन वर्ल्ड ने झारखंड में क्रिटिकल मिनरल्स तथा लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भी निवेश की संभावनाओं में रुचि व्यक्त की। राज्य प्रतिनिधिमंडल द्वारा धनबाद स्थित लॉजिस्टिक पार्क, राज्यभर में उपलब्ध वेयरहाउसिंग एवं स्टोरेज सुविधाओं की जानकारी साझा की गई। दोनों पक्षों के बीच निरंतर संवाद बनाए रखते हुए इन प्रस्तावों को धरातल पर उतारने को लेकर सहमति बनी। यह बैठक झारखंड को औद्योगिक निवेश का एक उभरता हुआ केंद्र बनाने तथा राज्य में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीएम से लूलू ग्रुप के फाउंडर ने की मुलाकात

दुनिया भर में रिटेल आउटलेट के कार्य से जुड़ी कंपनी लूलू ग्रुप के फाउंडर एंड मैनेजिंग डायरेक्टर यूसुफ अली ने सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से मुलाकात और संवाद के क्रम में उन्होंने झारखंड के कृषि आधारित उत्पाद, वनोत्पाद आदि से जुड़े उत्पादों को आउट सोर्स करने का प्रस्ताव दिया। जिससे झारखंड का उत्पाद देश एवं दुनिया भर के बाजार तक पहुंचाया जा सके और यहां के किसानों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं और वनोत्पाद के कार्य से जुड़े राज्य के लोगों को लाभ मिले। लूलू ग्रुप झारखंड में उत्पादित उन उत्पादों और वस्तुओं के प्रति रुचि दिखाई है जो उनके वैल्यू चेन में आते हैं। ग्रुप द्वारा झारखंड में इसके लिए कैपेसिटी बिल्डिंग के क्षेत्र में भी कार्य करने के प्रति इच्छा जताई है।

कार्रवाई एसआईटी की ताबड़तोड़ छापेमारी से बच्चा चोर गैंग खौफजदा

पुलिस के खदेड़ने का समाया डर अंडरग्राउंड हुआ गिरोह का नेटवर्क

PHOTON NEWS RANCHI : हाल ही में रांची पुलिस ने बच्चा चोर गिरोह के नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने इस गिरोह के 16 अपराधियों को गिरफ्तार भी किया है। इस मामले में एसआईटी लगातार कार्रवाई कर रही है। ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद गिरोह के अन्य फरार अपराधियों के दिल में डर बस गया है। अपराधियों में खौफ ऐसा है कि पूरा का पूरा नेटवर्क अंडरग्राउंड हो गया है।

बता दें कि अंश और अंशिका के रहस्मयी ढंग से गायब होने के बाद रांची पुलिस की जांच जारी है। जांच में यह खुलासा हुआ है कि यी नेटवर्क शहर से मासूम बच्चों को चुरा उनसे कई तरह के अनैतिक काम कराता है। रांची पुलिस की एसआईटी वर्तमान में भी ऑन वर्क है।

अपराधियों के खिलाफ एसआईटी का काम जारी : रांची एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी अभियान से घबराकर बच्चा चोर गिरोह का नेटवर्क फिलहाल भूमिगत हो गया है। लेकिन रांची पुलिस ने इसे अभियान के तहत लिया है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। पूरे नेटवर्क पर नजर रखी जा रही है। जैसे ही गिरोह के अन्य सदस्यों की सूचना मिलेगी उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। रांची पुलिस ने जगन्नाथपुर से अगवा अंश और अंशिका की बरामदगी की गुत्थी सुलझाने में अपहरण के एक बड़े सिंडिकेट का खुलासा किया है। रांची के सीनियर एसपी ने बताया कि हमारी एसआईटी अभी भी काम पर है, हमारी योजना इस गिरोह के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की है और हम इस पर काम लगे हुए हैं।

- अंश और अंशिका के रहस्मयी ढंग से गायब होने के बाद रांची पुलिस की जांच जारी
- पुलिस ने गिरोह के 16 अपराधियों को किया है गिरफ्तार
- ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद गिरोह के अन्य फरार अपराधियों को सता रहा भय

बैलून बेचने के दौरान बच्चों की करते हैं रेकी, टारगेट पर गरीब बच्चे

रांची पुलिस की तफ्तीश में ये बात सामने आयी है कि गुलगुलिया गैंग हाट-बाजार और गली मुहल्लों में बैलून की घूम-घूमकर बिक्री के अलावा स्लम क्षेत्रों में कचरा चुनने आदि का कार्य किया करते हैं। इस दौरान वैसे बच्चों की रेकी करते हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से जुड़े हुए हैं। उन बच्चों को बैलून समेत अन्य चीजें देकर बहलाते-फुसलाते हैं। फिर मौका मिलते ही बच्चों को उठा कर अपने साथ ले जाते हैं। जगन्नाथपुर खटाल के अंश और अंशिका के साथ भी नव खेरवार उर्फ सूर्य और सोनी ने ऐसा ही कर अगवा कर लिया था। पुलिस के मुताबिक गुलगुलिया गैंग रांची समेत देश के करीब हर शहर में अपना डेरा जमाये हुए हैं।

रांची पुलिस ने किया बड़ा प्रहार

सबसे पहले यह बता दें कि बच्चा चोरी वाले नेक्सस का रांची पुलिस द्वारा खुलासा किया गया है। अब तक इस नेटवर्क में शामिल 16 लोगों को पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचाया है। वहीं लगभग 55 बच्चों को रेस्क्यू करने में रांची पुलिस की टीम कामयाब हुई है। अब तक की जांच में रांची पुलिस को यह पता चला है कि पश्चिम बंगाल के पुरुलिया निवासी सूरज रवानी चोरी हुए बच्चों का बड़ा खरीदार है। वह गुलगुलिया गिरोह से चोरी हुए बच्चों को खरीदता था। इसके बाद उन बच्चों से भीख मंगवाता था। साथ ही उनसे मोबाइल चोरी और घर में चोरी की वारदातों को भी अंजाम दिलाता है। सूरज रवानी बच्चियों को पालता भी है। बच्चियों के थोड़ी बड़ी होने के बाद उन बच्चियों से देह व्यापार कराया जाता है। पुलिस को जांच में यह भी जानकारी मिली है कि झारखंड से चोरी हुए कई बच्चों के अंगों की बिक्री की गई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि झारखंड से गायब किए गए बच्चों की बंगाल के अलावा बिहार, यूपी में भी बिक्री की गई है। एसएसपी राकेश रंजन के अनुसार, जल्द ही पुलिस की स्पेशल टीम जांच के लिए बंगाल जाएगी। एसएसपी ने बताया कि अंश और अंशिका की तलाश में सीआईडी के अलावा कई एनजीओ से भी सहयोग लिया गया था। इस गिरोह के पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए सीआईडी की टीम हमारी भरपूर मदद कर रही है।

राज्यपाल को सरयू राय ने झारखंड भू-विरासत (जीवाश्म) विधेयक का सौंपा प्रारूप

PHOTON NEWS RANCHI : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय विधानसभा के आगामी बजट सत्र-2026 में एक गैर-सरकारी विधेयक के रूप में 'झारखंड भू-विरासत (जीवाश्म) विधेयक' प्रस्तुत करने जा रहे हैं। यह विधेयक धन विधेयक के रूप में लाया जाएगा। सरयू राय ने बुधवार को बताया कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, किसी भी धन विधेयक को विधानसभा में पेश करने से पहले राज्यपाल की अनुमति आवश्यक होती है। इसी क्रम में उन्होंने बुधवार को विधेयक का प्रारूप झारखंड के राज्यपाल को सौंपते हुए इसे विधानसभा में प्रस्तुत करने की अनुमति देने का अनुरोध किया। सरयू राय के अनुसार, राज्यपाल ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वे इस विधेयक के प्रारूप को अनुशंसा के साथ राज्य सरकार को अग्रसारित करेंगे। राज्य सरकार और विधानसभा की ओर से उचित माध्यम से संचिका उनके पास आने पर वे इसे शीघ्र प्रस्तुत करने की मंजूरी प्रदान कर देंगे। सरयू राय ने इससे पूर्व मंगलवार को इस विधेयक का प्रारूप विधानसभा अध्यक्ष को भी सौंप दिया था और उन्हें आगामी बजट सत्र-2026 के दौरान इसे गैर-सरकारी विधेयक के रूप में सदन के समक्ष प्रस्तुत करने की सूचना दी थी। सरयू राय ने बताया कि झारखंड के राजमहल की पहाड़ियों, विशेषकर साहेबगंज और पाकुड़ जिलों में बड़ी संख्या में काष्ठ जीवाश्म (फॉसिल) खुले में बिखरे हुए हैं। खनन और अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण ये बहुमूल्य जीवाश्म तेजी से नष्ट हो रहे हैं, जबकि ये राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण भू-विरासत हैं। उन्होंने कहा कि इन जीवाश्मों के संरक्षण, संरक्षण-प्रबंधन और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए एक स्पष्ट कानूनी ढांचा आवश्यक है।

ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड की निष्क्रियता पर संस्था ने उठाए सवाल, रोजगार की रखी मांग

PHOTON NEWS RANCHI : रांची प्रेस क्लब में एलाइंस इंडिया साहस प्रोजेक्ट के तहत उत्थान संस्था द्वारा स्टेट वेलफेयर बोर्ड फॉर्मेशन मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों ने अपने मुद्दों पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि राज्य में ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड और जिलों में ट्रांसजेंडर सेल का गठन तो हुआ है, लेकिन धरातल पर कोई ठोस काम नहीं हो रहा है। उत्थान संस्था के सचिव अमरजीत नंद गिरी ने बताया कि 19 सितंबर 2025 को हुई बैठक में ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रतिनिधियों को शामिल नहीं किया गया, जबकि उनके मुद्दों की बेहतर समझ समुदाय को हैं। उन्होंने कहा कि 2015 से लगातार काम करने के बावजूद न तो नीतियों में बदलाव आया है और न ही समाज की सोच बदली है। बैठक में सरकार द्वारा 2 प्रतिशत आरक्षण, पेंशन, आवास और रोजगार योजनाओं का लाभ न मिलने पर भी नाराजगी जताई गई। धनबाद से श्वेता किन्नर, रांची से कनिका, बोकारो और सरायकेला से आए समुदाय के सदस्यों ने रोजगार की मांग उठाई। वहीं अन्य सदस्यों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में समाजसेवी पूनम आनंद अर्पित पांडेय और समुदाय के सदस्य शामिल हुए।

केसरवानी वैश्य सभा ने किया मिलन समारोह का आयोजन

PITHORIA : केसरवानी वैश्य सभा पिठोरिया के तत्वावधान में मड़हर पहाड़, सुतियांबेगढ़ के रमणीय वातावरण में वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा महर्षि कश्यप की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपसी भाईचारे को मजबूत करना और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना था। समारोह के दौरान परिचय सत्र, प्रतियोगिता का आयोजन, सामूहिक भोज तथा मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

झारखंड की मेगालिथिक विरासत को यूनेस्को से मान्यता दिलाने पर मंत्री सुदिव्य का जोर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, पर्यटन कला संस्कृति, खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार के नेतृत्व में झारखंड प्रतिनिधिमंडल ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) के दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों और विशेषज्ञ समूहों के साथ उच्चस्तरीय बैठकों में भाग लिया। इन सभी बैठकों का केंद्रबिंदु झारखंड की प्राचीन मेगालिथ/मोनोलिथिक विरासत का संरक्षण, पुनर्स्थापन, वैज्ञानिक प्रबंधन और इसे वैश्विक पहचान दिलाने की रणनीति रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से बुधवार को जारी जानकारी के अनुसार, बैठकों में मेगालिथिक स्थलों के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, संरचनात्मक संरक्षण, परिदृश्य (लैंडस्केप) प्रबंधन, जोखिम आकलन तथा अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने संरक्षण कार्यों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग और चरणबद्ध कार्ययोजना पर बल दिया। बैठकों में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि झारखंड की यह विरासत केवल पुरातात्विक संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि आदिवासी समुदायों की जीवंत सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

■ अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों संग बैठक में वैज्ञानिक संरक्षण सामुदायिक सहभागिता और दीर्घकालिक रोडमैप पर सहमति

एक्शन में कमी नगर निगम के अभियान को एन्क्रोचमेंट करने वाले दे रहे झटका

अतिक्रमण हटाने के कुछ समय बाद लौट आते हैं अवैध कब्जाधारी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में पिछले दो महीना से तेजी से अतिक्रमण हटाओ अभियान चल रहा है। इस दौरान राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स के आस पास दर्जनों मकान तोड़े गए और अवैध कब्जा करने वालों को हटाया गया। प्रमुख सड़कों पर स्थित सरकारी जमीन पर से भी अतिक्रमण हटाया गया। लेकिन, रांची के कई इलाके दोबारा अतिक्रमण की जद में आने लगे हैं, यह वैसे क्षेत्र हैं, जिन्हें हाल में ही अतिक्रमण मुक्त किया गया था। इस प्रकार राजधानी में अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे अभियान को झटका लग रहा है। एक तरफ नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस की टीम संयुक्त रूप से दुकानें, ठेले, खोमचे और स्थायी निर्माण हटा रही है। वहीं अभियान के तुरंत बाद उसी जगह पर दोबारा अतिक्रमण हो रहा है।

रांची के मोरहाबादी, लालपुर, कोकर, मेन रोड, पहाड़ी मंदिर, बहु बाजार, स्टेशन रोड जैसे इलाकों में अतिक्रमण अभियान चलाकर सड़क को क्लीन कर दिया गया था, लेकिन एक सप्ताह गुजरते ही दोबारा सड़कों पर अतिक्रमण कर लिया गया है। रांची की सड़कों पर दुकानों, ठेलों, खोमचों के साथ कई स्थानों पर स्थायी निर्माण हो चुके थे जो ट्रैफिक जाम और स्वच्छता की बड़ी बाधा बने हुए थे. नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस ने इन्हें हटाने के लिए जबरदस्त तरीके से संयुक्त अभियान चलाया. कुछ दिनों के लिए सड़क पर से अतिक्रमण हट भी गया, लेकिन अभियान समाप्त होते ही कई जगहों पर वही अतिक्रमण लौट आया।

अब इस प्रकार के इलाकों पर नजर रखने के लिए गठित की गई है ज्वाइंट टीम

थाना प्रभारियों को जिम्मेदारी

नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए रांची नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस ने विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब अतिक्रमण वाले इलाकों पर नजर रखने के लिए ज्वाइंट टीम गठित की गई है, साथ ही थाना प्रभारियों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। शहर के प्रत्येक थाना प्रभारी को नगर निगम द्वारा पत्र लिखकर अतिक्रमण मुक्त क्षेत्र की जानकारी उपलब्ध करवाई गई है। इसके अलावा उन्हें यह भी निर्देश दिया गया है कि वह उन क्षेत्रों की मॉनिटरिंग भी करें।

शहर को जाममुक्त बनाने के प्रयास जारी

ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह भी खाली किए गए इलाके में फिर से अतिक्रमण होने पर गंभीर नजर आए। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण हटाए गए स्थानों की मॉनिटरिंग के लिए विशेष ज्वाइंट टीम बनाई गई है। थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्र में ऐसी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। शहर को ट्रैफिक जाम मुक्त और स्वच्छ बनाने के प्रयास जारी है। प्रशासन लगातार अभियान चला रहा है, लेकिन सफलता के लिए जनता का सहयोग जरूरी है। वहीं जागरूक लोगों का मानना है कि अतिक्रमण की जड़ में जागरूकता की कमी और सख्ती का अभाव है। अगर थाना प्रभारी और ज्वाइंट टीम सक्रिय रही, तो रांची की सड़कें जल्द राहत की सांस लेंगी। ट्रैफिक एसपी ने नागरिकों से अपील है कि वे अवैध कब्जे न करें और प्रशासन के प्रयासों में सहयोग करें।

तमाड़ में अफीम की खेती को लेकर पुलिस ने किया सत्यापन

RANCHI : तमाड़ थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती इलाकों में बुधवार को अवैध अफीम की खेती को लेकर प्रशासन ने सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान ग्रामीण पुलिस अधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू के नेतृत्व में आरहांगा पंचायत के मुकरूमडीह, बेलबेडा और दाढ़ीकोचा गांव के समीप जंगलों में फसलीय वर्ष 2024-25 के तहत जीआर (ग्राउंड रिपोर्ट) के माध्यम से खेतों का सत्यापन किया गया। जांच में पाया गया कि सभी खेतों में ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक फसलों की ही खेती की जा रही है। किसी भी स्थान पर अवैध अफीम की खेती नहीं मिली। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध अफीम खेती करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और इस वर्ष रांची पुलिस पूरे क्षेत्र से अफीम की खेती को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

नगर निगम के स्टाफ पर बदसलूकी का आरोप, कार्रवाई की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम कार्यालय के काउंटर नंबर-2 पर तैनात स्टाफ विजय पर बदसलूकी का आरोप लगाया है। इस संबंध में झारखंड हाईकोर्ट और सिविल कोर्ट रांची के अधिवक्ता शाजिद रजी ने नगर आयुक्त के नाम लिखित शिकायत दी है। शिकायत में अधिवक्ता शाजिद रजी ने लिखा है कि अपने मित्र पंकज कुमार के पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र के लिए 3 दिसंबर 2025 को नगर निगम में आवेदन किया था। 28 दिसंबर 2025 को संबंधित टोकन के साथ वह कार्यालय पहुंचे, जहां काउंटर नंबर 2 पर बैठे स्टाफ विजय ने अस्पताल से जारी डिस्चार्ज पेपर की ओरिजिनल कॉपी और सत्यापन के बाद किसी रजिस्टर में हस्ताक्षर करवा लिया। इसके बाद अगले दिन आने को कहा। इसके बाद कई दिनों तक कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद कार्य नहीं हुआ। स्टाफ द्वारा मोबाइल नंबर लेकर रात में कॉल करने को कहा गया। 20 जनवरी 2026 की रात करीब 10 बजे फोन करने पर स्टाफ विजय ने गाली-गलौज करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया और धमकी दी। इसके बाद अधिवक्ता ने शिकायत करते हुए स्टाफ के खिलाफ जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, उपायुक्त और जिला बार एसोसिएशन को भी भेजी गई है।

समाचार सार

डीपीएस के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में प्रेम निवास के पास होटल में दिल्ली पब्लिक स्कूल ने बुधवार को विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर सीबीएससी 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले 57 विद्यार्थियों को विदाई दी गई। समारोह का उद्घाटन सांसद जोबा मांझी ने किया। इसके बाद स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस वर्ष 10वीं बोर्ड में 47 व 12वीं बोर्ड में 12 विद्यार्थी शामिल होंगे। कार्यक्रम में स्कूल इंचार्ज सुमन, राजश्री कुमारी, नूतन कुमारी, सुमन कुमारी, राहुल मिश्रा, सोम चौधरी, मुकेश झा, सिमरन परवीन समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

चांडिल में महुआ शराब भट्ठियों पर छापेमारी

SERAIKELA : उपायुक्त नितिश कुमार सिंह के निर्देश पर बुधवार को उत्पाद अधीक्षक क्षितिज मिंज के नेतृत्व में चांडिल अनुमंडल में छापेमारी कर महुआ शराब की 4 भट्ठियों को ध्वस्त किया गया। अभियान के क्रम में चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत भादूडीह के समीप हमसदा, जड़ियाडीह एवं खोखरोडीह ग्राम में संचालित शराब भट्ठियों से लगभग 1100 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट किया गया। भट्ठियों से 50 लीटर तैयार चुलाई शराब जब्त की गई। इस संबंध में संबंधित अवैध शराब अड्डा संचालकों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एमबीएनएस में हुआ बीएड छात्रों का परिचय सत्र

JAMSHEDPUR : एमबीएनएस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन ने बुधवार को बीएड प्रथम सेमेस्टर (2025-2027) के छात्रों का परिचय सत्र कराया। इसका उद्देश्य नए छात्रों को संस्थान, संकाय सदस्यों और अपने साथियों से परिचित कराना था। कार्यक्रम में संस्थान की निदेशक अनुपा सिंह, डॉ. दीपिका भारती, भबतारण भकत, डॉ. सुषमा अर्चना टोपनो व मधुसुधन महतो ने छात्रों को अपने-अपने विषयों के बारे में बताया और उनके सवालों का जवाब दिया।

किसान मेला में बांटी गई 60 लाख की परिसंपत्तियां

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत मुख्यमंत्री उत्कृष्ट +2 जिला उच्च विद्यालय, चाईबासा के मैदान में बुधवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड के सौजन्य से जिलास्तरीय किसान मेला सह कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री दीपक बिरुवा ने किया, जबकि इस दौरान सांसद जोबा मांझी, मंझगांव के विधायक निरल पुरती, मनोहरपुर के विधायक जगत माझी, उपायुक्त चंदन कुमार व उपविकास आयुक्त उत्कर्ष कुमार भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि हमारा देश और पश्चिमी सिंहभूम जिला कृषि एवं वनोपज पर आधारित है। किसानों को सशक्त बनाने के लिए झारखंड सरकार प्रतिबद्ध है और इसी उद्देश्य से मेला का आयोजन किया गया है। सांसद ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा प्रतिवर्ष कृषि मेला आयोजित कर किसानों को नवीन तकनीकों और योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाता है। राज्य सरकार का लक्ष्य किसानों को उन्नत, कर्जविहीन और लाभकारी खेती करने वाला बनाना है। विधायक निरल पुरती व जगत माझी ने भी राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने करीब 60 लाख रुपये की परिसंपत्ति का वितरण किया, जिसमें ट्रैक्टर, कृषि यंत्र, पंपसेट, मछली परिवहन के लिए वाहन तथा किसान कार्ड शामिल थे। अतिथियों ने कृषि प्रदर्शनी के स्टॉलों का भी निरीक्षण किया और जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए किसानों से संवाद किया।

जेईई मेन की परीक्षा शुरू

JAMSHEDPUR : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित जेईई मेन 2025 सेशन-1 के पेपर-1 बीई बीटेक की परीक्षा बुधवार से कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो गई। जमशेदपुर के आयन डिजिटल व तामोलिया स्थित परीक्षा केंद्र पर हुई। ऑनलाइन आयोजित हुई इस परीक्षा में पहले दिन 900 से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए। यह परीक्षा दो पालियों में हुई। पहली पाली सुबह 9 बजे से शुरू होकर दोपहर 12 बजे तक संचालित हुई। वहीं दूसरी पाली दोपहर 03 बजे से शुरू होकर शाम 06.30 बजे तक परीक्षा चली। जमशेदपुर के दोनों केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक व कदाचारमुक्त ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र में इंट्री देने से पहले छात्रों की गहन जांच की गयी। विद्यार्थियों को क्यूआर कोड फ्रिस्किंग और बायोमीट्रिक जांच के बाद एग्जाम सेंटर में एंट्री दी गई। इस दौरान उनके जूता से लेकर कॉलर तक चेक किया गया। एडमिट कार्ड, आईडी, पेज व पानी बोतल के अलावा कुछ भी अंदर नहीं ले जाने दिया गया। इस दौरान केंद्र के अंदर व बाहर सुरक्षा का व्यापक प्रबंधन किया गया था। परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले ही केंद्रों को बंद कर दिया गया।

दुष्कर्म का विरोध करने पर गला दबाकर कर दी महिला की हत्या

खैनी की डिब्बी ने पुलिस को कातिल तक पहुंचाया

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराइकेला थाना क्षेत्र के छोटा सागजोड़ी नाला में पिछले दिनों महिला का शव मिलने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले को सुलझाते हुए हत्यारोपी को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार आरोपी ओडिशा के लाठीकठा गांव के बारीबेरा टोला निवासी 32 वर्षीय जॉनसन कंडुलना है। इस संबंध में डीएसपी जयदीप लकड़ा ने जराइकेला थाना परिसर मे प्रेस वार्ता आयोजित कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी को जराईकेला थाना क्षेत्र के छोटा सागजोड़ी नाला में 50 वर्षीय महिला का शव बरामद हुआ था। यहां पुलिस ने शुरूआती दौर में केस दर्ज कर इसकी जांच पड़ताल शुरू की थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, कि महिला की हत्या हुई है। इसके बाद घटना स्थल पर बरामद हत्यारोपी के खैनी के डिब्बे व गले की माला से गहनता से पड़ताल करने पर पुलिस हत्यारोपी जॉनसन कंडुलना तक पहुंची।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

महिला के साथ आरोपी ने पी थी शराब : जिला पुलिस अधीक्षक अमित रेनू के निर्देश पर डीएसपी जयदीप लकड़ा ने थाना प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया। यहां पुलिस ने आरोपी जॉनसन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बीते 15 जनवरी को मृत महिला जो कि उसकी रिश्तेदार लगती है, उसके साथ पहले शराब पी। इसके बाद उसका दुष्कर्म करने की नियत से देर शाम को नाला के पास झाड़ियों मे ले जाने लगा।

खींचतान के दौरान महिला के सिर पर लगी चोट

खींच-तान के दौरान ही महिला को सर में चोट लगी। इसके बाद भी आरोपी उसे घसीट कर झाड़ियों मे ले गया। यहां महिला से दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। इसका विरोध करने पर जॉनसन ने महिला की गला दबा कर हत्या कर दी। इसके बाद शव को नाला के पास छोड़ कर भाग गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में एसआई भीमाराम बान सिंह, एसआई अरुण कुमार सिंह, एएसआई रघुनाथ बानरा, पुलिसकर्मी द्विवेन्द्र नाथ गोराई आदि शामिल थे।

दामाद को छोड़कर घर लौट रहे किसान की सड़क दुर्घटना में मौत

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में कोवाली थाना क्षेत्र के जुड़ी पहाड़ी के पास बुधवार को सुबह सड़क हादसे में एक किसान की जान चली गई। किसान अपने दामाद को हल्दीपोखर तक छोड़ कर पैदल घर लौट रहा था, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। बताते हैं कि मृतक हरी हांसदा (45) जुड़ीपहाड़ी गांव के रहने वाले थे। सुबह 5 बजे हरी हांसदा अपने दामाद रामचंद्र महतो को हल्दीपोखर तक पैदल छोड़ने गए थे। जब वह वहां से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। हरी हांसदा को पुलिस ने नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया, यहां चिकित्सकों ने हांसदा को मृत घोषित कर दिया। हरी हांसदा का भरा-पूरा परिवार है। वह अकेले घर के कमाने वाले थे। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिष्टुपुर में चाकूबाजी से तीन किशोर घायल, दो की हालत नाजुक

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर के रीगल मैदान के पास बुधवार की शाम कुछ युवकों ने चाकूबाजी की। बताते हैं कि यह युवक टुसू मेले में डांस कर रहा था तभी वहां डांस देखने पहुंचे तीन किशोरों में से एक से धक्का लग गया। इसी को लेकर मारपीट शुरू हो गई। डांस कर रहे युवकों ने चाकू निकाल लिया और हमला कर दिया। इस हमले में दो किशोर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एक घायल किशोर के सिर में गंभीर चोट आई है। उसे एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक किशोर के पेट में चाकू लगा है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। उसे टीएमएच में भर्ती कराया गया है। एक किशोर को मामूली चोट आई है। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जुगसलाई में चोरों ने घर से उड़ाए 25 लाख रुपये के गहने व रुपये

घर में शादी की वजह से आए थे मेहमान, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ चोर

PHOTON NEWS JSR : जुगसलाई थाना क्षेत्र के नया बाजार रामटेकरी रोड पर फिरंगी चौक के पास स्थित एक मकान में चोरों ने धावा बोलकर चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया है। यहां से चोर 25 लाख रुपये के गहने और नकदी पार कर ले गए हैं। इस मामले में मकान मालिक ने जुगसलाई थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस के हाथ एक सीसीटीवी फुटेज भी लगा है। इसमें चोर घर में चोरी करने के लिए जाते हुए दिख रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्दी ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। चोरी की वह वारदात अमृतपाल सिंह के यहां हुई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके घर में शादी थी। इसलिए बहुत सारे मेहमान आए हुए थे। इसी बीच मंगलवार की देर रात लगभग 2 बजे अज्ञात चोर ने उनके घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस मामले में सोने का 60 ग्राम का दो कड़ा, 30 ग्राम का दो पीस सोने की अंगूठी, 20 ग्राम की सोने की चेन, 5 ग्राम का सोने का लॉकेट, 40 ग्राम की कान की चार पीस बाली, डेढ़ सौ ग्राम की चांदी की 12 पीस चूड़ी, 10000 कीमत की दो घड़ी, और 30000 नकद पार किए हैं।

चोरी के बाद बिखरे सामान

खिड़की तोड़कर लाखों के जेवरात की चोरी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत घाघरा घाट गांव में अज्ञात चोरों ने अलमीरा तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात की चोरी कर ली है। घटना को अंजाम देने के बाद चोर फरार हो गए। घटना बुधवार शाम करीब 4:00 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक चक्रधरपुर प्रखंड के घाघरा घाट गांव निवासी दुर्गा नायक की बेटी की शादी जगन्नाथपुर में हुई है। बुधवार को जगन्नाथपुर में गोद भराई की रस्म में शामिल होने के लिए परिवार के सभी सदस्य जगन्नाथपुर गए थे। घर में अकेले दुर्गा नायक थे। शाम करीब 4:00 बजे दुर्गा नायक खेत-खलिहान में टहलने के लिए चले गए। इसी का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने घर की खिड़की तोड़ दी और घर के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद अलमीरा को तोड़कर उसमें रखे करीब 15 ग्राम सोने का नेकलेस, सोने का कान का झुमका और नकद 15 हजार रुपए लेकर फरार हो गए। करीब 4:30 जब दुर्गा नायक घर पहुंचे तो देखा कि घर की खिड़की टूटी हुई है और अलमीरा खुला पड़ा है। इतना देख कर ही उन्हें आभास हो गया कि घर में चोरी की घटना हुई है। उसके बाद दुर्गा नायक ने आस पड़ोस में घटना की जानकारी दी। तब तक घटना को अंजाम देकर चोर फरार हो गए थे।

केयू के सीनेट का चुनाव आज ऑब्जर्वर किए गए प्रतिनियुक्त

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय में सीनेट के लिए शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व के निर्धारण को लेकर गुरुवार को मतदान कराया जाएगा। चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी संबद्ध कॉलेजों में पर्यवेक्षकों (ऑब्जर्वर) की नियुक्ति की गई है। मतदान की प्रक्रिया सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगी। मतदान के लिए आवश्यक मतपेटी एवं अन्य व्यवस्थाएं संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य सह सीनेट चुनाव पदाधिकारी द्वारा सुनिश्चित की जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कॉलेजों को चुनाव से संबंधित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है। चुनाव से पहले अंतिम दिन कॉलेज परिसरों में गहमा-गहमी का माहौल देखने को मिला। उम्मीदवार अपने-अपने समर्थकों के साथ मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करते नजर आए। शिक्षकों के साथ-साथ शिक्षकेतर कर्मचारियों में भी चुनाव को लेकर उत्साह देखा गया। शिक्षकेतर कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व के लिए मतदान समाप्त होने के बाद उम्मीदवार या उनके प्रतिनिधि की उपस्थिति में मतपेटियों को सील किया जाएगा। इसके बाद सभी सीलबंद मतपेटियों को 24 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे तक विश्वविद्यालय के चुनाव कोषांग में जमा कराना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के चुनाव कोषांग में उसी दिन मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। साथ ही, निर्विरोध चयनित उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा भी उसी दिन की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी संबंधितों से सहयोग की अपील की है।

घाटशिला कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने निकाली पदयात्रा

कॉलेज परिसर से पदयात्रा को रवाना करते प्राचार्य व एसडीपीओ ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने भगवान बिरसा मुंडा की विरासत और राष्ट्र निर्माण में आदिवासी समाज के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को पदयात्रा निकाली। पदयात्रा को प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी व एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर ने झंडी दिखाकर कॉलेज से रवाना किया। पदयात्रा मेंकैडेटों ने विविध नारों, पर्चा-पोस्टर के माध्यम से लोगों को बताया कि भगवान बिरसा मुंडा राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज के लोगों को एकजुट कर ब्रिटिश शोषण के खिलाफ उलगुलान (क्रांति) का नेतृत्व किया था। उनकी विरासत आज भी भारत के जनजातीय समुदायों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट महेश्वर प्रमाणिक, विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, जिला पार्षद देवयानी मुर्मू, केयू के सीनेट सदस्य लखन मार्डी, घाटशिला प्रखंड प्रमुख सुशीला टुडू, पावड़ा पंचायत की मुखिया पार्वती सोरेन, मऊभंडार पंचायत के उपमुखिया रूपेश दुबे, पर्यावरण मित्र मंडल के संयोजक एवं टाकू अध्यक्ष प्रो. इंदल पासवान आदि ने भी कैडेटों के साथ पदयात्रा की।

सारंडा में वन विभाग ने जब्त की 63 बोटा अवैध लकड़ी

CHAIBASA : जिले के सारंडा वन प्रमंडल में अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए ओड़िशा सीमा से सटे इलाके में कार्रवाई करते हुए 63 बोटा लकडी जब्त कर है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई से तस्करों में अफरा-तफरी मच गई है। जानकारी के अनुसार, सारंडा डीएफओ और संबंधित रेंजर के नेतृत्व में झारखंड वन विभाग की संयुक्त टीम का गठन किया गया था। इस टीम में समता वन प्रक्षेत्र, किरीबुरू, गुवा और मनोहरपुर के वनकर्मी शामिल थे। टीम ने लगातार दो दिनों तक क्षेत्र में रेकी कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी और सोमवार से निगरानी शुरू की। मंगलवार देर रात कार्रवाई करते हुए वन विभाग की टीम ने समता रेंज से लगभग 60 किलोमीटर दूर ओड़िशा सीमावर्ती क्षेत्र के नयागांव वन ग्राम-2 में छिपाकर रखी गई अवैध लकड़ियों को बरामद कर लिया। बताया जा रहा है कि तस्कर इन लकड़ियों को बिक्री के लिए तैयार कर रहे थे, हालांकि छापेमारी के दौरान वे मौके से फरार होने में सफल रहे। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फरार तस्करों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पुनगोड़ा के जंगल में मिला बैंक कर्मी सुकरा मानकी का शव

PHOTON NEWS GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला थाना क्षेत्र में बुधवार को बैंक कर्मी सुकरा हांसदा का शव मिला। सुकरा मानकी हुलूंग चौक स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में कार्यरत थे। भदुआ पंचायत अंतर्गत पुनगोड़ा गांव के कासुगोड़ा जंगल में बकरी चरा रहे कुछ लोगों ने शव को देखा। जानकारी मिलते ही वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस, पंकज कुमार की देखरेख में घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद शव की पहचान हुलूंग चौक निवासी सुकरा मानकी के रुप में हुई। शव को देखने से लग रहा था कि घटनास्थल पर शव दो दिन से पड़ा था। परिजनों की मानें तो सोमवार की सुबह वह बकरी के लिए पत्ता लाने जंगल गए थे। संदेहास्पद मामला यह लग रहा है कि वह अपने घर से लगभग चार किलोमीटर घने जंगल में पत्ता लाने क्यों गए थे। शव के शरीर से कपड़ा अलग-अलग फेंका हुअर था। पैर में चप्पल तक नहीं थे। ग्रामीणों ने कहा कि वह पत्ता लाने ही गए थे, तो दो दिन तक परिजनों ने उनकी खोजबीन क्यों नहीं की। थाना में भी रिपोर्ट नहीं लिखाई। पुलिस ने अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। इस संबंध में थाना के एसआई पंकज कालिंदी ने बताया कि शव पर किसी तरह के चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं। परिवार वालों के अनुसार, उसे मिर्गी की बीमारी थी। हो सकता है जंगल में ही दौरा आ गया हो। लेकिन, मामले का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा।

शव देखने जंगल में जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

धर्म-अध्यात्म श्री साईं सेंटर जमशेदपुर में महान आध्यात्मिक गुरु का आगमन, प्रेम, करुणा और संस्कारों का दिया संदेश

भक्ति केवल पूजा नहीं, जीवन जीने की कला : डॉ. चंद्रभानु सत्पथी

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर के सर्किट हाउस एरिया स्थित श्री साईं सेंटर में बुधवार को प्रख्यात साईं भक्त व उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी डॉ. चंद्रभानु सत्पथी (गुरुजी) का आगमन हुआ। 1972 बैच के आईपीएस डॉ. सत्पथी ने ही 18 अक्टूबर 2012 को इस सेंटर की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई थी।

अपने संबोधन में डॉ. सत्पथी ने भक्ति के पारंपरिक ढर्रे पर प्रहार करते हुए कहा कि साईं भक्ति किसी विशेष पूजा विधि का नाम नहीं, बल्कि प्रेम और करुणा के सजीव स्वरूप हैं। आज मंदिरों को 'भगवान की विंडो शॉपिंग' बना दिया गया है, जो चिंताजनक है। असली भक्ति केवल मंदिर जाने में नहीं, बल्कि जीवन में अच्छे कर्म और संवेदनशीलता अपनाने में है। गुरुजी ने वर्तमान पीढ़ी और पारिवारिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म के नाम पर दिखावा और मूर्खता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। अपने परिवार की जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाना ही सच्ची पूजा है।

बच्चों को आध्यात्मिक आयोजनों से जोड़ना अनिवार्य है, क्योंकि संस्कार बचपन से ही विकसित होते हैं। बच्चों के बिगड़ने पर भगवान को दोष देने से पहले माता-पिता को अपनी जिम्मेदारी देखनी चाहिए। कर्मयोगी संतः संतों को केवल 'चमत्कारी' बताकर उनकी शिक्षाओं को नजरअंदाज करना गलत है। साईं बाबा हों या गुरु गोबिंद सिंह, उन्होंने त्याग और करुणा की जो परिभाषा गढ़ी है, उसका पालन करना ही जीवन की सफलता है। गुरुजी का स्वागत केंद्र के अध्यक्ष व उद्योगपति एसके बेहरा ने गुरुजी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर महासचिव अमरेश सिन्हा और विजय मेहता सहित अन्य पदाधिकारियों ने गुरुजी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। गुरुजी ने मंदिर में बाबा की विशेष पूजा-अर्चना और प्रदक्षिणा की, जिसके बाद उन्होंने उपस्थित भक्तों को संबोधित किया।

सीएच एरिया में डॉ. चंद्रभानु सत्पथी का स्वागत करते एसके बेहरा ● फोटोन न्यूज

बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने माहौल को बना दिया भक्तिमय

कार्यक्रम के दौरान उत्कल एसोसिएशन के कलाकारों द्वारा शास्त्रीय नृत्य, ओडिशी नृत्य और भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। महासचिव अमरेश सिन्हा ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सेंटर द्वारा किए जा रहे सामाजिक और सेवा कार्यों का विवरण साझा किया, जिसकी गुरुजी ने मुक्त कंठ से सराहना की। एसके बेहरा ने कहा कि गुरुजी का मार्गदर्शन हमारे लिए ऊर्जा का स्रोत है। उनके द्वारा स्थापित यह केंद्र उनके बताए प्रेम और करुणा के मार्ग पर चलते हुए समाजसेवा के नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए संकल्पित हैं। कार्यक्रम का समापन सामूहिक आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

श्रीसाईं देवस्थान के संस्थापक पधारे रेलनगरी, भक्तों ने किया स्वागत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर स्थित शीतला मंदिर परिसर में स्थापित श्रीसाईं देवस्थान के संस्थापक गुरुजी चंद्रभानु सत्पथी बुधवार को पधारे। भक्तों ने गुरुजी का स्वागत गाजे-बाजे के साथ किया। इस अवसर पर साईं भक्त मंडल ने आध्यात्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। मंदिर परिसर में बच्चों को पेंटिंग, गीत और नृत्य सिखाया जाता है। कलाकार झिमली चटर्जी के नेतृत्व में बच्चों ने गुरु वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। बच्चों ने नागपुरी गानों पर नृत्य कर सबों का मन मोहा। भक्तों-श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गुरु चंद्रभानु सत्पथी ने कहा कि दस वर्ष के अंतराल में जो परिवर्तन और परिपक्वता देख रहा हूं, वह सराहनीय है। विभिन्न वर्ग और विभिन्न भाषा ओडिशा, बंगाल, बिहार, छोटानागपुर के लोग मिलकर जो कार्यक्रम किया है, यह सिर्फ सांस्कृतिक नहीं, भावनात्मक भी था। उन्होंने श्रद्धा और सबुरी का महत्व भी बताया। उन्होंने कहा कि साईं बाबा धार्मिक समानता में विश्वास रखते हैं और उनका संदेश मानवता व एकता का था। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और सभी गुरुओं का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, न कि बांटना। इस दौरान महिलाओं ने ओड़िया भाषा में गुरु भागवत पाठ किया।

साईं बाबा की आरती उतारते गुरुजी

BRIEF NEWS

पुण्यतिथि पर याद किए गए आचार्य शिवपूजन सहाय

BUXAR : देहाती दुनिया के रचयिता एवं हिंदी साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर आचार्य शिवपूजन सहाय की 63वीं पुण्यतिथि उनके पैतृक गांव इटाढ़ी प्रखंड के उनवांस में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कायस्थ परिवार के प्रदेश संयोजक एवं भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुमन कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोविंद सिंह ने की, जबकि संचालन रजनीकांत गुप्ता ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद कायस्थ परिवार के जिला कार्यालय में उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी साहित्यिक कृतियों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने उनके साहित्यिक योगदान को याद करते हुए उन्हें हिंदी नवजागरण का सशक्त लेखक बताया।

12 दिन बाद भी लापता का नहीं मिला सुराग

NAVADA : नवादा के चर्चित मुखिया होटल के मालिक

मधुसूदन प्रसाद के सुपुत्र दिनेश प्रसाद बीते 8 जनवरी 2026 की शाम 5 बजे से लापता हैं। जिनका आज बुधवार तक भी सुराग नहीं मिल पाया। जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय दिनेश प्रसाद हरीश चंद्र स्टेडियम रोड, अरविंद प्रेस के बगल, नवादा के निवासी हैं। 8 जनवरी को ही वे सामने घर से निकले लेकिन फिर घर लौटकर नहीं आए पुलिस अब तक उनका सुराग पाने में पूर्णता सफल रही है। होटल व्यवसाय के परिजन किसी भी अनहोनी से परेशान दिख रहे हैं लेकिन पुलिस को उनकी सुराग पाने में अब तक सफलता नहीं मिलने से सामाजिक स्तर पर भी आक्रोश देखा जा रहा है।

पूर्व मंत्री ललित यादव की माता का निधन

DARBHANGA : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता एवं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री ललित यादव की 90 वर्षीय माता भुलरी देवी का बुधवार, 21 जनवरी को दरभंगा स्थित पूर्व विधायक आवास पर निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही दरभंगा सहित पूरे मिथिलांचल में शोक है। दिवंगत भुलरी देवी पांच संतानों की माता थीं, जिनमें से एक पुत्र का निधन पूर्व में ही हो चुका है। वे अपने पीछे दो पुत्र और दो पुत्रियां छोड़ गई हैं। जीवन भर संघर्ष, त्याग और ममता की मिसाल रहीं भुलरी देवी को क्षेत्र में एक संस्कारवान, धर्मपरायण और परिवार को जोड़कर रखने वाली आदर्श माता के रूप में सम्मान प्राप्त था। माता के पार्थिव शरीर के समक्ष खड़े पूर्व मंत्री ललित यादव स्वयं को संभाल नहीं सके और भावुक होकर रो पड़े। एक अनुभवी जननेता का यह मानवीय रूप देख वहां उपस्थित लोगों की आंखें भी भर आईं। यह दृश्य मां-पुत्र के उस अटूट रिश्ते को बयां कर रहा था।

समृद्धि यात्रा के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने छपरा को दी 538 करोड़ की सौगात

सात निश्चय पार्ट-3 : स्टार्टअप स्टॉलों का मुख्यमंत्री ने किया अवलोकन

AGENCY CHAPRA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी समृद्धि यात्रा के दौरान करोड़ों रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। साथ ही जन संवाद के माध्यम से सरकार के आगामी योजनाओं को भी जनता के सामने रखा। मुख्यमंत्री ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सदर प्रखंड परिसर स्थित जीविका दीदियों के सिलाई एवं कटाई प्रशिक्षण केंद्र के निरीक्षण से की। उन्होंने वहां संचालित गतिविधियों की बारीकी से जानकारी ली और जीविका दीदियों के आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने सात निश्चय पार्ट-3 के तहत लगाए गए स्टार्टअप स्टॉलों का अवलोकन किया और युवा उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बिन्टोरिया में नवनिर्मित आईटीआई भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने जन कल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का भी जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित करें। समृद्धि यात्रा

पर छपरा आए मुख्यमंत्री ने जिले को कुल 538 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। जिनमें 451 करोड़ की लागत वाली 45 नई योजनाओं की आधारशिला रखी और 87 करोड़ की लागत से पूर्ण हो चुकी 24 योजनाओं का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने पूर्ववर्ती सरकार को और आड़े हाथों लिया उन्होंने कहा विकास के नाम पर पिछली सरकार तरह नकारा साबित हुई थी। हमारी सरकार पिछले चार कार्यकाल में निरंतर काम किया है और अब पांचवीं बार जनता ने हमें सेवा का जो अवसर दिया है हम उसे पर खड़ा उतर रहे हैं उन्होंने स्वास्थ्य शिक्षा सड़क बिजली परिवहन जैसे क्षेत्रों मैं हुई प्रगति को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने एक घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में मुक्त बिजली के बाद अब घर-घर मुक्त सोलर प्लेट सिस्टम लगाए जाएंगे इससे स्वच्छ ऊर्जा के साथ-साथ आम जनता को बिजली के बिल में और कमी आएगी।दिग्गज नेताओं की रही मौजूदगी इस समृद्धि यात्रा में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय कुमार चौधरी, जिले के प्रभारी मंत्री बिजेंद्र यादव, सांसद राजीव प्रताप रूडी, जनार्दन सिंह सिग्रीवाल और स्थानीय विधायक छोटी कुमारी सहित एनडीए के कई विधायक एवं पूर्व विधायक उपस्थित रहे।

सभी बंद चीनी मिलें होंगी चालू : सम्राट चौधरी

PATNA : बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की सभी बंद चीनी मिलें चालू कराई जाएंगी। प्रदेश में बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि बिहार के लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़े। सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ समृद्धि यात्रा के दौरान सारण पहुंचे थे। वहां आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए युवा कौशल विभाग का गठन किया गया है। बिहार के युवाओं को कौशल युक्त बनाया जा रहा है। पिछले पांच वर्षों में राज्य में पचास लाख सरकारी नौकरी और रोजगार दिए गए हैं। अगले पांच वर्षों में एक करोड़ सरकारी नौकरी और रोजगार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में काम मिले इसके लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। बिहार में देश की सबसे बेहतर औद्योगिक नीति को लागू किया गया है। यहां उद्योग लगाने के लिए सरकार एक रुपये में जमीन उपलब्ध करा रही है। 15 दिनों में लोन मंजूर किया जा रहा है। इसके बाद बिहार में सेमीकंडक्टर तक की फैक्ट्रियां लग रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यात्राओं के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने न्याय यात्रा, प्रगति यात्रा से लेकर समृद्धि यात्रा के माध्यम से जनता से सीधा संवाद कर बिहार के विकास की मजबूत नींव रखी है। इन यात्राओं के दौरान जनता की जरूरतों को समझकर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसे बुनियादी क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में घर-घर बिजली पहुंचाने का सपना साकार हुआ है। एक समय था जब बिहार के शहरों में भी मुश्किल से पांच घंटे बिजली मिलती थी, लेकिन आज गांवों में चौबीस घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। वर्तमान में एक करोड़ 90 लाख परिवारों को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है, जिससे लगभग एक करोड़ 70 लाख परिवारों का बिजली बिल शून्य हो गया है। बिहार में सड़कों का व्यापक जाल बिछा है। गांव-गांव ही नहीं बल्कि गली-गली तक सड़कों का निर्माण कराया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही छपरा में एयरपोर्ट का भी निर्माण कराया जाएगा, जिससे सारण और आसपास के जिलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और व्यापार व पर्यटन को नई गति मिलेगी।

इमरांव में अवैध पटाखा निर्माण के दौरान विस्फोट, एक झुलसा

AGENCY BUXAR : डुमरांव नगर के वार्ड-24 स्थित ब्रह्म बाबा की गली में बुधवार की शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक मकान में अवैध रूप से पटाखा निर्माण के दौरान जोरदार विस्फोट हो गया। हादसे में 40 वर्षीय मुख्तार रंगरेजा गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत नाजुक बताते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना ले जाया गया। घटना शाम करीब पौने चार बजे की बताई जा रही है। विस्फोट की तेज आवाज से आसपास के लोग दहशत में आ गए और मोहल्ले में काफी देर तक भय का माहौल बना रहा। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा

पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कराई। विस्फोट के कारणों की वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। फिलहाल मकान को सील कर दिया गया है। घायल के पटना चले जाने के कारण पुलिस को बयान दर्ज करने में परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार मुख्तार रंगरेजा पिछले करीब 40 वर्षों से घर में ही पटाखा निर्माण और बिक्री का काम कर रहा था। घनी आबादी वाले क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री का निर्माण प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है।

15 हजार रिश्वत लेता राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार, तत्काल प्रभाव से निलंबित

AGENCY ARARIA : अररिया के नरपतगंज प्रखंड के राजस्व कर्मचारी इम्तेयाज आलम को विशेष निगरानी इकाई की टीम ने 15 हजार रुपए रिश्वत लेते मंगलवार देर शाम रंगेहाथ गिरफ्तार किया था,जिस पर जिलाधिकारी विनोद दूहन ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को तत्काल प्रभाव से उन्हें निलम्बित कर दिया। निलंबन की पुष्टि डीएम विनोद दूहन ने की।
नरपतगंज प्रखंड के फरही पंचायत के राजस्व कर्मचारी इम्तेयाज आलम को रामघाट कोशकापुर के कमलेश्वरी यादव पिता तारणी यादव के विशेष निगरानी इकाई पटना में दर्ज शिकायत के आधार पर निगरानी की टीम ने पकड़ा था।राजस्व कर्मचारी इम्तेयाज आलम जमीन

के दाखिल खारिज के बाद ऑनलाइन परिवादी के नाम एवं रकवा में सुधार करने के लिए 15 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। राजस्व कर्मचारी ने शिकायतकर्ता कमलेश्वरी यादव को सख्त रूप से कहा था कि जब तक 15 हजार रुपए नहीं दिया जाएगा,तब तक ऑनलाइन नाम एवं रकवा में सुधार नहीं किया जाएगा। विशेष निगरानी इकाई के अपर पुलिस महानिदेशक पंकज कुमार दारद ने बताया कि शिकायतकर्ता कमलेश्वरी यादव पिता तारणी यादव के द्वारा विशेष निगरानी इकाई, पटना में शिकायत दर्ज कराया था जिसमें उन्होंने राजस्व कर्मचारी द्वारा जमीन के दाखिल खारिज के बाद ऑनलाइन परिवादी के नाम एवं रकवा में सुधार करने के लिए 15 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की गई थी।

असुरक्षित स्थिति में काम कर रहे निगम के सफाई कर्मी, यूनियन ने उठाया सवाल

AGENCY BHAGALPUR : भागलपुर नगर निगम के सफाई कर्मी बहुत ही असुरक्षित स्थिति में सफाई का काम कर रहें हैं। ऐक्टू ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बिना सुरक्षा साधन के नंगे पैर और खुले हाथ से नाली में घुस कर नाली की उड़ाही कर (गंदगी निकाल) रहे, कचरा उठा रहे सफाई कर्मियों को फोटो जारी करते हुए ऐक्टू के राज्य सह जिला सचिव मुकेश मुक्त ने कहा कि सफाई कर्मियों को सुरक्षा किट (पीपीई) उपलब्ध कराना नगर निगम प्रशासन की जिम्मेदारी है लेकिन सफाई कर्मी इसके बगैर ही भारी जोखिम भरे स्थिति में काम करने के लिए मजबूर हैं। आखिर इन कर्मियों को गमबूट, दस्ताने, मास्क, रिफ्लेक्टिव जैकेट आदि

सुरक्षा का साधन उपलब्ध क्यों नहीं कराया जाता है। नगर निगम प्रशासन इन कर्मियों के स्वास्थ के साथ खिलवाड़ क्यों कर रहा है। सुरक्षा कीट कोष की राशि कहां जा रही है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि भागलपुर नगर आयुक्त को इस मामले की तुरंत जांच करानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। ऐक्टू इस पूरे मामले से ऑल इंडिया म्युनिसिपल एंड सेनिटेशन वर्कर्स फेडरेशन और बिहार राज्य स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के महासचिव को भी अवगत कराएगा। सफाई कर्मी समाज के वंचित और कमजोर तबके से आते हैं। इनके हितैषी होने का दंभ भरने वाली केंद्र-राज्य की मोदी-नीतीश सरकार में इनका जीवन खतरे में क्यों है।

पति को छह साल बाद कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

ARARIA : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने पत्नीहंता पति को छह साल बाद आजीवन कारावास के साथ 50 हजार रुपए की जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माने की रकम अदायगी न करने पर दस माह की अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। मामला पलासी थाना क्षेत्र के बलुआ कालियागंज का है। कोर्ट ने दोषी पलासी थाना क्षेत्र के बलुआ कालियागंज निवासी बिरेंद्र कुमार उर्फ बुधना पिता रामबाबू प्रसाद साह उर्फ रामबाबू को सुनाई। मामला 2 जनवरी 2020 का है। मामला पलासी थाना में दर्ज मामले से संबंधित है। पलासी थाना में मामला मृतका के भाई मदनपुर वार्ड संख्या 12 निवासी दिवाकर कुमार पिता अशोक प्रसाद साह ने दर्ज कराई थी।

फौजी वर्दी में एटीएम कार्ड बदलकर 14 हजार की ठगी, एक आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज थाना क्षेत्र के पटेल चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक की एटीएम में फौजी वर्दी में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने का मामला सामने आया है। फौजी वर्दी पहने ठगों ने युवक को झांसे में लेकर उसका एटीएम कार्ड बदल दिया और 14 हजार रुपये निकाल लिए। हालांकि, पीड़ित की सतर्कता और ग्रामीणों की मदद से एक आरोपित को पकड़ लिया गया, जबकि तीन अन्य फरार हो गए। पीड़ित परवाहा के घीवहा वार्ड संख्या 3 निवासी 18 वर्षीय मो. सरवर पिता मो. निजाम ने थाना में दिए आवेदन में बताया कि दोपहर करीब 3 बजे वह अपने पिता के नाम से जारी एटीएम कार्ड से रुपये निकालने एसबीआई

एटीएम गया था। इसी दौरान दो अज्ञात व्यक्ति फौजी वर्दी पहनकर अंदर घुसे और पढ़ाई-लिखाई की बातें करते हुए उसे अपने झांसे में ले लिया। ठगों ने उससे गोपनीय पहचान संख्या पिन डालने और 14 हजार रुपये निकालने को कहा। इसी बीच चालाकी से उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और यह कहकर बाहर निकल गए कि मशीन में पैसा नहीं है। कुछ देर बाद युवक को शक हुआ तो वह बाहर निकला। उसने देखा कि चार व्यक्ति सफेद रंग के मारुति चार पहिया कार संख्या एचआर15ई/9960 से दक्षिण दिशा की ओर भाग रहे हैं। पीड़ित ने मोटरसाइकिल से पीछा किया। कटहारा रोड के पास आरोपितो ने कार से उसे धक्का मार दिया और फौजी कॉलोनी की ओर भागने लगे।

सुरक्षा एशियाई जल पक्षी 2026 की गणना की हुई शुरूआत, डीएफओ ने कहा-

रामसर साइट बनने की पूरी क्षमता रखता है घटोरा वेटलैंड

AGENCY BHAGALPUR : जिले के सोनवर्षा गंगा दियारा स्थित घटोरा वेटलैंड सहित बिहार के अन्य वेटलैंड में बिहार वन विभाग और बीएनएचएस के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एशियाई जल पक्षी 2026 की गणना की शुरूआत हो गई है। भागलपुर वन विभाग के डीएफओ आशुतोष कुमार, वन विभाग के रेंज आफिसर कंपनी कुमार, बिहार एशियाई जल पक्षी गणना के कार्डिनेटर दीपक कुमार झुन्नू, कार्डिनेटर ज्ञान चंद ज्ञानी, गौरव सिन्हा, चंदन, कबीर और वत्स निशान कृष्णन ने घटोरा वेटलैंड में पक्षियों की गणना को पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि घटोरा वेटलैंड रामसर साइट बनने की पूरी क्षमता

और अर्हता रखता है। यहां अबतक के गणना में 72 प्रजाति के दस हजार से अधिक पक्षियों का आकलन किया गया। जिसमें 70 फीसदी प्रवासी और 30 फीसद ही देसी पक्षी थे। जो अब तक का सर्वाधिक पक्षियों का रिकार्ड है। डीएफओ आशुतोष ने कहा कि मध्य एशियाई देश, यूरोप, मंगोलिया, चीन, लेह-लद्दाख आदि क्षेत्र से आने वाले ये पक्षियां बड़ी संख्या में घटोरा वेटलैंड में शीतकालीन प्रवास करते है।
बिहार एशियाई जल पक्षी गणना के कार्डिनेटर दीपक कुमार झुन्नू ने बताया कि यहां प्रवासी पक्षियों में सबसे अधिक बत्तख प्रजाति के लालसर, सिंकपर, चैता, छोटा लालसर, चकवा, राजहंस, कलहंस तथा कुसिया चाहा तथा अन्य पक्षियों में घोंघिल, विभिन्न प्रकार के बगुले, हेरोन, सैंडपाइपर, स्टोनचैट, जलमुर्गी, मुनिया, नीलकंठी, ग्रासबर्ड इत्यादि पक्षियों की संख्या उम्मीद से अधिक दिखी। पर्यावरणविद सह एशियाई जल पक्षी गणना के कॉर्डिनेटर बताते हैं कि घटोरा वेटलैंड की भौगोलिक स्थिति, शांत वातावरण, सुरक्षि जलीय आवास, प्रचुर जलीय और वनस्पति भोजन की उपलब्धता प्रवासी और देसी पक्षिय को आकर्षित करता है। घटोरा को रामसर साईट बनाने की मांग करते हुए सोनवर्षा मुखिया नीनारानी और अजय उर्फ लाली कुंवर ने कहा कि यह वेटलैंड नवंबर से अप्रैल महिने तक देसी और प्रवासी पक्षियों के कलरव से गुंजायमान रहता है।

शहर के प्रेक्षागृह में बसंत पंचमी महोत्सव का हुआ आयोजन

SAHARSA : जिला प्रशासन व जिला कला संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को प्रेक्षागृह में बसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विधायक ई आई पी गुप्ता, जिलाधिकारी दीपेश कुमार,उप विकास आयुक्त गौरव कुमार ,उप समाहर्ता निशांत,कला संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया। अतिथियों द्वारा संबोधित कर वसंत पंचमी महोत्सव एवं सरस्वती पूजन की विशेषता पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विधायक एवं जिलाधिकारी द्वारा नारदी भजन गायकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत किलकारी के बच्चों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोहा।

सदर अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत, जाम किया एनएच

AGENCY BUXAR : सदर अस्पताल में उल्टी-दस्त के इलाज के लिए भर्ती एक महिला की मौत के बाद मंगलवार देर रात जमकर हंगामा हुआ। घटना से आक्रोशित लोगों ने बक्सर-चौसा-मोहनिया एनएच 319ए को जाम कर दिया, जिससे घंटों यातायात बाधित रहा। प्रशासन के आश्वासन के बाद बुधवार सुबह जाम हटाया जा सका। जानकारी के अनुसार राजपुर थाना क्षेत्र के तियरा गांव निवासी राजेश सिंह की 35 वर्षीय पत्नी देवंती देवी को उल्टी और दस्त की शिकायत पर मंगलवार रात करीब 10:30 बजे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक महिला खुद चलकर अस्पताल पहुंची थी। रात करीब 11:30 बजे चिकित्सक की सलाह पर बाहर से एक सूई खरीदकर लाने को कहा गया। इंजेक्शन लगाने के

कुछ ही देर बाद महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई और कुछ ही समय में उसकी मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि महिला की हालत बिगड़ते ही ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक और कर्मी दवा की पर्ची फाड़कर तथा इंजेक्शन की शीशी फेंककर अस्पताल से फरार हो गए। इससे गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने देर रात करीब ढाई बजे अस्पताल के सामने एनएच जाम कर दिया। सुबह सदर एसडीओ और एसडीपीओ के पहुंचने व जांच का आश्वासन देने के बाद जाम हटाया गया, हालांकि वाहनों का परिचालन देर तक प्रभावित रहा।

NEWS BOX

बस चालक के साथ मारपीट संगठन ने थाने का किया घेराव

AGENCY BHAGALPUR : जिले के बरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत जीरो माइल चौक के समीप बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) के बस

चालक पंकज के साथ कथित तौर पर कुछ अज्ञात जेल कर्मियों ने मारपीट का मामला तुल पकड़ने लगा है। घटना के विरोध में बुधवार को बिहार ड्राइवर संगठन के काफी सदस्य बरारी थाना पहुंचे और बस चालक की शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया। संगठन के सदस्यों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनकी सुनवाई तक नहीं की। नाराज ड्राइवरों ने घायल चालक पंकज को लेकर तिलकामांझी थाना में जमकर हंगामा किया। संगठन के सदस्यों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वे ह्वस्टीयरिंग रोकोह्व अभियान शुरू करेंगे और बड़े पैमाने पर धरना-प्रदर्शन भी करेंगे। उनका कहना है कि राज्य सरकार और प्रशासन अगर जल्द कदम नहीं उठाते, तो राज्य भर के ड्राइवर आंदोलन में शामिल होंगे। बस चालकों और ड्राइवरों के संगठन का कहना है कि यह सिर्फ पंकज का मामला नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के परिवहन कर्मचारियों के सम्मान और सुरक्षा का मसला है। उल्लेखनीय है कि घटना के समय पंकज बस चला रहा था, तभी नवगछिया की ओर जा रही एक कार गलत दिशा से आती हुई बस से टकरा गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर नितिन नबीन को प्रमोद सिग्रीवाल ने दी बधाई

AGENCY SARAN : जलालपुर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा नितिन नवीन को पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कार्यकर्ताओं

में भारी उत्साह है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य प्रमोद सिग्रीवाल ने दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में उनसे मुलाकात की। प्रमोद सिग्रीवाल ने बताया कि नितिन नवीन का अध्यक्ष बनना देश के करोड़ों युवाओं के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवा हैं और नितिन नवीन के नेतृत्व में युवाओं को एक नई दिशा मिलेगी। सिग्रीवाल ने इस नियुक्ति को बिहार के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह गर्व की बात है कि बिहार के किसी नेता को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व करने का अवसर मिला है। इससे पूरे बिहार का मान बढ़ा है, नितिन नवीन एक कुशल संगठनकर्ता और 'शिल्पकार' के रूप में जाने जाते हैं, उनके मार्गदर्शन में भाजपा सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएगी।

एनएच 319-ए पर आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत

AGENCY BUXAR : बक्सर-चौसा-मोहनिया एनएच-319ए पर रोहिणीभान गांव के पास बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर कैमूर जिले के कुढ़नी थाना क्षेत्र के चड़ेस गांव के दो युवक सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर बक्सर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बनारपुर गांव के तीन युवक थे। दोनों ही बाइकों की रफ्तार काफी तेज बताई जा रही है और किसी भी युवक ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। टक्कर टीवीएस अपाचे और राइडर बाइक के बीच हुई। हादसे में दो युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक ने इलाज के लिए ले जाते समय दम तोड़ दिया। घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतकों में दो युवक बनारपुर गांव के और एक कैमूर जिले का निवासी है। मृतकों में बनारपुर निवासी सुभाष सिंह कुशवाहा के 22 वर्षीय पुत्र सूर्यदेव सिंह की पहचान हुई है। सूर्यदेव की शादी अगले महीने 21 फरवरी को होने वाली थी। वह पटना में रहकर पढ़ाई और नौकरी की तैयारी कर रहा था और दो दिन पहले ही घर लौटा था। इस हादसे से दोनों गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है।

क्या ईरान के लिए अब परमाणु परीक्षण जरूरी

पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर जिस तरह वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई करते हुए अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी करकास से वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी का बलात अपहरण कर उन्हें न्यूयार्क ले जाया गया, उसने पूरी दुनिया को न केवल अचंभे में डाल दिया है, बल्कि इस घटना ने एक नई विश्व व्यवस्था व नए वैश्विक शक्ति संतुलन के गठन की संभावना को भी प्रबल कर दिया है। कितना आश्चर्य है कि नोबल शांति पुरस्कार की चाहत रखने वाले राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी शक्तियों का दुरुपयोग कर इस दुनिया को जंगल राज की तरह चलाना चाह रहे हैं। वेनेजुएला पर की गई गैर कानूनी अमेरिकी कार्रवाई कई संकेतों की ओर इशारा कर रही है। एक तो यह कि क्या यह विश्व की उदारवादी सोच रखने वाली ताकतों को विश्व की पूंजीवादी व अतिवादी व्यवस्था की ओर से दी जाने वाली यह एक सीधी चुनौती है। गौरतलब रतलब है कि ट्रंप परिवार की गिनती भी अमेरिका के बड़े पूंजीवादी घरानों में की जाती है। या फिर यह चीन व रूस जैसे देशों एक साथ ललकारने की ट्रंप की नीति का हिस्सा है और अब कोलंबिया, क्यूबा, मैक्सिको और ईरान जैसे देशों पर अमेरिकी सैन्य या आर्थिक दबाव की आशंका व्यक्त की जा रही है। साथ ही अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड पर भी अधिग्रहण की धमकी दी जा चुकी है। ऐसे में दुनिया के सामने दो ही विकल्प बचे हैं- एक तो यह कि दूसरे देशों की स्वतंत्रता व संप्रभुता का सम्मान करने वाले सभी देश वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का विरोध करते हुए हर स्तर पर एकजुट होकर अमेरिका का मुकाबला करें। दूसरा यह कि जिसकी लाठी उसी की भैंस वाली अमेरिकी नीति का ही अनुसरण करते हुए पूरी दुनिया ही जंगल राज में बदल जाए। हर ताकतवर देश अपनी पड़ोसी कमजोर देश को निगलने की मानवता व न्याय विरोधी रक्तरंजित योजना पर काम करे। उदाहरण के तौर पर चीन ताइवान को हड़प ले और रूस यूक्रेन पर अपना आधिपत्य स्थापित कर ले। इसरायल, फिलिस्तीन लेबनान सीरिया पर नियंत्रण कर अपने वृहत्तर इसरायल के नापाक मंसूबे पर आगे बढ़े और इन्हीं खतरनाक संभावनाओं के बीच एक उपाय यह भी है कि ईरान परमाणु परीक्षण के द्वारा उत्तर कोरिया की तरह एक ऐसी आत्मरक्षक व निवारक रणनीति पर काम करे, जो अमेरिका को भी युद्ध से पीछे हटने पर मजबूर कर दे। तो क्या लंबे समय से चले आ रहे तमाम ईरान विरोधी प्रतिबंधों के बावजूद उस के सामने इस समय वैसी ही स्थिति पैदा हो चुकी है कि आत्मरक्षा के लिए अब उसे परमाणु संपन्न देशों के क्लब में शामिल होना जरूरी हो गया है। गौरतलब तलब है कि गत 13 से 24 जून 2025 के मध्य चला बारह दिवसीय ईरान-इजरायल युद्ध उस समय शुरू हुआ था जब इजरायल ने ईरान के कई सैन्य और परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी और ईरान के कई प्रमुख सैन्य अधिकारियों, परमाणु वैज्ञानिकों व प्रमुख राजनेताओं की हत्या कर दी थी साथ ही अनेक नागरिकों को भी मार दिया था। इजरायल ने उस समय ईरान की वायु सुरक्षा को भी नुकसान पहुंचाया था और कई जगह तो इसे पूरी तरह नष्ट भी कर दिया था। इतना ही नहीं, बल्कि अमेरिका ने भी इजरायल के समर्थन में 22 जून को तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी की। बाद में मुंहतोड़ जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान ने 550 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों और 1000 से अधिक आत्मघाती ड्रोनों के साथ बड़े पैमाने पर इजरायल में राजधानी तेलअवीव सहित कई शहरों पर भीषण हमले किए। कम से कम बारह सैन्य, ऊर्जा और सरकारी स्थलों को निशाना बनाया। यहां तक कि कई अमेरिकी सैन्य लक्ष्यों को भी निशाना बनाया। उस दौरान भी पश्चिमी मीडिया ईरानी सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खोमनेई को लेकर बार बार तरह तरह की अफवाह उड़ा रहा था। कभी उन्हें भूमिगत बता देता था तो कभी उनके ईरान छोड़कर भाग जाने की खबर फैला देता था। उस समय भी आयतुल्लाह खामनेई जनता को संबोधित करने के लिए सार्वजनिक रूप से दिखाई देते थे और पिछले दिनों भी बिल्कुल वैसा ही दृश्य देखने को मिला। इस बार भी भूमिगत होने व मास्को भागने की तैयारी जैसी अफवाहों के बीच गत शुक्रवार को पुनः आयतुल्लाह खामनेई जनता के सामने आए तथा बेखौफ होकर खुद अमेरिका को ही हिदायत व नसीहत करते सुने गए। ट्रंप के नेतृत्व वाला वर्तमान अमेरिका वेनेजुएला की घटना के बाद तो पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। दुनिया में सबसे अधिक तेल भंडार रखने वाले अमेरिका को विश्व के अन्य तेल उत्पादक देशों से अपनी शर्तों पर तेल चाहिए। चाहे इसके लिए कोई भी बहाना बनाकर किसी राष्ट्रपति का अपहरण तक क्यों न करना पड़े। जाहिर है ईरान भी वेनेजुएला की ही तरह दुनिया के उन गिने चुने तेल उत्पादक देशों में एक है, जो अमेरिका को सर्वशक्तिमान भी नहीं मानता और न ही उसकी वैश्विक थानेदारी को स्वीकार करता है। 1979 की ईरानी इस्लामिक क्रांति से पहले का रजा शाह पहलवी का ईरानी शासन अमेरिका का पिट्ठू शासन था। उसी समय से ईरान न केवल अमेरिकी बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा लगाए गयी अनेक प्रतिबंध भी झेलता आ रहा है, जो निश्चित रूप से ईरान की अर्थव्यवस्था को बेहद कमजोर कर रहा है।

सवाल पेसा ही नहीं, पंचायत और एफआरए का भी

पार्ट- 2

✍ श्याम किशोर चौबे

झारखंड के आदिवासियों की रूढ़ियां और परंपराएं प्रकृति, समानता, सामूहिकता और आत्मसम्मान पर आधारित हैं। ये परंपराएं न केवल सांस्कृतिक धरोहर हैं, बल्कि टिकाऊ जीवन-शैली का आदर्श मॉडल भी प्रस्तुत करती हैं। शिक्षा और शहरीकरण से कुछ परंपराएं कमजोर हुई हैं, लेकिन इसके समानांतर सरना धर्म, भाषा और संस्कृति को बचाने का आंदोलन भी तेज हो रहा है। रूढ़िजन्य आदिवासी समन्वय समिति का कहना है कि नियमावली के कई प्रावधानों से प्रतीत होता है कि पेसा क्षेत्र को सामान्य क्षेत्र की तरह ही देखा जा रहा है। पेसा-1996 और सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णयों के अनुसार ग्रामसभा को सर्वोच्च माना गया है, लेकिन वर्तमान नियमावली में कई प्रावधान इससे संगत नहीं हैं। लोकतांत्रिक स्वशासन को पारंपरिक स्वशासन के ऊपर रखा जा रहा है। दोनों को शक्तियां दी जानी हैं, लेकिन दोनों के कार्य क्षेत्र अलग हैं। इसीलिए दोनों में अंतर करना चाहिए। पेसा-1996 के अनुसार, ग्रामसभा के गठन प्रक्रिया में रूढ़ियों को प्रधान रखा जाना है, किंतु वर्तमान नियमावली में ग्रामसभा की मान्यता और पारंपरिक सीमा के निर्धारण की जिम्मेदारी जिला उपायुक्त को सौंप दी गई है।

झारखंड राज्य के गठन के बाद बाबूलाल मरांडी के नेतृत्ववाली एनडीए सरकार ने पंचायती राज अधिनियम की नियमावली लागू की थी, जिसमें पेसा के अनुरूप शेड्यूल पांच वाले क्षेत्रों में अध्यक्ष यानी मुखिया के शत प्रतिशत पद आदिवासियों के लिए आरक्षित किए गए थे। यह मामला कुछ लोग हाईकोर्ट ले गए थे। ये वे लोग थे, जो अब खुद को जनजातीय समुदाय में शामिल करने का दबाव बना रहे हैं। बेशक, हाईकोर्ट मेंई 2005 में उनको सफलता मिली थी क्योंकि अदालत ने मुखिया के शत-प्रतिशत पद आरक्षित करने को असंवैधानिक करार दिया था। इसके विरोध में केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई। शीर्षस्थई अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले का ओवरटर्न करते हुए 2010 में नियमावली के पक्ष में न्याय निर्णय दिया। झारखंड के आदिवासियों की रूढ़ियां और परंपराएं प्रकृति, समानता, सामूहिकता और आत्मसम्मान पर आधारित हैं। ये परंपराएं न केवल सांस्कृतिक धरोहर हैं, बल्कि टिकाऊ जीवन-शैली का आदर्श मॉडल भी प्रस्तुत करती हैं। शिक्षा और शहरीकरण से कुछ परंपराएं कमजोर हुई हैं, लेकिन इसके समानांतर सरना धर्म, भाषा और संस्कृति को बचाने का आंदोलन भी तेज हो रहा है।

रूढ़िजन्य आदिवासी समन्वय समिति का कहना है कि नियमावली के कई प्रावधानों से प्रतीत होता है कि पेसा क्षेत्र को सामान्य क्षेत्र की तरह ही देखा जा रहा है। पेसा-1996 और सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णयों के अनुसार ग्रामसभा को सर्वोच्च माना गया है, लेकिन वर्तमान नियमावली में कई प्रावधान इससे संगत नहीं हैं। लोकतांत्रिक स्वशासन को पारंपरिक स्वशासन

के ऊपर रखा जा रहा है। दोनों को शक्तियां दी जानी हैं, लेकिन दोनों के कार्य क्षेत्र अलग हैं। इसीलिए दोनों में अंतर करना चाहिए। पेसा-1996 के अनुसार, ग्रामसभा के गठन प्रक्रिया में रूढ़ियों को प्रधान रखा जाना है, किंतु वर्तमान नियमावली में ग्रामसभा की मान्यता और पारंपरिक सीमा के निर्धारण की जिम्मेदारी जिला उपायुक्त को सौंप दी गई है। इससे रूढ़ियां गौण हो रही हैं। बहुस्तरीय व्यवस्था को विवादों के निपटारे हेतु अपीलीय प्राधिकार दिया गया है, उसे और कोई पहचान नहीं दी गई है। प्राकृतिक संसाधनों पर 'सामुदायिक स्वामित्व' को पहचान देने के बजाय वर्तमान नियमावली इस बिंदु पर मौन है।

पंचायती राज जहां सत्ता के विकेंद्रीकरण की व्यवस्था है, वहीं पेसा और एफआरए समुदाय के सशक्तिकरण के द्योतक हैं। पंचायत राज ढांचा है, तो पेसा आत्मा और एफआरए अधिकार का औजार है। तीनों मिलकर आदिवासी क्षेत्रों में लोकतंत्र, स्वशासन, संसाधन न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण सुनिश्चित करते हैं। पंचायत राज अधिनियम, पेसा और एफआरए तीनों कानून आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्वशासन, संसाधनों पर अधिकार और लोकतांत्रिक भागीदारी के लिए आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं।

पंचायत राज अधिनियम (1992) वह संवैधानिक आधार है, जो गांव से लेकर जिला स्तर तक लोकतांत्रिक शासन बहाल करता है। लेकिन 5वीं अनुसूची के क्षेत्रों (आदिवासी क्षेत्र) में यह सीधे लागू नहीं था। यहीं से पेसा की जरूरत पड़ी। पेसा संविधान की 5वीं अनुसूची वाले आदिवासी क्षेत्रों पर ही प्रभावी है। इस कानून की मूल आत्मा है, 'ग्रामसभा सर्वोच्च है'। इसके तहत ग्रामसभा को प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, जल, जंगल, जमीन पर सामुदायिक नियंत्रण, लघु वनोपज पर अधिकार, खनन, शराब दुकान, भूमि अधिग्रहण पर सहमति, परंपरा, संस्कृति और रीति-रिवाजों की रक्षा सुनिश्चित की जानी है। पेसा, पंचायत राज को आदिवासी दृष्टिकोण से मजबूत करता है। इसके साथ ही एफआरए (2006) वन क्षेत्रों के निवासियों के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय समाप्त करने की व्यवस्था है। इसके तहत आदिवासियों व परंपरागत वनवासियों को व्यक्तिगत वन अधिकार (खेती, आवास), सामुदायिक वन अधिकार, लघु वनोपज पर अधिकार और वन प्रबंधन में भागीदारीयू की व्यवस्था है। एफआरए का क्रियान्वयन ग्रामसभा के बिना संभव नहीं है। पंचायत राज्य नियंत्रित संस्था है, जबकि पेसा अपने प्रभाव क्षेत्र में स्थानीय स्वशासन का सर्वेसर्वा है और एफआरए ग्रामसभा आधारित है। पेसा मामले में सभी नौ राज्यों का रूख देखें तो समझ में यही आता है कि सरकारें सिर्फ प्रशासन देना चाहती हैं, सत्ता नहीं। जहां 73वां संशोधन पंचायत को मालिक बनाता है, पेसा वहां ग्रामसभा को संवैधानिक संप्रभुता देता है। राज्य जब 73वें संशोधन को प्रधान बना देता है, पेसा की आत्मा मर जाती है।

प्रायः सभी राज्यों में पेसा नियम कमजोर किए गए हैं। पंचायत को ऊपर मान लेने से प्रशासन आदेशकर्ता की हैसियत में रहता है, जबकि ग्रामसभा की सहमति सिर्फ औपचारिक बन जाती है। इसी वजह से 'दोहरी व्यवस्था' अक्सर टकराव की व्यवस्था बन जाती है। यूं, विधान यही है कि पांचवें शेड्यूल एरिया में ग्रामसभा मालिक के दर्जे में होती है, जबकि पंचायत प्रबंधक के तौर पर काम करती है। 73वां संविधान संशोधन पंचायत को 'स्थानीय सरकार' बनाता है, जबकि पेसा ग्रामसभा को सर्वोच्च घोषित करता है।

पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन की व्यवस्था है, जबकि पेसा सीधे ग्रामसभा द्वारा शासन का विधान देता है। नौकरशाही प्रत्यक्ष लोकतंत्र से असहज रहती है। अधिकारी पंचायत सचिव/सरपंच को आदेश देते हैं, ग्रामसभा को नहीं दे सकते। फर्क यहीं आ जाता है। कुछ लोग एक गांव के टोलों की अलग-अलग ग्रामसभाओं और पूरे गांव की ग्रामसभा का भी मसला उठा रहे हैं कि इनमें शक्तिसंपन्न किसे माना जाएगा। 2023 में प्रकाशित तथा 2024 में विधि विभाग द्वारा स्वीकृत नियमावली प्रारूप में ग्रामसभा का गठन रूढ़ियों (कस्टमरी लॉ) तथा परंपरा के आधार पर किया जाना था। संविधान में अनुच्छेद 13(3) में रूढ़िजन्य परंपराओं को ही मान्यता दी गई है। पेसा, 1996 की धारा 4 (क) में भी रूढ़िजन्य विधि से संरक्षण का वचन है। इसमें कहा गया है, 'पंचायतों के बारे में कोई राज्य विधान जो बनाया जाए, रूढ़िजन्य विधि, सामाजिक और धार्मिक प्रथाओं और समुदाय के संसाधनों की परंपरागत प्रबंध पद्धतियों के अनुरूप होगा'। एक अन्य बिंदु में कहा गया है, 'प्रत्येक ग्रामसभा, लोगों की परंपराओं और रूढ़ियों, उनकी सांस्कृतिक पहचान, समुदाय के संसाधनों और विवाद निपटाने के रूढ़िजन्य ढंग का संरक्षण और परिरक्षण करने के लिए सक्षम होगी'। इसी रूढ़िजन्य मसले के अभाव को लेकर असहमतियां हैं। इसे गलतियां ढूंढने का प्रयास न मानकर नियमावली को बेहतर बनाने का संशोधन प्रस्ताव माना जाए तो निश्चय ही सकारात्मक संदेश जाएगा, क्योंकि एक बड़ा वर्ग यह मान रहा है कि संशोधन नहीं होने पर रूढ़िजन्य समाज और आदिवासी पारंपरिक धरोहर को गहरी क्षति होने की आशंका है।

(समाप्त)

बजट 2026-27 : भारत की आर्थिक दिशा

भारत से लेकर वैश्विक निवेशकों तक, सभी की निगाहें बजट 2026-27 पर टिकी हुई हैं। लोकतंत्र में बजट जवाबदेही और पारदर्शिता की कसौटी होता है, राजकोषीय अनुशासन व मिडिल क्लास, नौकरीपेशा वर्ग, किसानों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के बीच संतुलन साधने की अपेक्षा वैश्विक स्तरपर भारत का आम बजट केवल एक वित्तीय दस्तावेज नहीं होता, बल्कि यह देश की आर्थिक सोच सामाजिक प्राथमिकताओं और वैश्विक भूमिका को परिभाषित करने वाला नीति घोषणापत्र होता है। इस बार का केंद्रीय बजट इस दृष्टि से ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि यह न केवल एक नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत करेगा, बल्कि भारत के आयकर ढांचे में होने वाले सबसे बड़े कानूनी परिवर्तन से पहले का अंतिम पूर्ण बजट भी होगा। यही कारण है कि संसद से लेकर शेयर बाजार तक, टैक्सपेयर्स से लेकर उद्योग जगत तक और भारत से लेकर वैश्विक निवेशकों तक, सभी की निगाहें इस बजट पर टिकी हुई हैं। बजट का औपचारिक आगाज संसद के बजट सत्र के साथ होगा, जिसे 28 जनवरी से 2 अप्रैल 2026 तक आयोजित करने की मंजूरी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दी जा चुकी है। यह सत्र दो चरणों में विभाजित होगा, पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। इस विस्तारित सत्र का उद्देश्य केवल बजट पारित करना नहीं, बल्कि उससे जुड़ी नीतियों, संशोधनों और विधायी पहलुओं पर व्यापक विमर्श सुनिश्चित करना है। लोकतंत्र में बजट सत्र सरकार और संसद दोनों के लिए जवाबदेही और पारदर्शिता की कसौटी होता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लोकसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट पेश करेंगी। यह क्षण इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनका एक और बजट होगा, जिसमें उनसे न केवल राजकोषीय अनुशासन, बल्कि मिडिल क्लास, नौकरीपेशा वर्ग, किसानों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के बीच संतुलन साधने की अपेक्षा की जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था में बजट के हर प्रावधान का सीधा असर घरेलू मांग, निवेश वातावरण और वैश्विक भरोसे पर पड़ता है। बजट का सबसे संवेदनशील पक्ष इसको समझने की करें तो,हर बजट में अगर किसी एक वर्ग की निगाहें सबसे अधिक वित्तमंत्री के भाषण पर टिकी होती हैं, तो वह है टैक्सपेयर्स विशेषकर मिडिल क्लास और नौकरीपेशा लोग। महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रिटायरमेंट की बढ़ती लागत के बीच यह वर्ग वर्षों से यह महसूस करता आया है कि आर्थिक विकास का सबसे बड़ा बोझ उसी के कंधों पर है। इसलिए बजट 2026-27 में इनकम टैक्स से जुड़ी घोषणाएं केवल वित्तीय नहीं, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक संदेश भी होंगी। बजट और निवेशकों का संबंध इसको समझने की करें तो बजट 2026- 27 का असर केवल आम नागरिकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार और पूंजी बाजार पर भी पड़ेगा। स्टॉक एक्सचेंजों ने संकेत दे दिए हैं कि यदि 1 फरवरी को बजट रविवार के दिन पेश किया जाता है, तो उस दिन स्पेशल ट्रेडिंग सेशन आयोजित किया जाएगा। यह व्यवस्था दशार्ती है कि बजट घोषणाओं को बाजार कितनी गंभीरता से लेता है। टैक्स सुधार, पूंजीगत लाभ कर, टीडीएस नियम और निवेश प्रोत्साहन जैसे प्रावधान बाजार की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। यूनियन बजट को ऐतिहासिक बनाने वाला सबसे बड़ा कारण यह है कि यह 60 साल पुराने आयकर कानून के अंत से पहले का अंतिम पूर्ण बजट होगा। सरकार 1 अप्रैल 2026 से नया इन्कम टैक्स एक्ट 2025 लागू करने जा रही है, जो मौजूदा जटिल विवादग्रस्त और बार-बार संशोधित कानून की जगह लेगा। ऐसे में बजट 2026-27 केवल मौजूदा वित्तीय जरूरतों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आने वाले टैक्स सिस्टम की बुनियाद भी रखेगा। बात अगर हम टैक्सपेयर्स की 5 बड़ी उम्मीदें : क्या मिडिल क्लास की खुलेगी किस्मत। इसको समझने की करें तो (1)धारा 80सी और 80डी की सीमा में वृद्धि : बचत और सुरक्षा का सवाल-धारा 80सी के तहत ?1.5 लाख की कर छूट सीमा वर्षों से अपरिवर्तित है,जबकि इस अवधि में महंगाई, आय स्तर और जीवन-शैली खर्चों में भारी वृद्धि हुई है। इसी प्रकार 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा पर मिलने वाली छूट भी आज की चिकित्सा लागत के मुकाबले अपर्याप्त प्रतीत होती है। टैक्सपेयर्स की प्रमुख मांग है कि इन सीमाओं को यथार्थवादी स्तर तक बढ़ाया जाए, ताकि लंबी अवधि की बचत, बीमा कवरेज और सामाजिक सुरक्षा को प्रोत्साहन मिल सके। (2) लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स में राहत : निवेशसंस्कृति को बढ़ावा-भारत सरकार निवेश आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना चाहती है, लेकिन लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स की मौजूदा संरचना कई निवेशकों को हतोत्साहित करती है। टैक्सपेयर्स की अपेक्षा है कि या तो इसकी आय सीमा बढ़ाई जाए, या फिर छोटे और मध्यम निवेशकों को अतिरिक्त राहत दी जाए। इससे घरेलू निवेश, रिटेल पार्टिसिपेशन और पूंजी बाजार की गहराई बढ़ सकती है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होगा। (3) टीडीएस सीमा में वृद्धिःनकदी प्रवाह और अनुपालन की सरलता- टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) व्यवस्था का उद्देश्य टैक्स संग्रह को आसान बनाना है, लेकिन अत्यधिक कम सीमाएं कई बार अनावश्यक अनुपालन बोझ पैदा करती हैं ।वरिष्ठ नागरिकों, फ्रीलांसर्स और छोटे करदाताओं की मांग है कि विभिन्न श्रेणियों में टीडीएस की सीमा बढ़ाई जाए, जिससे नकदी प्रवाह सुधरे और रिफंड- आधारित टैक्स सिस्टम पर निर्भरता कम हो। (4) नए इनकम टैक्स कानून में सरल संरचना : जटिलता से मुक्ति-इन्कम टैक्स एक्ट 2025 से सबसेबड़ी उम्मीद यह है कि यह सरल, स्पष्ट और विवाद-मुक्त होगा। बजट 2026-27 में सरकार से अपेक्षा है कि वह इस नए कानून की संरचना को स्पष्ट संकेतों के माध्यम से पेश करे जैसे कम धाराएं, सरल भाषा, डिजिटल- फ्रेंडली अनुपालन और न्यूनतम व्याख्यात्मक विवाद।

Social Media Corner

सच के हक में...

मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के निवासियों को उनके राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। ये राज्य समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवंत परंपराओं और असाधारण प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण हैं। यहां के उद्यमी और प्रतिभाशाली लोगों ने राष्ट्र की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया है। मैं इन राज्यों के निवासियों के लिए शांति और समृद्धि से भरे भविष्य की कामना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

मेघालय के राष्ट्रस्थापन दिवस पर मैं सभी को हार्दिक बधाई देता हूं। मेघालय ने हमारे राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्य की सांस्कृतिक जीवंतता और प्राकृतिक सुंदरता की व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है। आशा है कि मेघालय भविष्य में भी विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

गोड्डा निवासी अमित मंडल दिव्यांग हैं और चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ हैं। अपने लिए ट्राईसाइकिल या इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर की आस में पिछले एक महीने के अंतर्गत तीन बार प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा चुके हैं। हर बार उन्हें अधिकारी की अनुपस्थिति का बहाना बनाकर वापस लौटा दिया जा रहा है। इतना ही नहीं, अमित की दिव्यांग पेंशन भी पिछले छह महीनों से बंद है। परिवार द्वारा कई बार अधिकारियों से गुहार लगाने के बावजूद पेंशन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। यह स्थिति हेमंत सरकार के संवेदनहीनता की पराकाष्ठा को दशार्ती है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

ट्रंप की ग्रीनलैंड पर कब्जे की महत्वाकांक्षी योजना

नए वर्ष का आगमन होते ही एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अमेरिकी सेना वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत उठाकर अमेरिका ले आई। विश्व को हैरान करने वाली इस घटना को पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति के कथित संरक्षण में चल रहे नारकोटिक्स आतंक से जोड़ा, लेकिन शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले का मूल उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडारों पर कब्जा करना था। वेनेजुएला में कच्चे तेल के सबसे अधिक भंडार हैं। ट्रंप ने जिस तरह यह कहा कि अब वेनेजुएला के तेल को अमेरिका बेचेगा और वहां की अंतरिम राष्ट्रपति को उनका सहयोग करना होगा, उससे साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति दादागीरी पर उतर आए हैं। वे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसकी कल्पना करना कठिन था कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाला अमेरिका किसी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेगा, लेकिन ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने ऐसा ही किया। यह चोरी और सीनाजोरी ही है। अमेरिका ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से उसने अपने संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए अनेक देशों पर हमले किए अथवा वहां छल-छद्म से तख्तापलट कराया। इस कोशिश में उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वह सबक सीखने को तैयार नहीं। अमेरिका को वियतनाम में मात मिली। इसके बाद अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में भी वह वैसा कुछ नहीं कर सका, जिसका दावा कर उसने इन देशों पर हमला किया था। वह इन देशों में कुल मिलाकर नाकाम ही रहा। उसकी इस नाकामी का दुष्परिणाम इन देशों ने अस्थिरता और अशांति के रूप में देखा। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की, लेकिन कई देश ऐसे भी रहे, जिन्होंने ट्रंप की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया अथवा जो मौन बने रहे। चूंकि अमेरिका एक बड़ी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति है, इसलिए कोई भी देश एक सीमा से अधिक उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं। ट्रंप इसी का लाभ उठाकर मनमानी कर रहे हैं। उनके बेलगाम होने का एक कारण यह है कि उसे चुनौती दे सकने वाला रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है। करीब चार साल पहले यूक्रेन पर रूस का हमला उसकी मनमानी ही था। लगता है उसकी इस हरकत ने ट्रंप को भी मनमानी करने का मौका दिया। अब वे बेलगाम हैं। वेनेजुएला पर हमले के बाद वे डेनमार्क के स्वायत्तशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। ट्रंप इस बहाने ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहते हैं कि उस पर रूस और चीन की निगाह है। उनका कहना है कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए। ग्रीनलैंड में अकूत प्राकृतिक संपदा है, जिसका अभी तक दोहन नहीं किया गया है। अमेरिका के अंदर यह विचार पहले भी रहा है कि जिस तरह अलास्का उसके नियंत्रण में आया, उसी तरह ग्रीनलैंड भी आए। ट्रंप उस पर सैन्य कार्रवाई के जरिये कब्जा करने के अलावा उसे खरीदने की बात भी कह रहे हैं। हालांकि वहां के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे बेपरवाह हैं। उन्हें डेनमार्क के साथ यूरोपीय देशों की नाराजगी की भी चिंता नहीं, जबकि वे नाटो के भविष्य को खतरे में बता रहे हैं। ट्रंप किस तरह अहंकार से भरे हुए हैं, इसका पता उनके इस कथन से चलता है कि उनकी आक्रामकता को सिर्फ वही रोक सकते हैं और अमेरिकी हितों के आगे किसी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का कोई महत्व नहीं। यह तानाशाही वाला रवैया है। ट्रंप आक्रामक रणनीति पर इसलिए चल रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजर रही है। उसे पटरी पर लाने के लिए उन्होंने अमेरिका आयात होने वाली वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ा दिया है। उनका दावा है कि उनकी टैरिफ नीति से अमेरिका की आय बढ़ी है, लेकिन सच्चाई कुछ और है।

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन, उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेश्वर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन, जब वह भगवान के साथ अपने संबंध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है, तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना संबंध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है, लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के संपर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Growth plan: Capex, jobs, social spend

Domestic and international observers acknowledge India's medium-term economic prospects. FY27 is shaping up to be one of the strongest years for economic activity since FY19, at least according to high-frequency data. Policy actions during FY26 have driven this momentum and laid a foundation for growth.An illustration is public capital expenditure. After a slowdown in FY25, government capex rebounded in FY26. Year-to-date, capital expenditure is 25 percent higher than the period last year, while revenue expenditure has grown by less than 2 percent. This divergence highlights the government's preference for investment-led growth, prioritising projects with financial returns, such as urban mobility, highways, airports, shipyards, and port infrastructure. The expansion of operational metro rail networks, the pace of highway construction, capacity additions at airports, and improvements in turnaround times at major seaports are documented.In contrast, revenue expenditure—comprising subsidies and welfare spending—has been restrained. While such spending delivers societal returns, these benefits materialise over a longer horizon. For now, the government prioritises the creation of return-generating assets to revive economic momentum, even if early gains accrue unevenly across sections of the population.It's a bet. India's growth strategy needs a 'dual engine' approach—capex for immediate momentum, social investment for long-term inclusivity. The external environment and India's capital supply make this challenging. Elevated interest rates and interest payments could burden the exchequer, manifesting in vicious cycles that impact growth. Yet this shift may be pragmatic, but only if it is paired with an assurance. Societal and developmental expenditure must scale up once global conditions stabilise and fiscal space improves for a government operating under a perennial deficit. There is a risk of entrenching a K-shaped growth trajectory. Large sections of the population—particularly in Aspirational Districts and parts of eastern India—may remain excluded from the gains of growth.A comparative assessment of macroeconomic indicators over the past year underscores the economy's resilience. Retail inflation has declined by 390 basis points, driven by a correction in food prices, which have fallen by over 1,000 basis points since December 2024. This moderation has not come at the expense of farm incomes, as prices had risen from an exceptionally high base; annualised price growth for farm output has remained buoyant at 5 percent or higher.Urban consumption sentiment has staged a recovery after a prolonged slowdown. The downturn began even before the pandemic in 2019. The Reserve Bank of India's Consumer Confidence Index—which captures households' willingness to spend—is now at a six-year high. This improvement is reflected in indicators of discretionary spending, such as passenger vehicle sales. Demand for entry-level cars has revived, and Bollywood box-office collections have reached a three-year high so far in FY26.Consumption remains a pillar of India's growth model, accounting for 60 percent of the national income. India's domestic consumption base has historically acted as an economic 'iron dome' during global stress. This resilience was seen during the Asian Financial Crisis, the Global Financial Crisis or the taper tantrum. That buffer appears active again, even as global trade dynamics shift.The blemish in an otherwise resilient macro backdrop has been the depreciation of the Indian rupee against the US dollar. This has occurred despite record-high foreign exchange reserves and a comfortable current account position. At this point, geopolitical considerations seem to drive the rupee's weakness more than economic fundamentals.

The meaning of Mumbai's vote for BJP

The city that voted for stability should now demand fulfilment of its aspiration

MUMBAI's municipal elections were held four years late. That delay, amounting to constitutional breach, says much about Indian democracy. India's richest municipality was kept in administrative suspension, without elected representatives and without consequences, indicating a deeper comfort with democratic deferral. Remember that constitutional self-government at the third tier is not optional.The BJP has improved its seat tally compared to 2017 and emerged as the largest party, aided by the split in the Shiv Sena that had once anchored the alliance. Across Maharashtra, the BJP-led alliance has dominated civic bodies, winning most municipal corporations where elections were held.

Yet Mumbai's result refuses to yield a single neat political interpretation. That is because Mumbai is not merely a city, but more like a city state. Its budget dwarfs those of many Indian states, and its economic weight is large enough to become a meaningful share of national output and taxes. It is India's financial capital, Bollywood's stage, the country's biggest labour magnet, a playground for creative artistes and hence a cultural engine whose pluralism and a cosmopolitan nature are as valuable as its money.And yet this Maximum City is embarrassed by minimum accountability. Its governance is famously complex, a "spaghetti bowl" of agencies like the BMC (civic body), MMRDA (regional planning), BEST (transport), MHADA (housing), SRA (slum rehab), MSRDC, railways and more, each with partial responsibility, overlapping jurisdiction and carefully designed escape routes from blame. Planning is separated from execution, transport from land use, housing from connectivity, and accountability from everything. When the city fails, no single institution can be held answerable. The electoral contest for the BMC was about control over patronage, planning, land, permissions, contracts and the right o shape India's most valuable urban geography.There is a striking paradox. Mumbai generates extraordinary wealth, and yet its residents experience extraordinary fragility. Mumbai's real estate is as valuable as gold, and a gateway to power. Yet an enormous share of the population lives in slums with minimal civic promises fulfilled. In the same city that hosts the country's richest households and its most expensive square foot, ordinary life is spent navigating broken footpaths, overcrowded trains, unreliable drainage and the annual monsoon lottery of whether water will enter your home.This is why Mumbai's ambitions have often collapsed. Consider the great promise made in 2006 when the then Prime Minister announced an ambitious plan to turn Mumbai into an international financial centre (IFC). Mumbai had the financial institutions, the human capital, the depth of markets and the global visibility.

If any Indian city could compete with Singapore, Dubai, Hong Kong or London in financial services, it had to be Mumbai. Plans were drafted, committees were formed, reports were published, and the story was told with conviction. Two decades later, Mumbai is still not an international financial centre. It remains India's financial capital — a domestic title — but the global destination status never arrived.The IFC plan did not fail because of lack of bankers, entrepreneurs, lawyers or capital. Mumbai failed because it lacked what global cities require: coherent governance and high-quality infrastructure delivered at scale. This is where Gujarat's

GIFT City managed to steal a march — not because it possessed Mumbai's cultural or market depth, but because it offered policy alignment, friendly regulation, fiscal incentives and administrative push from the top. Mumbai remained trapped in the politics of discretion.

Mumbai's financial autonomy is limited since even the property tax rates are determined by the state government. The impressive coastal road project needed funding from the Centre or other sources. The metro network depends much on an external purse. Mumbaikars, apart from their financial orphanhood, also pay a hidden tax, which is in terms of numerous permissions, for building, redevelopment or utilities.

The compliance cost is unpredictable, and consumes time. The delays impose a cost and become translated as higher real estate prices and eventually worsen inequality. There is a strange and perpetually large mismatch between excess stock of luxury supply and unmet demand for affordable housing. A few years ago, it was reported that Mumbai had an inventory of more than two lakh unsold flats.The issue of affordable housing was hardly headlined in the manifestos. Nor was flood control, solid waste management or road repair. The BMC elections brought freebie theatre to civic polls. Manifestos promised rebates, concessions, free bus rides and cash transfers, with no mention of from where the finances would come. In this competitive welfarism, the voters are treated as beneficiaries rather than citizens who have rights. Civic accountability cannot be replaced by a relationship of gratitude from beneficiaries. The government closest to people's lives is the civic administration, but civic politics is behaving like state politics.The mandate for a triple engine again, like in 2017, signals that voters have chosen stability in a fragmented field, and remain committed to cosmopolitanism. The Opposition failed to offer a credible civic vision beyond anti-incumbency. The bogey of a threat to Marathi Asmita did not work. But the deeper message is that Mumbai has started voting with low expectations. The city has become habituated to dysfunction, not outraged by it. This is a dangerous normalisation.

Mumbai's central problem is not only who rules; it is what powers the city-government actually has. Indian public finance and governance still treat cities as administrative appendages of state governments, not as economic engines that require autonomy, capacity and long-horizon planning. The Chief Minister holding the urban development portfolio has become predictable precisely because that department controls the golden goose: land, permissions, development control, and the levers through which politics can monetise urban growth.

If Mumbai is serious about being a world-class city, it needs structural change. It needs single-point accountability for metropolitan outcomes; de-fragmentation of agencies; fiscal autonomy that does not reduce the municipality to an accountant at someone else's mercy; a predictable rule-of-law permissions regime; and a civic compact that treats public goods as non-negotiable. Most importantly, it needs citizens who do not outsource disappointment.

Mumbai has always been a city that contains multitudes: dreams and despair, wealth and vulnerability, glamour and grime, cosmopolitanism and cruelty. But it cannot remain, indefinitely, a city that funds the nation while failing itself. Mumbai voted for stability. But now it must demand fulfilment of its aspiration. The city of dreams can no longer afford the governance of drift.

Bouquet culture: All-pervasive ritual needs a recall

The Tribune Editorial: Wasteful expenditure becomes an established norm, with no questions asked. It also sends a message of misplaced priorities.

THE customary image follows a set pattern — a Chief Minister calling on a Central minister with an impressive bouquet of flowers or a rich state-specific art or craft item. Any visiting dignitary, too, is bombarded with offerings. There is logic in the argument that these are tokens of respect and that such gestures matter. What's problematic is how the culture of indulgence percolates down the line. Government funds are similarly put to use at just about every meeting or event, even ironically if the purpose of the discussion is shortage of funds and seeking additional financial help. At public functions, the stage is filled with a tasteless display. Huge amounts are spent on gaudy souvenirs and unnecessary takeaways. Wasteful expenditure then becomes an established norm, with no questions asked.

It also sends a message of misplaced priorities — that money is never an issue for governments, where and how to spend it certainly is.The unending love for flowers — even if at public expense — is heartwarming, but why is a warm greeting not enough? If the uplifting presence of flowers helps in arriving at decisions that can uplift the lot of the swarming millions, the practice should be passionately followed. If it helps in having a more civilised political discourse, absolutely go for it. There is no evidence to support these claims. It's not simply a call for austerity and putting an end to meaningless rituals. It's a plea for a more responsible and measured way of functioning.

A bouquet represents warmth and hope on behalf of the people, but it's been reduced to a mandatory accompaniment and handout meant for the camera. It's sadly now a metaphor for lazy and costly government habits that serve little purpose. May better sense prevail.

RIP Angel Chakma. More stories from the North-East

As a visual and installation storyteller, Dhiraj's powerful work is an attempt to address his pain.

News from across India and the world has overwhelmed the media — and an incident from December has quietly vanished from the headlines. Barely a month back, a young man from Tripura, Angel Chakma died as a result of wounds he suffered during an attack by thugs in Dehradun, putting the focus back on the discrimination that many from the North-East continue to face whenever they step out of their safe spaces, be it at home or in the areas where they now happen to live.Yet, in this short space of time — the Trumpian threat to Greenland, a Canadian Premier building a strategic partnership with China, the strange spectacle of the legal struggle of stray dogs in India and one of their own, the peace dog Aloka trotting with Buddhist monks in the US — all these incidents have taken over the front pages, headlines and social media reels that inform and define us these days.But apart from the angry and anguished calls for justice, the rage that pours from newspaper columns and studio discussions, which seem to have limited impact on people going about their daily lives (not to speak of governments), there are different responses shared by people from the region on a daily basis.Many of them have either embedded themselves in other states and also are seen or heard on a regular basis. They are visible because they are good at what they do in their chosen professions.They include teachers and sportspersons, singers and artists, chefs, actors, film directors and writers. I think of two here who are making a mark. They don't have to self-advertise or hit the streets, because their chosen works are statements in themselves.I met Dhiraj Rabha for the first time last year. He's a young installation artist from Assam's Goalpara district, just 30, with a smiling countenance and a relaxed air. Behind that exterior, lies a complex story, rooted in a troubled past that is reflective of the challenges that Assam itself faced in the 1990s and 2002. In the past years, Dhiraj has made a mark at Goa's Serendipity Festival, in the Bengal Biennale, in an intense workshop held in Guwahati on a boat on the Brahmaputra and on land.

Most recently, we met at the Kochi Biennale which draws artists from across the world, not just India or South Asia, over a three-month period. Lakhs of visitors including artists, art connoisseurs and tourists, meet, mingle and share experiences as they converse and learn from each other.Dhiraj's father Dhananjay Rabha was a member of the United Liberation Front of Asom (ULFA), the group that espoused separation from India and was subsequently banned by the Central government.After 14 years or so in ULFA, with both his children having been born in exile, Dhananjay returned in a wave of surrenders by former rebels. He and his family were given space in a camp set up in rural Goalpara. They never received any financial compensation and it is the only home that Dhiraj has known and which has shaped his life and thinking.

Most of his experiences that have translated into art have been influenced both by the suffering that his mother, Kaushalya, went through and the 25 years that he's been based in the camp. She was the one who fled from home to home, from one hiding space to another, protecting her small children when the security forces came hunting for them.Dhiraj says, with a gentle laugh, that his elder sister is affectionately called Army buri (old woman) because she was born during such a time of flight and fear. Their living place is simply known locally as the SULFA (Surrendered ULFA) camp.

On a whim, Dhiraj, who was always interested in drawing, applied at the Santiniketan in West Bengal and got admission to a four-year undergraduate course followed by two years in a master's programme.

He made friends, honed in-born talent and learned new skills. As he developed the idea of an installation based on his life experience, he decided to hold the first exhibition in the camp among the people who were his neighbours and friends.People from the village, who often wondered what lay behind those walls, and former

camp inmates came to watch. The audience was captivated, deeply moved. In the early years, he says, there were some 400 people in that camp, today there are barely four families.

As he researched the project, poetically called The Quiet Weight of Shadows, he extensively interviewed former militants to understand their lives and found that their stories were a resistance to and a contradiction of imposed narratives by the State and the establishment media. "Many left to join (ULFA) at the time out of emotion, they had no idea about the ideology, they left because others were going and risking their lives, they had no political convictions," he remarked, acknowledging that those who took up arms "at times went out of control."As a visual and installation storyteller, Dhiraj's powerful work is not just a reflection on the past but a multi-layered effort to address the trauma of those times. A field of glowing, speaking, carnivorous flowers shares history and underlines the point that revolutions and states devour their own while a broken and burnt house could be representative of the loss of memory and the harm.

"I wanted to collect stories, I did not try to apportion blame or say what is right and wrong — there are enough people doing that." He is now thinking about a new project — he does not want to be stuck with a "ULFA" artist tag — and is looking at how greedy corporate and political forces have cast covetous eyes on the rich natural resources (especially minerals) of the North-East.

Others too are making different statements.

In Goa, there's Monalisa Baruah and her husband Saurav, whose restaurant Soul Chef — which serves North-East cuisine — has been a runaway hit for over a decade.Through nuanced and, at times, spicy entrees and dishes that include black sesame chicken, the beloved masor tenga (Assamese sour fish in a tomato gravy), the smoked pork with bamboo shoots, the savoury Shillong pork noodles and the aromatic joha rice of Assam, Monalisa has brought the region on a platter to Goa.

Rupee slides past 91 per US dollar: What is driving the fall

The sharp slide came as global uncertainty rose once again. Investors worldwide have been shifting money toward safer assets, which has strengthened the US dollar and put pressure on emerging market currencies.

New Delhi.(Agency)

The rupee weakened sharply on Wednesday, slipping beyond 91 per US dollar and touching fresh record lows in early trade. The currency briefly hit 91.38 before stabilising slightly, but the move signalled deepening stress in global and domestic financial markets.The sharp slide came as global uncertainty rose once again. Investors worldwide have been shifting money toward safer assets, which has strengthened the US dollar and put pressure on emerging market currencies.

GEOPOLITICAL AND TARIFF TENSIONSRenewed tensions between the United States and Europe, along with concerns surrounding trade and geopolitical developments, have pushed global markets into a risk-off mood.Analysts say this shift has been a major driver in the rupee's fall, especially as global equity markets weaken and investors seek the safety of the dollar.Foreign investor behaviour has also played a significant role. Persistent outflows from Indian equities and bonds have reduced dollar supply in the domestic market, pushing the rupee lower.

FII SELLING BACK TO HAUNT

After record foreign selling through 2025, outflows have continued in early 2026, keeping the currency on the back foot. When foreign funds pull money out, they typically convert rupees into dollars, and this process increases demand for the US currency.Strong demand for dollars from importers has added more pressure. India depends heavily on imported commodities, and the combination of higher global prices and a weakening rupee has encouraged companies to hedge aggressively.This hedging behaviour increases dollar purchases, which puts additional strain on the local currency.

Traders say importers have been far more active than exporters, reflecting concerns that the rupee may weaken further.

RBI MONITORING SITUATION

The Reserve Bank of India (RBI) has taken a measured approach to the currency movement. Market participants believe the central bank has been intervening occasionally through state-run banks to prevent disorderly volatility but has allowed the rupee to adjust to global conditions.Rather than defending a particular level, the RBI appears comfortable with a gradual, flow-led depreciation. Economists say the central bank may step in more forcefully only if speculative attacks or panic-driven moves begin to emerge.

WHAT RUPEE'S FALL MEANS FOR YOU

A rupee beyond 91 per dollar carries consequences for the broader economy. Higher import costs could show up in fuel, electronics, and industrial inputs, which may eventually feed into inflation.Overseas travel and foreign education become more expensive, while currency weakness can add to volatility in stock markets. Exporters, on the other hand, may benefit from the improved value of foreign earnings.

We are on the cusp of a historic trade agreement: EU President on FTA with India

New Delhi.(Agency)

European Commission President Ursula von der Leyen confirmed that India and the EU are moving towards the conclusion of the Free Trade Agreement (FTA) negotiations soon and called it a 'historic trade agreement'.During her address at the World Economic Forum (WEF) in Davos on Tuesday, the European Commission President said, "The next weekend, I will travel to India. There's still work to do, but we are on the cusp of a historic trade agreement, indeed some call it the mother of all deals- one that would create a market of 2 billion people, accounting for almost a quarter of global GDP."India officially began its negotiations for an FTA with the EU back in 2007. However, due to significant differences over market access, tariffs, and regulatory frameworks, the talks were suspended in 2013.Commerce Minister Piyush Goyal has called the FTA as the 'mother of all deal' recently. "I have done seven deals so far- all with developed economies. This one will be the mother of all," Goyal said during a media briefing last week. India and EU are likely to conclude their long-pending FTA talks at the 16th India–EU Summit in New Delhi, as negotiations move into the final phase after nearly 18 years.President Ursula von der Leyen and President of the European Council Antonio Costa will be visiting India from January 25 to 27 as chief guests at the Republic Day celebrations. During the visit, leaders from both sides will hold summit-level discussions with Prime Minister Narendra Modi. A formal signing of the trade pact is expected around January 26–27.Currently, the EU accounts for more than 17% of India's total share of exports in 2024-25, with total exports touching $75.85 billion. However, the imports from the EU stood at $60.68 billion in the same year.While both sides have confirmed the conclusion of the deal at the earliest, sensitive sectors of both India and the European Union have been kept out of the deal, the Ministry of Commerce has said. Once finalised, this FTA will be India's largest trade deal – as Indian exporters will have access to 27 countries in the EU.

Markets Open Lower Over Weak Global Cues, FII Selling; Sensex Down 168 Points

New Delhi.(Agency)

The Indian benchmark indices continued their losses on Wednesday, tracking persistent global risk-off sentiment, continued foreign fund outflows and mixed earnings cues.As of 9.30 am, the Sensex lost 168 points, or 0.20 per cent to reach 82,012 and the Nifty declined 28 points, or 0.11 per cent to 25,204.Main broadcap indices performed in line with benchmark indices, with the Nifty Midcap 100 losing 0.18 per cent, and the Nifty Smallcap 100 easing 0.11 per cent.Sectorally, indices were trading mixed, with Nifty metal and pharma being the notable gainers -- up 0.83 per cent and 0.86 per cent, respectively. IT and chemicals were among major losers, down 0.81 per cent and 1.21 per cent, respectively.

Immediate support lies at 25,050–25,100 zone, while resistance is now anchored near 25,350–25,400 zone, market watchers said.US President Donald Trump threatened to impose 200 per cent tariffs on French wine and Champagne, said Vikram Kasat, Head Advisory, PL Capital.Analysts said the stock selloff in US markets amid Trump's renewed Greenland-related threats makes sense if investors are adopting a risk-off approach."If investors were simply moving to safer assets, bond prices would have increased. Instead, they also fell on Tuesday, sending yields to their highest value since August," Kasat pointed out.Greenland Prime Minister Jens-Frederik Nielsen on Tuesday asked residents to start preparing for a possible military invasion from the US, however adding that such a scenario is unlikely.

Another analyst noted that if the threatened tariffs come into effect, Europe could retaliate leading to a trade war negatively impacting global trade, resulting in further selling in stock markets.

Our refineries are robust!': India can process Venezuelean crude oil when available; here's what IOCL chairman said

New Delhi.(Agency)

Indian Oil Corporation Ltd (IOCL) said that the country's refineries are capable of processing Venezuelan crude if supplies resume. "If at all things start settling down, if at all a lot of crude starts coming out of Venezuela, then can't we import oil from Venezuela?" he said.The executive further added that the company, used to process Venezuelean crude a decade back and can do so again. "Venezuelan crude earlier when it was available, like 10 years back or eight years back when it used to be there in the market," Sahney said at the World Economic Forum (WEF) in Davos.Speaking about the capabilities of the refineries, the chairman highlighted that they are strong and can process the supplies. "So our refineries are varied, our refineries are robust. They can process in an admixed manner, but we can process Venezuelan crude if and when it is made available."The remarks follow the US's capture of outsted Venezuelan President Nicolas Maduro in a military operation and an agreement to send 50 million barrels of oil, worth $5.2 billion, to the interim Venezuelan government.Sahney also highlighted India's favourable economic and energy landscape. "India is growing at a phenomenal rate, and everybody is interested in talking about doing business with India," he said.Commenting on global crude prices, he noted, "Crude has been trading in the range of $60-65 per barrel over the past several months. For the better part of the last six months, they were at $60 or below.

Gold at record highs, silver inching closer to Rs 3.5 lakh: Should you buy now

New Delhi.(Agency)

Gold and silver extended their blistering rally on Wednesday, with gold inching toward Rs 1.6 lakh on MCX and silver pushing closer to Rs 3.5 lakh. The surge has left investors wondering whether this is the moment to buy or the moment to hold back.A mix of global uncertainty, rising geopolitical tension and a sharply weaker rupee has turned bullion into the market's preferred safe haven, triggering aggressive buying across the board.

GOLD SURGES TOWARD NEW RECORDS

COMEX gold traded near 4,840 dollars after hitting a lifetime high of 4,849 dollars earlier in the day. Analysts say the trend remains decisively bullish, supported by safe-haven demand and strong technical momentum.Ponmudi R, CEO of Enrich Money, said gold is comfortably trading above all major support zones, including the rising channel and the 20-day EMA near 4,769 dollars. He believes the next big trigger is clear.A sustained move above 4,900 dollars can quickly propel prices toward 5,000 to 5,050 dollars," he said.

In India, the rupee's fall beyond 91 per dollar has intensified the rally. MCX gold continues to hold above the Rs 1,49,300 to Rs 1,50,300 support zone, with buyers stepping in at every dip.

According to Ponmudi, a breakout above

Rs 1,58,000 to Rs 1,59,000 could open the path toward Rs 1,62,000 to Rs 1,65,000 in the near term.

SILVER'S RALLY LOOKS EVEN MORE POWERFUL

Silver has been matching gold's pace and, at times, outshining it. On COMEX, the metal is consolidating between 92.57 and 95.73 dollars, but the breakout above the crucial 90 to 92 dollar zone remains intact.Ponmudi said silver's strength is supported by both investment demand and powerful industrial drivers. Solar panels, EV batteries, electronics and AI-linked hardware are all pushing consumption higher.He said a breakout above 95.73 to 96.50 dollars could lift silver to 99 to 100 dollars, with long-term potential toward 110 to 120 dollars in 2026.On MCX, silver is inching closer to the Rs 3.5 lakh level. The 20-day EMA near Rs 3,17,000 continues to act as reliable support, and sustained trade above Rs 3,26,000 keeps the uptrend strong. Near-term targets lie at Rs 3,30,000 to Rs 3,32,000, with scope for an extension toward Rs 3,35,000 to Rs 3,50,000.Ponmudi said any dip toward Rs 3,15,000 to Rs 3,13,000 should be viewed as a high-conviction accumulation opportunity.

SO, SHOULD YOU BUY NOW?

Gold and silver are rising because the world is unsettled.Geopolitical tensions are rising, global markets are shaky, major currencies are volatile and central banks continue to accumulate bullion.

India remains top investment bet despite global volatility: Ananya Birla

New Delhi.(Agency)

India remains the most attractive market for long-term investors despite global uncertainty and short-term volatility, said Ananya Birla, Director at the Aditya Birla Group, on the sidelines of the annual meeting of the World Economic Forum 2026 in Davos."Whoever is a long-term investor across the world, I think India is the market to be," she said in a conversation with Siddharth Zarabi - Editor, Business Today."We have the highest working population, we are among the fastest-growing economies, and from a long-term point of view, India is the place to invest."Speaking about the global business environment, Ananya Birla said artificial intelligence is changing the way companies operate at a rapid pace.She said while AI is improving productivity, businesses are still trying to fully understand how the technology will reshape industries and workforces."AI is really transforming things quite rapidly and we don't quite know how the landscape may change," she said, adding that companies must be careful about how they deploy technology.According to her, the focus should be on using AI to improve human efficiency rather than making jobs redundant.

She pointed out that this issue is especially important for countries like India, where employment and workforce participation are critical to economic stability.There is a moral dilemma when it comes to AI. We want to make sure we increase productivity and not create fear around jobs or impact the middle class," she said.

Ananya Birla also spoke about the growing importance of global integration. With the Aditya Birla Group operating across 41 countries and trading in nearly 80 markets, she said managing global capital flows and supply chains has become more important than ever.

Around 41% of the group's operations are outside India, underlining the need for stable global trade frameworks.On trade disruptions and tariffs, including higher duties on Indian exports to the US, she said short-term volatility remains a challenge. However, she added that long-term investors continue to back India due to its scale, growth and demographic strength.She also highlighted the role of infrastructure, inclusion and workforce readiness in India's growth journey.From formal banking inclusion to infrastructure development across sectors such as real estate, she said policy support and execution will be key as India works towards its long-term development goals.

BPCL leads push to lock in long-term Middle East crude oil purchases

Kolkata.(Agency)

Indian state-owned refiner Bharat Petroleum Corp. is seeking to lock in long-term Middle East crude purchases, in the latest sign that the world's third-largest oil importer is edging back toward traditional suppliers and away from a heavy reliance on cheap Russian cargoes.

BPCL, as the company is known, has issued tenders for three grades — Abu Dhabi's Murban, Iraqi Basrah and Oman crude — for delivery from April to March 2027, according to traders familiar with the contracts. That's on top of a purchase agreement signed last year with Iraq for 2026, and is above levels seen in recent years, they said, asking not to be named due to the sensitivity of the matter.

BPCL did not respond to a request for comment.

The oil market has kept a close eye on India's buying activity over recent months, as US sanctions on major Russian producers including Lukoil PJSC and consistent pressure from the Trump administration force refiners to begin weaning themselves off Moscow's discounted crude. In contrast to changes in spot purchases, which can be opportunistic, year-long agreements point to a longer-term commitment.New Delhi officials have now been walking a geopolitical tightrope for months, balancing the country's long-standing relationship with Russia with the reality of political and economic pressure from the US, which imposed punitive tariffs on Indian imports last year. A trade deal with Washington remains elusive.In one indication of increased government attention, the oil ministry's planning and analysis unit asked refiners last month to furnish details of their imports from Russia and US on a weekly basis. They cited directions from the Prime Minister's office, according to people familiar with the matter. But major refiners are edging back to traditional suppliers. Reliance Industries Ltd. has been active in the Middle Eastern spot market, buying grades including Qatar Land and Al-Shaheen earlier this month, the traders said."We have had the situation when suddenly the sanctions came in, and we had to cut back," Srinivas Tuttagunta, chief operating officer of Reliance's refining and trading business, said on an earnings call last week. He added the company could approach national oil companies for alternative supply without disrupting the spot market.

Wall Street sinks as Trump threatens 8 European countries with tariffs over Greenland

The S&P 500 fell 143.15 points, or 2.1%, to 6,796.86. It is the steepest drop for the benchmark index since October.

New Delhi.(Agency)

Stocks slumped on Wall Street Tuesday after President Donald Trump threatened to hit eight European countries with new tariffs as tensions escalate over his attempts to assert American control over Greenland.

The losses were widespread, with nearly every sector losing ground. Major indexes in the U.S. extended losses from last week in what has been a wobbly start to the year.

The S&P 500 fell 143.15 points, or 2.1%, to 6,796.86. It is the steepest drop for the benchmark index since October.The Dow Jones Industrial Average fell 870.74 points, or 1.8%, to 48,488.59. The Nasdaq composite fell 561.07 points, or 2.4%, to 22,954.32.Technology stocks were the heaviest weights on the market. Nvidia, one of the most valuable companies in the world, plunged 4.4%. Apple fell 3.5%.Retailers, banks and industrial companies also fell sharply. Lowe's fell 3.3%, JPMorgan Chase fell 3.1%, and Caterpillar lost 2.5%.European markets and markets in Asia fell. Long-term bond yields in Japan rose to record levels on concerns over the government's fiscal policy, adding to anxiety in global markets.Trump's trade policy has roiled markets since the start of his second term. Stocks have sold off on the threat of steep tariffs, then rallied when Trump delays or cancels a tariff, or negotiates a lower rate.

Trump said Saturday that he would charge a 10% import tax starting in February on goods from Denmark, Norway, Sweden, France, Germany, the United Kingdom, the Netherlands and Finland. The annual combined imports from European Union nations are greater than those from the top two biggest individual importers into the U.S., Mexico and China.

Gold prices surged 3.7% and silver prices soared 6.9%. Such assets are often considered safe havens in times of geopolitical turmoil.The trade tensions apparently short-circuited a recent rally in bitcoin. The cryptocurrency rose above $96,000 late last week but has dropped back to around $89,700.

Treasury yields were mixed in the bond market. The yield on the 10-year Treasury

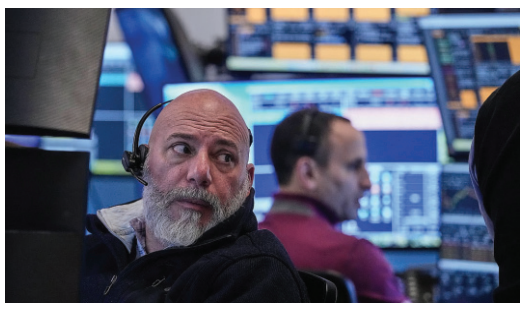

rose to 4.29% from 4.23% late Friday. The yield on the two-year Treasury held steady at 3.60% from late Friday.Companies that focus on consumer staples held up better than most of the market. Colgate-Palmolive rose 1.1% and Campbell's rose 1.5%.The price of U.S. crude oil rose 1.5% to $60.34 per barrel. The price of Brent crude, the international standard, rose 1.5% to $64.92.

Trump linked his aggressive stance on Greenland to last year's decision not to award him the Nobel Peace Prize, telling Norway's prime minister that he no longer felt "an obligation to think purely of Peace," in a text message released Monday.Trump's message to Jonas Gahr Støre appeared to ratchet up a standoff between Washington and its closest allies over his threats to take over Greenland, a self-governing territory of NATO member Denmark.Trump's threats have sparked outrage and a flurry of diplomatic activity across Europe, as leaders consider possible countermeasures, including retaliatory tariffs and the first-ever use of the European Union's anti-coercion instrument.

The trade and political conflict with Europe is heating up just as world leaders meet at the World Economic Forum annual meeting in Davos, Switzerland this week. Wedbush Securities analyst Dan Ives said the new tariff threat "is clearly an overhang on the conference," but that it would likely simmer over time.

Kitna sukhaoge Sukhna Lake ko? Supreme Court's sharp words during Aravalli hearing

While hearing the Aravalli Hills case, the Supreme Court raised the issue of illegal construction to flag the condition of Chandigarh's Sukhna Lake, one of the city's iconic tourist hotspots.

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court on Wednesday expressed concerns over the drying up of Chandigarh's iconic Sukhna Lake to raise the issue of illegal construction while hearing the Aravalli Hills case. While warning the Haryana government against repeating past mistakes, a Supreme Court bench led by Chief Justice of India Surya Kant said the Sukhna Lake had been "completely damaged" due to the connivance of officials and the builder mafia.

"Kitna sukhaoge Sukna Lake ko (How much will you dry up Sukhna Lake) due to connivance of state officials, builder mafia is operating... You have damaged the lake completely," the CJI-led bench said.

The rain-fed Sukhna Lake, one of Chandigarh's iconic tourist hotspots, has long been plagued by dipping water levels. In fact, the lake has become a far cry from

the picturesque water body that used to attract thousands of people every day.The Supreme Court's sharp remarks came while it was hearing the case on the new definition of the Aravalli range. Amid widespread outrage over the new definition, the court paused its own order last year and set up an expert committee (CEC) to undertake an exhaustive examination of the issue.

Previously, the top court had accepted the definition of the Aravallis proposed by the government – hills with a 100-metre height would be considered as 'Aravalli hills'. Two or more such hills within 500 metres of each other, along with the land between them, will be considered an Aravalli range.

On Wednesday, the CJI asked the amicus curiae, senior advocate K Parameshwar, who is assisting the court, to file a detailed note within four weeks by incorporating suggestions from all parties and stakeholders.

The top court made it clear that the definition of "forests" and "Aravallis" would be kept separate in its new order. "What defines a forest will be examined separately. We will consider it as a wider term. The Aravalli issue will be kept narrower," the Supreme Court said.It also directed the Rajasthan government to ensure that illegal mining is stopped "immediately".

Air Force's microlight aircraft crashes in UP during training sortie, pilots safe

New Delhi.(Agency)

An Indian Air Force (IAF) microlight aircraft crashed in Uttar Pradesh's Prayagraj on Tuesday during a routine training sortie. Both pilots on board ejected safely and were later recovered, the Air Force said.The crash occurred during a routine flying exercise. No civilian casualties or damage to property on the ground were reported.Videos from the site show the aircraft's wreckage scattered across the ground, with some parts still on fire. Another clip appears to capture the pilots ejecting safely.

The cause of the crash is yet to be ascertained. The Air Force has ordered a court of inquiry to determine the circumstances leading to the incident.The accident comes amid a series of recent IAF training mishaps. In November last year, a Pilatus PC-7 basic trainer aircraft crashed near Tambaram in Chennai during a routine training mission, with the pilot ejecting safely.

In another incident in March last year, an IAF Jaguar fighter jet crashed near Panchkula in Haryana due to a technical malfunction; the pilot steered the aircraft away from populated areas before ejecting safely.

Delhi govt to refab Zakhira, Seelampur flyovers

New Delhi.(Agency)

The Delhi government has cleared three major projects concerning busy city flyovers. On Tuesday, it approved a new flyover on Pankha Road in the Janakpuri area and ordered comprehensive repair of Zakhira and Seelampur flyovers, both of which are critical, high-load structures.

Public Works Department (PWD) Minister Parvesh Sahib Singh said the approvals reflect the government's balanced infrastructure strategy by creating new capacity where congestion is growing, while undertaking scientific and technology-driven repairs of ageing flyovers.To address persistent traffic congestion in west Delhi, the government has approved the engagement of a consultant to conduct a feasibility study and prepare a detailed project report for the proposed flyover on Pankha Road from DESU Colony to D-Block of Janakpuri.

The project report will examine traffic volume, road geometry, land availability, engineering feasibility, and future mobility requirements in the area.

"We are planning ahead where congestion is rising. Janakpuri needs a permanent, well-designed solution, and this is the first step towards that," Singh said.Alongside, the department has sanctioned `20.18 crore for the repair and rehabilitation of Zakhira flyover, which is one of Delhi's busiest passages for traffic moving towards Rohtak in Haryana. This flyover the Anand Parbat area, which lies on its eastern side, is a waterlogging-prone location. Due to its proximity with an industrial area, this flyover carries heavy traffic and has faced structural stress over the years. The new plan will fix these issues, the PWD said.

The approved works will include repair of spalled and honeycomb concrete, replacement of expansion joints, replacement of elastomeric bearings, and strengthening of girders using carbon fibre wrapping.

The government has also approved `17.85 crore for repair and rehabilitation of Seelampur flyover, a vital arterial structure in east Delhi.

"Delhi's flyovers must be safe not just today, but for decades ahead. That is why we are using modern engineering technologies, enforcing strict timelines and fixing accountability at every level," Singh said.

Won't Cancel Any Flights Under New Rules: IndiGo Tells Aviation Regulator

New Delhi.(Agency)

Low-cost carrier IndiGo has informed the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) that it does not plan to cancel any flights after February 10, the date from which the airline has to implement the new flight duty time limitation (FDTL) rules, as it now has the required number of pilots.The DGCA had deferred the implementation of the FDTL rules for IndiGo on December 6, amid the chaotic disruption of flights that had left passengers stranded at airports across the country due to an acute shortage of pilots.The airline had been given time till February 10 to restore normalcy in its operations.DGCA officials held a meeting with the IndiGo management on Monday, during which the airline claimed it had an "adequate" number of pilots on its rolls to meet operational requirements under the new FDTL rules, which provide for more rest time to pilots.

The IndiGo management said that it

would need 2,280 captains by February 10 and has 2,400, while it would need 2,050 first officers and has 2,240 on its rolls."During the meeting with the DGCA on Monday, IndiGo assured operational stability and no flight cancellations after February 10, 2026, based on the current approved network," the regulator stated on Tuesday.

The DGCA has imposed a fine of 22.20 crore rupees on IndiGo following large-scale delays and cancellations by the airline in early December last year.During the three days of 3rd and 5th December, the airline cancelled 2,507 flights and delayed 1,852 flights caused inconvenience to over three lakh passengers stranded at various airports.The fine was imposed following a detailed inquiry conducted by a four-member Committee constituted by the DGCA to undertake a comprehensive review and assessment of the circumstances leading to the operational disruptions of IndiGo.

Intel input flags ISI-backed '26-26' terror plot, Delhi Police issues wanted notice

New Delhi.(Agency)

Indian intelligence agencies have gathered inputs about a suspected terror conspiracy allegedly orchestrated by Pakistan's Inter-Services Intelligence (ISI) in coordination with terror outfit Jaish-e-Mohammed (JeM) to carry out major attacks in India ahead of Republic Day, sources told .According to critical intelligence inputs accessed by India Today, the operation has been code-named "26-26", a reference to January 26. The alert has prompted heightened security measures across the country, particularly in sensitive locations such as Jammu and Kashmir and the national capital.Following the warning, Delhi Police has, for the first time, issued a wanted notice carrying the photograph of Mohammad Rehan, an Al-Qaeda in the Indian Subcontinent (AQIS) terrorist and a resident of Delhi. The poster also

includes Shahid Faisal, identified as the mastermind behind multiple bomb blasts in South India, including the Rameshwaram Cafe blast in Bengaluru.

The intelligence note warns that terror groups are planning coordinated attacks in multiple parts of the country before Republic Day, with the objective of executing a high-impact strike to disrupt national celebrations and spread panic. Jaish-e-Mohammed is believed to be at the centre of the conspiracy, with specific inputs pointing to a major planned attack in Kashmir.

The alert also flags Ayodhya's Ram Temple as a potential target. According to the report, a terror strike was being planned around December 6, following which security agencies intensified surveillance and placed forces on high alert.In the wake of these inputs, security has been significantly tightened in Delhi and other vulnerable locations nationwide. Agencies are also probing possible links between Jaish-e-Mohammed and Punjab-based gangsters, indicating a wider network involved in logistical support and execution.The intelligence note further highlights increased online radicalisation efforts. Agencies are closely monitoring social media platforms, with the Kashmiri Resistance Group's Falcon Squad reportedly issuing threats and attempting to incite Muslim youth through online propaganda.

Amid Fury Over Techie Drowning, Delhi Accident Data Exposes Urban Safety Gaps

New Delhi.(Agency)

The death of a young software engineer who drowned in a waterlogged pit in Noida has once again raised alarm over urban safety in the national capital region. Even as the incident occurred nearly 40 km away from Delhi, data from the Delhi Assembly reveals that between January 2024 and December 2025, 239 people lost their lives to accidents and natural disasters in the capital, with drowning emerging as the deadliest threat.Of the 239 deaths, 89 were due to drowning - more than any other single accidental cause. These fatalities were rarely in deep rivers; instead, they occurred in everyday urban spaces turned into death traps by poor drainage.

Many deaths occurred in underpasses,

waterlogged streets, and central urban areas. The government data also identified the hotspots, which included the Sarita Vihar underpass, Barat Ghar near Ali Vihar, Kalindi Kunj Canal, the DND Flyover, and Jaitpur.

Other accidental deaths reported during the same period included 53 fatalities from fires, 46 deaths due to building collapses during heavy rains, three deaths from electric shocks, and 48 deaths from other natural or man-made disasters. Experts warn that poor drainage, unsafe urban infrastructure, and delayed emergency response continue to put residents at risk.

Traffic Accidents Make Streets Even Riskier

Parallel to the drowning crisis, Delhi's road infrastructure and public transit network remain high-risk zones.

During this same two-year window, nearly 150 accidents involved Delhi Transport Corporation (DTC) and cluster buses, resulting in 41 fatalities.Specifically, DTC buses were involved in 97 accidents, 21 fatal, while cluster buses operated under the Delhi Integrated Multi-Modal Transit System (DIMTS) were linked to 50 accidents, 20 fatal.

Supreme Court Declines To Interfere In Sameer Wankhede Promotion

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court on Monday refused to interfere with the Delhi High Court's decision that upheld a ruling passed by the Central Administrative Tribunal (CAT) granting relief to Indian Revenue Service Officer (IRS) Sameer Wankhede by directing the Centre to proceed with his promotion as the Joint Commissioner of Customs and Indirect Taxes, on eligibility.A bench of Justices PS Narasimha and Alok Aradhe dismissed an appeal filed by the Central government challenging the said Delhi High Court order pronounced on August 28 last year.

"We are not inclined to interfere with the impugned judgment and order in exercise of our jurisdiction under Article 136 of the Constitution of India. The Special Leave Petitions are, accordingly, dismissed. However, the dismissal of this matter will have no bearing on any other proceedings. Pending application(s), if any, stand disposed of," the court noted.

The High Court's August 2025 order had upheld the CAT's December 2024 ruling, which instructed the government to promote Wankhede to the post of Additional Commissioner of Customs and Indirect Taxes, effective from January 1, 2021, contingent on his recommendation by the UPSC. The Tribunal had also directed that his name be appropriately placed in the seniority list of Joint Commissioners.

The Centre opposed Wankhede's promotion on the grounds that several proceedings were pending against the IRS officer. These included an FIR registered by the CBI in May 2023, an ECIR lodged by the Enforcement Directorate under the Prevention of Money Laundering Act, and draft charge-sheets proposing major penalties.

The complaints stemmed from allegations of lapses and corruption linked to the Narcotics Control Bureau (NCB) search and seizure operation in the

Cordelia cruise case, of which Wankhede was a part. NCB's search operation had led to the arrest of several people, including Aryan Khan, the son of Bollywood actor Shah Rukh Khan, on charges of drug abuse.

It was alleged that the accused officers abused their official position and entered into a criminal conspiracy with private individuals. According to the allegations, they facilitated an extortion plot to demand ₹25 crore from the family of an accused in the case, later settled at ₹18 crore, with ₹50 lakh allegedly received as bribe money. Owing to the said allegations against Wankhede, the report recommending his promotion was kept in a sealed cover, and the officers' promotion was stalled.

However, the Delhi High Court, in agreement with the CAT, had approved the officers' promotion by observing that, as of now (August 2025), no departmental proceedings were pending against Wankhede, no charge-sheet had been filed by either the CBI or the ED, and he was neither suspended nor formally charged.

NEWS BOX

Sunita Williams retires after record-breaking space career

CAPE CANAVERAL. (Agency)

NASA's Sunita Williams — one of two astronauts stuck for months at the International Space Station — has retired.The space agency announced the news Tuesday, saying her retirement took effect at the end of December.Williams' crewmate on Boeing's ill-fated capsule test flight, Butch Wilmore, left NASA last summer.

The pair launched to the space station in 2024, the first people to fly Boeing's new Starliner crew capsule. Their mission should have lasted just a week, but stretched to more than nine months because of Starliner trouble. In the end, they caught a ride home last March with SpaceX.Boeing's next Starliner mission will carry cargo — not people — to the space station. NASA wants to make sure all of the capsule's thruster and other issues are solved before putting anyone on board. The trial run will take place later this year.Williams, 60, a former Navy captain, spent more than 27 years at NASA, logging 608 days in space over three station missions. She also set a record for the most spacewalking time by a woman: 62 hours during nine excursions.NASA's new administrator Jared Isaacman called her "a trailblazer in human spaceflight."

Man Who Assassinated Former Japanese PM Shinzo Abe Gets Life Sentence

Tokyo:. **(Agency)**

A Japanese court sentenced a man who admitted to assassinating former Japanese Prime Minister Shinzo Abe to life imprisonment on Wednesday, according to NHK public television. The case has revealed decades of cozy ties between Japan's governing party and a controversial South Korean church.Tetsuya Yamagami, 45, earlier pleaded guilty to killing Abe in July 2022 during his election campaign speech in the western city of Nara.

Abe, one of Japan's most influential politicians, was serving as a regular lawmaker after leaving the prime minister's job when he was killed in 2022 while campaigning in the western city of Nara. It shocked a nation with strict gun control.Tetsuya Yamagami, 45, pleaded guilty to murder in the trial that started in October. The Nara District Court confirmed the verdict and sentenced Yamagami to life in prison, as prosecutors requested.Yamagami said he killed Abe after seeing a video message the former leader sent to a group affiliated with the Unification Church. He added that his goal was to hurt the church, which he hated, and expose its ties with Abe.Prosecutors demanded life imprisonment for Yamagami, while his lawyers sought a sentence of no more than 20 years, citing his troubles as the child of a church adherent. Japanese law authorizes the death penalty in murder cases, but prosecutors do not usually request it unless at least two people are killed.

The revelation of close ties between the ruling Liberal Democratic Party and the church caused the party to pull back from the church. It also prompted investigations that ended with the church's Japanese branch being stripped of its tax-exempt religious status and ordered dissolved.

The killing has also led to officials working to increase police protection of dignitaries.Abe was shot on July 8, 2022, while giving a speech outside a train station in Nara. In footage captured by television cameras, two gunshots ring out as the politician raises his fist. He collapses holding his chest, his shirt smeared with blood. Officials say Abe died almost instantly.

Egyptian Archaeologist Claims He Is "Close" To Finding Legendary Queen Nefertiti's Tomb

world. (Agency)

Famed Egyptian archaeologist and former Minister of Antiquities Dr. Zahi Hawass announced that he is "close" to discovering the long-lost tomb of Queen Nefertiti. According to LiveScience, Hawass and his team are currently excavating in the eastern Valley of the Kings, specifically in an area near the tomb of the female pharaoh Hatshepsut. Hawass said that he doesn't have evidence to support this theory, but has a feeling it could be there."If I made this discovery, I think I would be happy to end my career with the most important discovery of the most important queen of Egypt — Queen Nefertiti. This will lead us to the greatest discovery of the century," Zahi Hawass said in "The Man with the Hat," a new documentary about his life and careerWhile Hawass admits he does not yet have definitive proof, he has narrowed down the search area based on years of mapping the valley and current excavations that have reached significant depths near solid rock. Apart from the tomb search, Hawass has also been conducting DNA and CT scans on unidentified mummies to determine if they are the remains of the queen. Historical Significance:

Discovering Nefertiti's tomb would resolve long-standing debates, such as whether she ruled as a pharaoh under the name Neferneferuaten after the death of her husband, Akhenaten. Ancient depictions show her doing typically pharaonic stuff, like smiting enemies. Despite this, her tomb remains a mystery, leaving her role in Egypt's turbulent religious history a burning topic.Despite Hawass's optimism, other experts remain sceptical. Past theories, such as those by British archaeologist Nicholas Reeves suggesting Nefertiti was hidden behind a wall in King Tutankhamun's tomb, were largely dismissed after radar scans in 2018 found no such chambers. Who was Queen Nefertiti?Queen Nefertiti was the powerful Great Royal Wife of Pharaoh Akhenaten during Egypt's 18th Dynasty, famous for her beauty and influence. Unlike many queens, she was depicted alongside her husband in prominent roles, sometimes leading worship or in military scenes, showing her significant political and religious authority.

North produces enough nuclear material a year for 10-20 weapons: South Korea president

A pragmatic attitude was needed in addressing North Korea's nuclear issue, the president said, adding the "Trump-style approach" could help in communicating with Pyongyang.

SEOUL. (Agency)

North Korea is producing enough nuclear material a year for up to 20 weapons, the South's President Lee Jae Myung said on Wednesday, warning that Pyongyang's ambitions could pose a global danger.

The North carried out its first atomic test in 2006 in violation of UN resolutions and is now believed to possess dozens of nuclear warheads."Even now, nuclear materials sufficient to produce 10 to 20 nuclear weapons a year are still being produced" in North Korea, Lee told reporters at a New Year news conference.At the same time, the North is continuing to improve its long-range ballistic missile technology aimed at striking the US mainland, Lee added."At some point, North Korea will have secured the nuclear arsenal it believes it needs to sustain the regime, along with ICBM capabilities capable of threatening not only the United States but the wider world," he said, referring to intercontinental ballistic missiles."And once there is excess, it will go abroad -- beyond its borders. A global danger will then emerge," he said.Pyongyang has for decades justified its nuclear and missile programmes as a deterrent against alleged regime change efforts by Washington and its allies.A pragmatic attitude was needed in addressing North Korea's nuclear issue, Lee said, adding the "Trump-style approach" could help in communicating with Pyongyang."The suspension of nuclear material production and ICBM development, as well as a halt to overseas exports, would also be a gain," he said.

"It would be a gain for everyone," he added, noting that he had laid out the argument to both US President Donald Trump and his Chinese counterpart Xi Jinping.Since his inauguration in June, Lee has pushed for dialogue with the North without preconditions, a stark departure from the

hawkish approach of his predecessor.Trump-style approachWhile Pyongyang has snubbed Seoul's dialogue offers, Lee said Trump could pave the way forward with North Korean leader Kim Jong Un -- with whom the US leader has expressed his affinity over the years.

"President Trump is a somewhat unique figure, but I think that very trait can at times be a significant asset in resolving problems on the Korean peninsula," Lee said."The Trump-style approach seems to help when it comes to talking with Kim ... I am willing to play the role of a pacemaker in that process."Trump met Kim three times during his first term in efforts to reach a denuclearisation deal.But since his second summit in Hanoi fell through over differences about what Pyongyang would get in return for giving up its nuclear weapons, no progress has been made between the two countries.Trump had expressed hopes for a meeting with Kim ahead of the APEC summit in South Korea in October, which went unanswered by the North Korean leader.Recently North Korea accused the South of flying a drone into the border city of Kaesong.Lee's office has denied it was behind the incursion but alluded it might have been carried out by civilians.One man has claimed responsibility for the breach, telling local media that he had carried it out to measure radiation levels at a North Korean uranium processing facility.

Trump's Davos-bound plane returns to air base after 'minor' electrical issue: White House

World. (Agency)

US President Donald Trump's plane was forced to return to an air base late Tuesday due to a "minor electrical issue" shortly after departing for Switzerland, the White House said.

Air Force One returned to Joint Base Andrews out of an abundance of caution, Press Secretary Karoline Leavitt said. It landed shortly after 11:00 pm (0400 GMT).Journalists traveling with Trump reported that lights in the cabin went out briefly after takeoff.Trump and his entourage will switch to another plane and continue the trip to the World Economic Forum in Davos, where the US president was expected to face off with European leaders over his bid to seize Greenland.With its classic blue and white livery, Air Force One is arguably the world's most iconic plane and an instantly recognizable symbol of the US presidency.Trump has long been unhappy with the current Air Force One jets -- two highly customized Boeing 747-200B series aircraft that entered service in 1990 under president George H.W. Bush.

Last year, Trump said his administration was "looking at alternatives" to Boeing following delays in the delivery of two new 747-8 aircraft.In May, Pentagon chief Pete Hegseth accepted a Boeing 747 that the Gulf emirate of Qatar offered to Trump for use as Air Force One.The jet -- worth hundreds of millions of dollars -- has raised huge constitutional and ethical questions, as well as security concerns about using an aircraft donated by a foreign power for use as the ultra-sensitive presidential plane.

US forces seize seventh sanctioned tanker linked to Venezuela in Trump's effort to control its oil

WASHINGTON. (Agency)

U.S. military forces boarded and took control of a seventh oil tanker connected with Venezuela on Tuesday as part of the Trump administration's broader efforts to take control of the South American country's oil.U.S. Southern Command said in a social media post that U.S. forces apprehended the Motor Vessel Sagitta "without incident" and that the tanker was operating in defiance of President Donald Trump's "established quarantine of sanctioned vessels in the Caribbean."The military command did not say whether the U.S. Coast Guard took control of the tanker as has been the case in prior seizures. Both the Pentagon and Southern Command said they had nothing to add when asked for more details.The Sagitta is a Liberian-flagged tanker and its registration says it is owned and managed by a company in Hong Kong. The ship last transmitted its location more than two months ago when exiting the Baltic Sea in northern Europe.The tanker was sanctioned by the U.S. Treasury Department under an executive order related to Russia's invasion of Ukraine in 2022.The post from U.S. Southern Command indicated the ship had taken oil from Venezuela. It said the capture of the tanker "demonstrates our resolve to ensure that the only oil leaving Venezuela will be oil that is coordinated properly and lawfully."The military command posted what appeared to be aerial

footage of the Sagitta sailing on the ocean, but unlike in prior videos the clip did not show U.S. forces flying toward it in helicopters or landing on the deck of the ship.

Since the U.S. ouster of Venezuela President Nicolás Maduro in a surprise nighttime raid on Jan. 3, the Trump administration has set out to control the production, refining and global distribution of Venezuela's oil products.Officials in Trump's Republican administration have made it clear they see seizing the tankers as a way to generate cash as they seek to rebuild Venezuela's battered oil industry and restore its economy.

Trump met with executives from oil companies nearly two weeks ago to discuss his goal of investing $100 billion in Venezuela to repair and upgrade its oil production and distribution. He said at the time that the U.S. expected to sell at least 30 million to 50 million barrels of Venezuelan oil.Trump told reporters on Tuesday that the U.S. already has taken 50 million barrels of oil out of Venezuela."We've got millions of barrels of oil left," he said at the White House. "We're selling it on the open market. We're bringing down oil prices incredibly."The first tanker was seized off the coast of Venezuela on Dec. 10. Most of the other tankers also have been captured in the waters near Venezuela, with the exception of the Bella 1, which was captured in the North Atlantic.The Bella 1 had been cruising across the Atlantic and nearing the Caribbean when on Dec. 15 it abruptly turned and headed north, toward Europe. The ship was ultimately captured on Jan. 7.

World order in 'midst of a rupture': Mark Carney tells Davos

World. (Agency)

Canadian Prime Minister Mark Carney said Tuesday that the US-led global system of governance is enduring "a rupture," defined by great power competition and a "fading" rules-based order.

Carney delivered his stirring speech to political and financial elites at the World Economic Forum, a day before US President Donald Trump was set to address the gathering in Davos, Switzerland.

Since entering Canadian politics last year, Carney has repeatedly warned that the world was not going to return to a pre-Trump normal.He re-affirmed that message on Tuesday, in a speech that did not name Trump but offered an analysis of the president's impact on global affairs."We are in the midst of a rupture, not a transition," Carney said.

He noted that Canada had benefited from the old "rules-based international order," including from "American hegemony" that "helped provide public goods: open sea lanes, a stable financial system, collective security, and support for frameworks for resolving disputes."

A new reality has set in, Carney said.

"Call it what it is: a system of intensifying great power rivalry where the most powerful pursue their interests using economic integration as coercion."On the menu'In an apparent warning against efforts to appease major powers, Carney said countries like Canada can no longer hope that "compliance will buy safety."

"It won't," he said.

"The question for middle powers, like Canada, is not whether to adapt to this new reality. We must. The question is whether we adapt by simply building higher walls -- or whether we can do something more ambitious.""Middle powers must act together, because if we're not at the table, we're on the menu," Carney said.Great powers can afford for now to go it alone. They have the market size, the military capacity, and the leverage to dictate terms. Middle powers do not."Carney delivered his Davos speech after Canada's Globe and Mail newspaper reported that the Canadian military has developed a model response to a US invasion.Citing two unnamed senior government officials, the paper said the Canadian response model centers on insurgency-style tactics, like those used in Afghanistan by fighters who resisted Soviet and later US forces.

After Trump's 2024 election and in the early months of his new term, he repeatedly referred to the US's northern neighbour as the 51st state and said a merger would benefit Canada.Trump's annexation talk has eased in recent months, but overnight he posted an image on his social media platform of a map showing Canada and Venezuela covered in the US flag, implying a full American takeover of both countries.

Trump says Iran would be 'wiped off the earth' over assassination plot

WASHINGTON. (Agency)

President Donald Trump on Tuesday reiterated a warning that Iran would be wiped "off the face of this earth" if Tehran ever succeeded in assassinating the US leader.In a heated exchange of threats, Iran and the United States both threatened broadscale wars if the leaders of either country are assassinated.

"I have very firm instructions. Anything happens, they're going to wipe them off the face of this earth," Trump said in a News Nation interview that aired Tuesday, in response to a question on Iran's threats on the 79-year-old's life.Earlier Tuesday, in response to any threats facing Ayatollah Ali Khamenei, Iranian General Abolfazl Shekarchi was quoted as saying Trump already knew Tehran would not hold back if the tables were turned."Trump knows that if a hand of aggression is extended toward our leader, we will not only sever that hand, and this is not a mere slogan," Shekarchi

was quoted as telling Iranian state media.

"But we will set their world on fire and leave them no safe haven in the region."

Trump issued a similar warning to Iran a year ago, shortly after returning to the White House, when he told reporters "if they do it, they get obliterated."Iran is still reeling from violence unleashed during some of the biggest anti-government protests since the Islamic revolution in 1979.Human rights groups are working to confirm the number of people killed during the protests, with the Human Rights Activists News Agency reporting more than 4,000 confirmed deaths.The Norway-based Iran Human Rights NGO has said verification of deaths in the crackdown remains severely hampered due to the communication restrictions, but noted on Monday that available information "indicates that the number of protesters killed may exceed even the highest media estimates", which reach 20,000.Iranians began holding mass demonstrations to call for relief from economic woes in December, when the country's currency hit a new low under the leadership of the 86-year-old ayatollah, who has resisted democratic reform for decades.Many in Iran's global diaspora, including exiled Nobel Peace Prize winner Shirin Ebadi, have called for US intervention against the ruling apparatus in Tehran.Ebadi urged "highly targeted actions" against Iran's supreme leader and commanders of his Islamic Revolutionary Guard Corps.

NEWS BOX

T20 World Cup defence first, verdict on Gautam Gambhir can wait

New Delhi. (Agency)

Indian cricket has a long memory when it comes to controversial coaches, and few names evoke as much unease as Greg Chappell. Two decades on, his tenure remains a cautionary tale of how swiftly a coach can be vilified, isolated and ultimately consumed by public and internal dissent. In recent weeks, Gautam Gambhir has found himself drifting into similarly charged territory — a comparison that feels both premature and deeply unfair.The knives have been out in the immediate aftermath of India's historic 1–2 ODI series loss to New Zealand — their first bilateral defeat to the Black Caps on home soil since 1988. Social media, the modern-day Colosseum, was awash with demands for Gambhir's head. To the reactionary observer, the defeat in Indore was one of the final straws in a coaching tenure that has already seen stumbles in the Border-Gavaskar Trophy and home Test whitewashes.

But football-style scapegoating — fire the

coach — misses how deep and structural some of the issues truly are. In fact, Gambhir himself reminded many after the series defeat in Australia that there was no room for hollow satisfaction, despite Virat Kohli and Rohit Sharma's success in the Sydney finale."Yes, I can be very happy with the individual performances, yes. And I will always remain happy with individual performances. But ultimately, we lost the ODI series. That's the bottom line. And I can never celebrate a series loss as a coach," Gambhir had said.To now blame Gambhir for everything that is going wrong is both simplistic and unfair. Yes, his tenure in Test cricket has been deeply disappointing and accountability must be sought. But even in red-ball cricket — a format clearly in transition — the holes are many and systemic, stretching beyond one individual.Yes, India lost the recent ODI series to a second-string New Zealand side that rested several first-choice players in the lead-up to the T20 World Cup starting February 7. But the same caveat applies to India, who were without Jasprit Bumrah, Axar Patel, Hardik Pandya and Varun Chakravarthy — four players who form the spine of India's white-ball plans.

Sanjay Manjrekar defends Gill, Gambhir after NZ loss: Only World Cup matters in ODIs

NEW DELHI. (Agency)

Former India cricketer-turned-commentator Sanjay Manjrekar has come out in defence of Shubman Gill and Co. following their series loss against New Zealand on home soil. India suffered their maiden ODI series defeat against the Kiwis at home after 37 years, going down 1–2 in the series.

Following the loss, Manjrekar urged fans not to go overboard with criticism of the team, stating that bilateral series hardly matter in this day and age. He asked fans to look at the bigger picture, asserting that only the World Cup truly matters in world cricket, and not even the Champions Trophy.Honestly, in 50-over cricket today, what really matters are the World Cups and not even the

Champions Trophy. If you try and remember the last three Champions Trophy winners, you'll struggle to recall those. But the 50-over World Cup, you'll remember each winner from the time the World Cup started," said Manjrekar in a video shared on his Instagram account.Manjrekar added that setbacks in smaller series should not cause panic. In fact, he believes such losses can sometimes help teams reset and improve ahead of bigger events.So, yes, if you want to have your setbacks and poor performances, get them out of the system now, in time for the next World Cup. These bilateral series are scheduled, but they are mostly warm-up games and one shouldn't read too much into them. In fact, the importance of these bilateral series has become such that, two weeks later, no cricket fan even remembers the result of what happened in that bilateral ODI series," he added.Ever since India's dream run in the ODI World Cup 2023, which was brought to an end by a crushing defeat to Australia in the final, India's performance in the 50-over format has been on a downward curve. In the 26 matches played since then, India have won 12, lost 12, tied one, while two have ended with no result. Since 2024, the Men in Blue have lost series against Sri Lanka, Australia and New Zealand.

Bodo/Glimt 3-1 Man City: Champions League shocker in Norway piles pressure on Pep

Champions League: Manchester City suffered one of their worst European nights as they went down 3-1 to Norwegian minnows Bodo/Glimt. Shaky results since the turn of the New Year have led to rumours that Pep Guardiola could exit the Premier League club before the end of his current contract.

NEW DELHI. (Agency)

Pep Guardiola's Manchester City were left reeling on Tuesday night after one of the most shocking results in recent European football history, a 3-1 defeat to Norwegian minnows Bodo/Glimt in the UEFA Champions League at the Aspmyra Stadion. The loss has intensified scrutiny on the City manager's future amid a growing crisis of form that has enveloped the defending Premier League champions since the turn of the year.The Norwegian side, playing in the Champions League group stage for the first time, delivered a near-perfect performance against the star-studded English giants. Kasper Hogh struck twice in quick succession before halftime, exploiting defensive lapses to give Bodo/Glimt a stunning 2-0 advantage. Jens Petter Hauge added a third early in the second half, curling a superb effort past City keeper Gianluigi Donnarumma, before Rayan Cherki pulled one back for the visitors.

City's hopes of a comeback were effectively ended when Rodri was sent off after two yellow cards in the space of a minute, leaving Guardiola's side with ten men and struggling to exert control.The defeat not only stunned the small Arctic club — a team ranked well outside the European elite — but also dealt a heavy blow to City's hopes of automatic qualification for the last 16.For Bodo/Glimt, the victory was historic. The club, based in a town of around 55,000 people and playing in Europe's top competition for the first time, secured their first-ever Champions League win and one of the biggest upsets in the tournament's history. Their tactical discipline, intense pressing and lethal counter-attacks were a stark contrast to City's disjointed performance.

EVERYTHING IS GOING WRONG: GUARDIOLA

Guardiola stressed he did not underestimate Bodo, but he left out a few of their best players, fielding their youngest-ever starting XI in a Champions League match.

"We have to come back to the feeling that the results since 2025 have not been good - in terms of the Premier League, and now today - but we move forward to Wolves and Galatasaray. We see what happens. Today was an incredible opportunity for us," he said."Everything is - the feeling that it's going wrong, it's going against in many details - you have to try to change it."

The result deepens problems for Manchester City, who have struggled for consistency since the start of 2026. After a goalless draw at Sunderland on New Year's Day, City were held 1-1 by Chelsea and later by Brighton, dropping further ground in the Premier League title race. A 2-0 derby defeat to Manchester United last weekend added to the misery and sparked fresh rumours of Guardiola's departure.

IND vs NZ: Pressure on Suryakumar as India enter home stretch of T20 World Cup prep

NEW DELHI. (Agency)

India captain Suryakumar Yadav will be keen to put his batting struggles behind him and sharpen his leadership skills as the hosts step into their final dress rehearsal ahead of their T20 World Cup title defense.

The five-match T20I series against New Zealand, beginning in less than a month, serves as the last major checkpoint before the global showpiece gets underway on February 7. While India boast a winning percentage of over 72 under Suryakumar's captaincy, the skipper's own returns with the bat have left much to be desired. Despite a few injury setbacks, the core of India's squad appears largely settled.The first T20I will be streamed live on the JioHotstar app and website, while the match will also be telecast on the Star Sports network from 7.00 PM IST on Wednesday.As many as seven spots in the playing XI pick themselves, eight, if Tilak Varma regains full fitness—with only one position likely to be debated depending on conditions: an additional fast bowler or wrist-spinner, Kuldeep Yadav.CAN KIWIS CONQUER T20Is TOO?

New Zealand have already rewritten history in India, securing their maiden Test and ODI series victories on Indian soil in the space of just over a year. The next frontier is T20Is. Can the Blackcaps pull off a first-ever series win in the format, discounting the solitary match they won in 2012?

They have come close before, in 2017 and 2023, with both three-match series going

down to the wire, only for India to prevail 2-1 on each occasion. That context alone adds edge to this five-match contest, which also doubles up as the final dress rehearsal for both sides ahead of the T20 World Cup.India enter the series on a roll, having won eight consecutive bilateral T20I series since lifting the world title in June 2024. But they have not faced their perennial bogey team in the format for nearly two years, and New Zealand rarely come empty-handed when taking on India.

The hosts have won 18 of their last 25 T20Is, driven by the explosive starts of Abhishek Sharma and the guile of Varun Chakravarthy in the middle overs. New Zealand, though, are no pushovers, winning 13 of their 21 matches since the last World Cup.With Devon Conway, skipper Mitchell Santner, pace spearhead Jacob Duffy and in-form batters Daryl Mitchell and Glenn Phillips, the Blackcaps shape up as stern opponents in what promises to be a high-stakes series.

SURYAKUMAR MUST SORT HIS FORM

Once an undisputed World No.1 in T20Is, Suryakumar Yadav has suffered his worst run with the bat in 2025. The Indian captain has gone 22 T20I innings without a single fifty and has scored just 218 runs at a worrying average of 12.84.The decision to promote Tilak Varma to No.3 and drop himself down to No.4 has helped the team, but his own batting has now emerged as the weakest link. Suryakumar has struggled against pace, particularly against straight deliveries bowled at hard lengths. The idea of a non-performing captain leading India's T20 World Cup title defence at home does little to inspire confidence.

Virat Kohli scores and returns to London, doesn't need domestic cricket: Former batter

CHRISTCHURCH. (Agency)

Former India cricketer turned commentator Mohammad Kaif has said that Virat Kohli no longer needs to play domestic cricket, as his hunger and passion to represent the country remain unmatched. Kohli continued his rich vein of form in the recent three-match series against New Zealand, scoring 240 runs from three innings.He played a splendid knock of 124 off 108 balls, laced with ten fours and three sixes, during the third ODI, albeit in a losing cause as India fell short of the 337-run target. Following yet another prolific series, Mohammad Kaif praised the batting stalwart for maintaining remarkable consistency despite not playing regularly."Virat has become that player who is seen once in a while now. But he comes, scores runs, and then goes back to London. It has become like that. He comes, scores, and goes. It is not easy to score

so consistently when you are not playing regularly. But it is his passion, his fitness, his pride in playing for the country, his knowledge of the game, and his own preparation. He has proved it," Kaif said on his YouTube channel.Kaif also mentioned that there is no need for Kohli to play domestic cricket anymore, as players can get match practice elsewhere, but the passion to play for the country at the highest level is truly unmatched."There is no need for him to play domestic cricket now. Anyone can get match practice, but the passion he has is not available in any market. Where will you get that from? Even in the last game, he was the hope. Virat will single-handedly win against 10 players standing in front of him too," he added.Kohli has been in tremendous form ever since the third ODI against Australia in Sydney in 2025. He has accumulated 616 runs from his last seven innings at an average of 123.2 and a strike rate of 108.64, with three centuries and as many fifties to his name.

PCB tells ICC it backs Bangladesh's refusal to play T20 World Cup matches in India: Report

New Delhi. (Agency)

The Pakistan Cricket Board has reportedly backed Bangladesh's stance of refusing to play its T20 World Cup matches in India due to "security concerns" in a communication to the ICC.The ICC Board is scheduled to meet on Wednesday to take a final call on Bangladesh's participation in the T20 World Cup, including whether the team will travel to India for the tournament starting February 7.Bangladesh are slated to play all four of their group-stage matches in India, with the first three scheduled in Kolkata and the remaining one in Mumbai.However, the Bangladesh Cricket Board, supported by its government, has remained adamant and sought a shift of its matches to co-hosts Sri Lanka.On the eve of the ICC meeting, the PCB wrote to the global body stating that it supports the BCB's stance, citing political

instability in the region and has copied all ICC Board members on the letter, according to 'ESPNCricinfo'.The ICC and the BCB have held multiple discussions on the issue, including a meeting in Dhaka last weekend, but neither side has changed its position.While the ICC has insisted that the tournament be held as per schedule, the BCB has maintained that it cannot send their team to India.The PCB has not made any public comment on the matter although Board sources have said that the Bangladesh government had contacted Pakistan for support in the ICC.Pakistan will be playing all their matches in Sri Lanka under a hybrid model agreement with the BCCI and ICC till 2027.The crisis related to Bangladesh began after Kolkata Knight Riders released pacer Mustafizur Rahman following a directive from the BCCI, which referred to "recent developments all around".Subsequently, the Bangladesh government banned the broadcast of the IPL, and the BCB formally informed the ICC of its decision of not playing World Cup matches in India.

After beating India in Tests, ODIs can New Zealand complete trifecta in T20I series

New Delhi. (Agency)

When New Zealand arrived in India for the Test series in 2024, the hosts were enjoying a fresh phase under Gautam Gambhir, playing fearless cricket with renewed confidence. Few gave the Blackcaps any chance on Indian soil. Yet, despite missing several big names, New Zealand stunned India with a historic 3-0 whitewash.Fast forward to 2026, and the script did not look very different during the ODI series. India fielded a full-strength side, while New Zealand were without captain Mitchell Santner. The visitors were packed with youngsters, and after losing the opening match in Vadodara, expectations were minimal. However, fuelled by Daryl Mitchell's purple patch, New Zealand once again shocked the hosts with back-to-back wins in Rajkot and Indore to claim their first-ever ODI series victory in India.Now, attention shifts to the T20I series, and the pressure is back on India. New Zealand enter the contest with little expectation, while the hosts have never lost a T20I series under Suryakumar Yadav's captaincy. However, the Indian skipper himself admitted that pressure will be part of the contest.

"When you play any game, pressure is always there. If there is no pressure, then what is the fun of playing this game? I feel when pressure and responsibility come together and we go onto the ground, it feels good — especially when the crowd is there. It motivates us. This is a new year, a new format. T20 cricket is starting now, so let's talk about that because we have been playing this format well," said Suryakumar.The last time New Zealand won a T20I series in India was back in 2012, sealed by a dramatic one-run victory in Chennai against a side featuring Gautam Gambhir and MS Dhoni. So what makes this current Blackcaps unit a genuine threat?

New Zealand squad for India T20Is

Bevon Jacobs, Tim Robinson, Devon Conway, Mitchell Santner (c), Michael Bracewell, Mark Chapman, Kristian Clarke, Zak

Foulkes, Daryl Mitchell, James Neesham, Glenn Phillips, Rachin Ravindra, Kyle Jamieson, Jacob Duffy, Matt Henry, Ish Sodhi.

Batting prowess in plenty

The only potential concern in New Zealand's batting lineup is the lack of explosive firepower at the top. Finn Allen and Tim Seifert, both part of the T20 World Cup squad, are currently tied up with Big Bash League commitments. As a result, Devon Conway and Tim Robinson are expected to open the innings.While Conway is a familiar name for Indian fans, Robinson has been making headlines with his consistency. In 15 T20Is last year, he scored a hundred and a fifty, amassing 402 runs at an average of 44.66 and a strike rate of 144.6.

Add to that the presence of Daryl Mitchell, on whom Santner will be banking to replicate his ODI heroics. Although Mitchell's T20I record against India is modest — 241 runs in 14 matches — his understanding of Indian conditions makes him a dangerous prospect.Mark Chapman and Glenn Phillips provide solidity and acceleration in the middle order, capable of shifting gears at any stage. Santner himself has evolved into a finisher over the past year, striking at an impressive rate of over 187.67.

With clearly defined roles and a line-up stacked with power hitters, New Zealand will look to match India's firepower across the five-match series.

Bigg Boss 18 Fame

Kashish Kapoor

Reveals She Won't Be Part Of The 50: 'I Had Been Approached But...'

JioHotstar's upcoming reality show 'The 50' has created quite a buzz ever since it was announced. With nearly two weeks to go for the reality show to premiere, fans are curious about the list of contestants who will be participating in the show. So far, a few contestants including Shiny Doshi, Divya Agarwal and others have been confirmed by the makers. Bigg Boss 18 fame Kashish Kapoor has now shared a statement sharing that she will not be a part of the show, even though she was approached for 'The 50'.

Kashish Kapoor On Why She Won't Be Joining The 50

On Tuesday, Kashish Kapoor shared a statement clarifying that she will not be participating in The 50. She revealed that she had been approached by the makers, and was in the final stage of payment negotiation. However, it didn't work out due to a scheduling conflict. In her Instagram stories, Kashish wrote, "Many ppl are speculating whether I am doing the 50 or not. So, here it is. Yes, I had been approached and we were in the final stages of negotiating payment however, the dates of another project that I am doing came and that's clashing with the 50."

She further added, "Thus, due to the lack of availability of dates, I will not be doing the 50. Thanks for all the love though." Check out her Instagram story below!For the unversed, Kashish Kapoor was one of the wild card contestants on Bigg Boss 18. She was also seen in MTV Splitsvilla X5.

Meanwhile, recently, Bhojpuri actress Monalisa (Antara Biswas), known for her participation in Bigg Boss 10, confirmed that she has joined 'The 50' along with her husband Vikrant Singh Rajpoot. Divya Agarwal, Shiny Doshi, Karan Patel and Faisal Shaikh, also known as Mr Faisu, have also been confirmed for the show.

About The 50

Produced by Banijay Asia, The 50 is India's upcoming large-scale reality show. Streaming soon on JioHotstar and Colors, The 50 promises a bold new format set to disrupt the Indian reality TV playbook. The upcoming JioHotstar show, adapted from the popular French series Les Cinquante, features 50 contestants in a lavish palace setting with no fixed rules, allowing for unpredictable drama, strategy, and politics.

Priyanka Chopra's

Brother 'Grew Up On His Own' As Mom Travelled With Actress, Doctor Dad Stayed Busy

Fame often looks shiny from the outside. But inside many successful families, there are quiet trade-offs. In the case of Priyanka Chopra, that cost, her mother admits, was paid at home. Long before global premieres, red carpets and Hollywood headlines, Priyanka was an unsure teenager pushed gently but firmly towards a film career she did not even want. Behind that decision stood her mother, Madhu Chopra, who now speaks openly about the emotional toll that journey took on the family, especially on Priyanka's younger brother.After winning the Miss World title in 2000, offers poured in for Priyanka Chopra. But acting was never the plan. Madhu has recalled that her daughter was academically inclined and hesitant about cinema.

The doubt was so intense that when Priyanka signed her debut Tamil film Thamizhan, there were visible tear marks on the contract. To support her daughter, Madhu began travelling constantly with 18-year-old Priyanka. Their father, Dr Ashok Chopra, remained busy with his medical work. That left Priyanka's brother, Siddharth Chopra, largely on his own during his teenage years.

Speaking earlier on the Something Bigger Show, Madhu did not soften her words while reflecting on that phase. She said, "Siddharth was the collateral damage to all of Priyanka's success, because their dad (Dr Ashok Chopra) was working, I was with Priyanka, he just grew up on his own and he was a teenager at that time. He, I think, was collateral damage for me." She added, "When I think about it, these are certain things that you had to deal with."

Talking about Siddharth, who got married in 2024, Madhu admitted that she still worries about him. She said, "I see him struggling everyday and I feel that, okay god has blessed you, so just count your blessings, one by one and it will surprise you what the lord has done. I count my blessings everyday. I have two great kids, who love me, care for me."

On Dr Stuti Khare Shukla's YouTube channel, Madhu also spoke about managing Priyanka's early career, her own medical practice, and household duties. Despite the chaos, she insisted that time with her children was never compromised. She said, "When I was with them, it was 100 percent children's time. That was really good. I think that's how they could imbibe the work ethics also, that you have to work hard if you want to achieve something and also give time to yourself, your family and your life."

Border 2 Producer Nidhi Dutta Reveals Real Reason Why Tabu Was Not Cast In The Second Part

Producer Nidhi Dutta, the daughter of J. P. Dutta, who is gearing up for the release of her upcoming production 'Border 2', has shared why actress Tabu was not cast in the film's 2nd part.Nidhi spoke with IANS during the promotions of the film, and said that since 'Border 2' caters to a different battle from the 1971 war between India and Pakistan, and not the battle of Longewala, only a few actors from the first part make an appearance in the film.

She told IANS, "Sunny Deol is not playing Kuldeep Singh Chandpuri in the film. You must have understood in all the assets from the film that Major Kuldeep Singh Chandpuri, who he played in the first film, is a different character. So obviously, the wife will also be different".She also shared that the film was entrusted to them as a moral responsibility by the late CDS General Bipin Rawat.

She said, "This is a responsibility, not an idea. Our late Chief of Defence Staff, General Bipin Rawat had called me and my father to Delhi a few years ago to meet. And during that time, he had given us stories of 22 such heroes, of which 3 and 4 are in this film. And he had said that these are some stories of our martyrs, of our soldiers, which have to be conveyed to the people.

And he had entrusted that responsibility to me and my father. After that, of course, unfortunately, we lost him in a helicopter crash. And so I would say that this film is not just a dream of mine and my father. I think this is also the dream of late General Bipin Rawat ji. And a year and a half after his passing, when I was thinking about what we should do in the next JP films, what should we do in my father's company, at that time, out of those 22 stories, there were a few stories that are now behind me, which I added together and wrote a script for 4 of them. And that's it. Border 2 is in front of you."

Ranveer Singh's Mom Flaunts Granddaughter Dua's Name On Her Hand, Pic Goes Viral

A picture of Ranveer Singh's mother Anju Bhavnani proudly flaunting her granddaughter Dua Padukone Singh's name has left fans gushing!

Ranveer Singh and Deepika Padukone are proud parents to their one-year-old daughter, Dua Padukone Singh, whom they welcomed in September 2024. The couple revealed their little one's face for the first time in October last year, sharing a set of adorable pictures that instantly won hearts. While Dua is undoubtedly the centre of Ranveer and Deepika's world, she is also equally cherished by her doting grandmother, Ranveer's mother, Anju Bhavnani. A picture that is going viral on Instagram shows Anju Bhavnani flaunting Dua's name on her hand.

Ranveer Singh's Mom Flaunts Dua's Name

A photo that has been widely shared on Deepika and Ranveer's fan pages shows Anju Bhavnani proudly flaunting her granddaughter Dua's name written with henna on her hand. The picture seems to have been clicked at a wedding, and Anju Bhavnani is seen in a lime green ethnic outfit, posing happily as she shows off the beautiful, minimal mehendi featuring Dua's name. Fans couldn't help but gush over the sweet gesture, and while one netizen commented, "Dua's dadi is the coolest," another one wrote, "Baby Dua is so loved." Check out the picture below!

Earlier, in December 2024, Anju Bhavnani donated her hair to mark the third-month birthday of her granddaughter Dua. The touching moment quickly went viral on social media, with fans of Ranveer and Deepika Padukone sharing screenshots of Anju's heartfelt note dedicated to little Dua. Anju wrote, "Happy 3rd month birthday my darling Dua. Marking this special day with a gesture of love and hope. As we celebrate the joy and beauty of Dua growing up, we are also reminded of the power of goodness and kindness. Hoping that this small act might bring comfort and confidence to someone going through a difficult time."

Meanwhile, Ranveer and Deepika celebrated Christmas and New Year 2026 in New York together. They also attended their friend's wedding there. Several photos and videos of the couple posing with their fans in NYC went viral on social media in the last few weeks.